मंगलवार 23 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष - 8

डाक संस्करण
बुधवार 24 जून 2026

Email- dainiklokmaya@gmail.com

RNI No.-CHHHIN/2010/35328
डाक पंजीयन-छग/रायपुर संभाग/17/2026-2028

दैनिक अखबार संपूर्ण छत्तीसगढ़ के समाचार

लोकमाया

रायपुर, वर्ष-17, अंक - 161 | रायपुर, भोपाल और दिल्ली से प्रकाशित | E paper-lokmaya.news | पृष्ठ- 12 | मूल्य- ₹ 2

साय कैबिनेट की बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के लिए 2 नए योजनाओं को मंजूरी, बायोगैस नीति का किया गया अनुमोदन

लोकमाया न्यूज।

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में नवा रायपुर स्थित महानदी भवन मंत्रालय में मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई और कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय-

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, सशक्तीकरण, विभागीय योजनाओं के अभिसरण और डिजिटल सुशासन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए ''विकसित भारत - रोजगार और आजीविका के लिये गारंटी मिशन (ग्रामीण) = वीबी-जी राम जी योजना छत्तीसगढ़'' के प्रारूप का अनुमोदन किया है। भारत सरकार के अधिनियम, 2025 के अनुरूप लागू की जा रही इस योजना के तहत पात्र ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिवस अकुशल श्रम आधारित रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी।

इस योजना के तहत जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण आधारभूत संरचना निर्माण, आजीविकामूलक परिसंपत्तियों के विकास तथा ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे।

इस योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत आधारित समेकित विकास, विभागीय योजनाओं के अभिसरण तथा पीएम गति शक्ति से समन्वय को बढ़ावा मिलेगा। विकास कार्यों की बेहतर कार्ययोजना एवं निगरानी के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल प्रणालियों का उपयोग करते हुए पारदर्शिता, सुशासन एवं जवाबदेही को सुदृढ़ किया जाएगा।

इस योजना के क्रियान्वयन में केंद्र एवं राज्य के व्यय का अनुपात 60:40 रहेगा तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य बजट में 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से ''अटल आजीविका समृद्धि हाट'' योजना प्रारंभ करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सृजन केंद्र (हथकरघा, बुनाई-सिलाई, हस्तशिल्प आदि), प्रसंस्करण इकाइयां (दलहन, तिलहन, राइस मिल, डेयरी आदि), सेवा केंद्र (कोल्ड स्टोरेज, सोलर ड्रायर, कृषि उपकरण मरम्मत, अटल डिजिटल केंद्र आदि), विपणन केंद्र तथा आपूर्ति केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस योजना का उद्देश्य उपलब्ध अधोसंरचना और मशीनरी का बेहतर उपयोग करते हुए स्थानीय उत्पादन, प्रसंस्करण, सेवा और विपणन गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे तथा स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा। योजना के क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को नोडल एजेंसी तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है।

''अटल आजीविका समृद्धि हाट'' के माध्यम से कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, सेवा व्यवसाय, डिजिटल तकनीक, हरित ऊर्जा तथा ग्रामीण बाजारों को नई गति मिलेगी और प्रदेश की ग्रामीण आजीविका को मजबूत आधार प्राप्त होगा। छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति, 2026 के प्रारूप का भी अनुमोदन कैबिनेट की बैठक में किया गया। इस नीति के माध्यम से राज्य में उपलब्ध कृषि अवशेष, नगरीय ठोस अपशिष्ट, पशुधन अपशिष्ट एवं अन्य जैविक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन कर उन्हें स्वच्छ गैसीय ईंधन कम्प्रेस्ड बायोगैस में परिवर्तित किया जाएगा। इस नीति से अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, जैव उर्वरक उत्पादन तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के अनुसार राज्य में लगभग 5 लाख टन प्रतिवर्ष CBG उत्पादन की संभावना है। इस नीति के क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण को राज्य नोडल एजेंसी तथा ऊर्जा विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश और प्रशासनिक आदेश जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है।

बलिदान दिवस पर मोदी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि, विकसित भारत के संकल्प को दोहराया

लोकमाया न्यूज ।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने मुखर्जी को एक विशिष्ट राष्ट्रभक्त, विद्वान और राजनेता बताते हुए कहा कि राष्ट्र के विकास के लिए उनका आजीवन समर्पण आज भी भारत की पीढ़ियों को प्रेरित करता है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर डॉ. मुखर्जी के सार्वजनिक जीवन में योगदान को याद करते हुए देश के हितों के प्रति उनके समर्पण पर बल दिया। मोदी ने लिखा, बलिदान दिवस पर मैं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देता हूं, जो एक महान देशभक्त, विद्वान और राजनेता थे जिन्होंने अपना जीवन भारत के विकास के लिए समर्पित कर दिया।

प्रधानमंत्री ने डॉ. मुखर्जी के साहस और दृढ़ विश्वास की सराहना करते हुए कहा कि उनकी विरासत समकालीन भारत में भी प्रासंगिक है। मोदी ने कहा, उनका अटूट विश्वास,सार्वजनिक जीवन में हिम्मत और देश के हित के लिए समर्पण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। डॉ. मुखर्जी का बलिदान हमारी यादों में रहेगा। राष्ट्र निर्माण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की विकास यात्रा आगे भी डॉ मुखर्जी द्वारा प्रतिपादित आदर्शों से प्रेरित और निर्देशित होती रहेगी। मोदी ने कहा, हम एक सशक्त और विकसित भारत के निर्माण के अपने संकल्प को दोहराते हैं, जो उन मूल्यों से प्रेरित है जिन्हें उन्होंने जीवन की अंतिम सांस तक संजोया और उनकी सेवा की।

उल्लेखनीय है कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. मुखर्जी को देश की एकता की वकालत करने और अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को दिए गए विशेष दर्जा का विरोध करने के लिए याद किया जाता है।

जम्मू-कश्मीर में हिरासत में रहते हुए 23 जून, 1953 को उनकी मृत्यु हो गई। उनकी निधन पर आज के दिन प्रतिवर्ष भारतीय जनता पार्टी और उससे जुड़े संगठन हर साल बलिदान दिवस के तौर पर मनाते हैं।

राशिद हत्या मामला : दिल्ली पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी हारून गिरफ्तार

नयी दिल्ली। नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली पुलिस ने राशिद हत्याकांड में एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए मंगलवार को खजूरी इलाके में सिग्नेचर ब्रिज के पास हुई मुठभेड़ के बाद मामले के मुख्य आरोपी हारून को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों के मुताबिक, जिले की स्पेशल स्टाफ टीम को इलाके में हारून की मौजूदगी के बारे में जानकारी मिली थी, जिसके बाद उसे पकड़ने के लिए एक खास अभियान चलाया गया। जब पुलिस टीम ने उसे रोकने की कोशिश की, तो हारून ने भागने की कोशिश की और पुलिस अधिकारियों पर गोली चला दी। सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने पुलिस पार्टी पर कई राउंड गोलियां चलाईं, जिसके जवाब में टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी के दौरान हारून के पैर में गोली लगी और बाद में पुलिस ने उसे काबू कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे इलाज के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया। उसके पास से एक हथियार भी बरामद किया गया है, हालांकि पुलिस ने अभी तक हथियार और ऑपरेशन के दौरान बरामद अन्य चीजों के बारे में विस्तृत जानकारी जारी नहीं की है। हारून काफी समय से फरार चल रहा था और राशिद के सनसनीखेज हत्याकांड में वांछित था। उसकी गिरफ्तारी को नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। जांचकर्ताओं का मानना है कि आरोपी से पूछताछ करने पर हत्या से जुड़ी और जानकारी मिल सकती है और अपराध में शामिल अन्य लोगों की पहचान हो सकती है। आगे की जांच जारी है।

ईरान पर तेल से जुड़े प्रतिबंध कुछ समय के लिए हटाए गये : वेंस

लोकमाया न्यूज।

बुर्गेनस्टॉक (स्विट्जरलैंड)। अमेरिका ने सोमवार को ईरान पर तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों को कुछ समय के लिए हटा लिया है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निरीक्षकों को देश में वापस लौटने की अनुमति देगा।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस ने कल कहा कि ईरान पर तेल से जुड़े प्रतिबंध कुछ समय के लिए हटाए गये है।

पश्चिमी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि यह कदम तब उठाया गया जब ईरान, संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निरीक्षकों को देश में वापस आने की इजाज़त देगा।

स्विट्ज़रलैंड के आलीशान बुर्गेनस्टॉक रिज़ॉर्ट में बातचीत के बाद वेंस ने पत्रकारों से कहा, हमने एक सफल अंतिम समझौते के लिए बहुत अच्छी नींव रखी है। इस बातचीत का मकसद ईरान के साथ अमेरिका-इज़रायल युद्ध को खत्म करना है। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि परमाणु मुद्दे पर बहुत संक्षिप्त चर्चा हुई लेकिन विस्तार से कोई बातचीत नहीं हुई। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य, जो दुनिया के ज़्यादातर तेल के लिए एक अहम रास्ता है - अब जहाजों की आवाजाही के लिए पूरी तरह से खुला है। ईरान ने युद्ध की शुरुआत में ही इस जलमार्ग को बंद कर दिया था, जिससे पूरी दुनिया में आर्थिक हलचल मच गई थी।

ट्रंप के दावों को मोदी क्यों नहीं देते चुनौती : कांग्रेस

एजेंसी ।

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तुष्ट करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि ट्रम्प ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने के दावे कर रहे हैं लेकिन मोदी उनको चुनौती नहीं दे रहे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि भारत को किसी भी ऐसी व्यापारिक संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए झांसे में नहीं आना चाहिए जो देश हितों के खिलाफ हो। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका भारत पर दबाव बनाकर अपने पक्ष में व्यापार समझौता कराने की कोशिश कर रहा है। रमेश ने कहा कि गत छह फरवरी को घोषित भारत- अमेरिका व्यापार समझौते के तहत भारत से कई रियायतों की अपेक्षा की गई, जबकि अमेरिका की ओर से ठोस गारंटी नहीं दी गई। उन्होंने दावा किया कि ऐसी किसी भी डील से भारतीय किसानों और घरेलू हितों को नुकसान हो सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रपति ट्रंप को खुश करने के बजाय राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए और अमेरिकी राष्ट्रपति के उन दावों का जवाब देना चाहिए, जिनमें उन्होंने बार-बार ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाने का श्रेय लेने की बात कही है।

अलीगंज अग्निकांड पर योगी का ताबड़तोड़ एक्शन चार आरोपी गिरफ्तार, चार अफसर सस्पेंड

एजेंसी।

लखनऊ। लखनऊ में अलीगंज कोचिंग सेंटर अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक्शन मोड में हैं। अलीगढ़ में कार्यक्रम रद्द कर सीधे लखनऊ पहुंचे मुख्यमंत्री ने पहले घटनास्थल का जायजा लिया, फिर केजीएमयू में घायलों से मिले। इसके बाद उच्च स्तरीय बैठक कर चार आरोपियों की गिरफ्तारी और चार अफसरों को निलंबित करने के निर्देश दिए।

हादसे के वक्त मुख्यमंत्री अलीगढ़ में लोगों को संबोधित कर रहे थे। मंच से ही घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने सभी कार्यक्रम रद्द कर लखनऊ रवाना होने की घोषणा की। इससे पहले उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत अफसरों को मौके पर भेजकर राहत-बचाव के निर्देश दिए थे।

लखनऊ पहुंचते ही योगी सीधे अलीगंज घटनास्थल पहुंचे और राहत-बचाव कार्य देखा। इसके बाद केजीएमयू ट्रामा सेंटर जाकर घायलों का हाल जाना और डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

उन्होंने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की मदद का ऐलान किया। मुख्यमंत्री आवास 5 कालीदास मार्ग पर हाई लेवल मीटिंग बुलाई गई। इसमें एसीएस अमृत अभिजात और एडीजी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में दो सदस्यीय एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया गया। एसआईटी को सात दिन में रिपोर्ट देनी है और बड़े अफसरों की जवाबदेही भी तय करनी है। पुलिस ने रामकृष्ण उपाध्याय, वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला, तूशॉक कृष्णा जायसवाल और सुरेश कुमार साहू को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिजली विभाग के एक्सईएन गौरव कुमार, एफएसएसओ कमलेंद्र कुमार सिंह, लविप्र के सहायक अभियंता अनिल कुमार और जेई प्रमोद पांडे को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया।

जिस बिल्डिंग में आग लगी, उसका आवंटन 1980 में विजय कुमार को हुआ था। 2013 में यह वीरेंद्र व सुरेंद्र शुक्ला के नाम हुई। 2016 में एलडीए ने अनधिकृत निर्माण पर ध्वस्तीकरण का आदेश दिया, लेकिन 10 मई 2016 के आदेश को 5 जुलाई 2016 को ही निरस्त कर दिया गया।

तमिलनाडु सरकार ने दीप-स्तंभ में दीप जलाने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाता खटखटाया

लोकमाया न्यूज ।

नयी दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने मदुरै जिले में थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर एक दरगाह के पास पत्थर के खंभे के ऊपर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति देने वाले मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रूख किया है।

राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय की मदुरै खंडपीठ के छह जनवरी के फैसले को चुनौती देते हुए एक स्पेशल लीव पिटिशन (एसएलपी) दायर की है।

इस फैसले में पिछले साल दिसंबर में एकल न्यायाधीश के उस आदेश को बरकरार रखा गया था जिसमें उस जगह पर दीप प्रज्वलन करने की अनुमति दी गयी थी।

तमिलनाडु सरकार ने 11 जून को उच्चतम न्यायालय का रुख किया और मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी जिसमें थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर एक दरगाह के पास मौजूद पत्थर के दीप-स्तंभ दीपा थून पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी गयी थी।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब भक्तों ने इस परंपरा को जारी रखने की अनुमति मांगी जबकि राज्य के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने इसका विरोध करते हुए कहा कि उस जगह पर दीपक जलाने की कोई स्थापित परंपरा नहीं है।

उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने श्रद्धालुओं की याचिका को मंजूरी देते हुए कहा कि इस प्रथा से दरगाह के अधिकारों पर कोई असर नहीं पड़ता और इसे रोकने से श्रद्धालुओं के धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन होगा।

बाद में, अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सीआईएसएफ की सुरक्षा में दीया जलाने की व्यवस्था करें।

बाद में एक खंडपीठ ने इन आदेशों को बरकरार रखा।

खंडपीठ ने यह भी कहा कि इस रस्म से कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं होगी और राज्य के उस दावे को खारिज कर दिया कि दीपा थून महज़ ब्रिटिश-कालीन सर्वे का पत्थर था।

राज्य सरकार ने अब शीर्ष अदालत में इन फैसलों को चुनौती दी है।

खाते तत्कालीन प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल के कार्यकाल के दौरान खोले गए थे

सीबीआई ने बैंक फंड गबन मामले में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल को किया गिरफ्तार

लोकमाया न्यूज ।

नयी दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने वरिष्ठ भारतीय प्रशासिनक सेवा अधिकारी पंकज अग्रवाल को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ शाखा में हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद (एचएसएसपीपी) और राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) के खाते से सरकारी धन की हेराफेरी के मामले गिरफ्तार कर लिया।

वह स्कूल शिक्षा विभाग और कृषि विभाग में प्रधान सचिव के पद पर कार्यरत थे।

उन्हें मंगलवार को अदालत में पेश किया जाएगा। हरियाणा सरकार से मिले संकेतों के बाद सीबीआई ने यह मामला अपने हाथ में लिया था।

जांच में पता चला कि इन विभागों के खाते हरियाणा वित्त विभाग के मौजूदा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करके खोले गए थे और बाद में उनमें तय सीमा से अधिक धन स्थानांतरित किया गया था। सीबीआई ने कहा, ये खाते तत्कालीन प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल के कार्यकाल के दौरान खोले गए थे। जांच में पता चला कि इन विभागों के खातों में धोखाधड़ीपूर्ण लेन-देन के माध्यम से धन का गबन किया

गया, जिससे सरकार को 60.54 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ।

गौरतलब है कि हरियाणा सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने यह जांच राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से अपने हाथ में ली थी।

इन दोनों विभागों से जुड़े कथित घोटाले की राशि लगभग 60.54 करोड़ रुपये थी।

यह मामला सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक शाखा में सामने आए एक बड़े घोटाले का हिस्सा है, जिसमें हरियाणा सरकार के आठ विभागों के लगभग 504 करोड़ रुपये कथित तौर पर फर्जी (शेल) कंपनियों के माध्यम से निकालकर हड़प लिए गए थे।

सीबीआई ने अब तक हरियाणा मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है, जिनमें आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के छह अधिकारी, हरियाणा सरकार के तीन अधिकारी, दो कंपनियां और छह प्राइवेट लोग शामिल हैं।

आईएएस वरिष्ठ अधिकारी आरके सिंह जिन्हें पंचकूला नगर निगम से जुड़े धन की हेराफेरी के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था, उनकी पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

ममता ने चुनाव आयोग को तृणमूल कांग्रेस की नयी कार्यसमिति की भेजी सूची

एजेंसी।

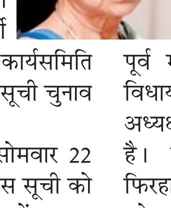

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के भीतर चल रहे गंभीर आंतरिक सत्ता संघर्ष के बीच पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने कार्यसमिति की एक नयी संशोधित सूची चुनाव आयोग को भेजी है।

सूत्रों के अनुसार सोमवार 22 जून की तारीख वाली इस सूची को उसी दिन नयी दिल्ली में चुनाव आयोग के समक्ष जमा कर दिया गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बनर्जी का यह कदम यह साफ संदेश देने के लिए है कि पार्टी के संगठन पर उनका नियंत्रण पूरी तरह कायम है।

यह घटनाक्रम उसी दिन सामने आया जब ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले एक बागी गुट ने अपनी एक अलग कार्यसमिति की घोषणा कर दी। इस बागी गुट के नए ढांचे से ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी दोनों को बाहर रखा गया है। बागियों के गुट ने पूर्व मंत्री और मध्य हावड़ा के विधायक अरूप रॉय को अपना अध्यक्ष (चेयरमैन) नियुक्त किया है। इसके अलावा विधायक फिरहाद हकीम और रथिन घोष को उपाध्यक्ष, जबकि रीताब्रत बनर्जी, जावेद खान, संदीपान साहा और सबीना यास्मिन को महासचिव बनाया गया है। वहीं, अखरुज्जमां को इस गुट का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बनर्जी ने अपनी सूची बागी गुट की घोषणा से पहले जमा की थी या उसके बाद।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति मुर्मु को ग्वालियर विमानतल पर दी भावभीनी विदाई

भोपाल (लोकमाया)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मध्यप्रदेश के 5 दिवसीय भ्रमण के बाद 22 जून को सुबह वायुसेना के विमान से ग्वालियर से दिल्ली रवाना हुईं। राष्ट्रपति मुर्मु श्योपुर जिले के कूनों से हैलीकॉप्टर से वायुसेना के विमानतल महाराजपुरा ग्वालियर पधारीं। उनके साथ मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी थे। ग्वालियर विमानतल पर राज्यपाल पटेल, प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाह एवं महापौर शोभा सिकरवार ने विदाई दी। विमानतल पर अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव, डीजी होमगार्ड सुश्री प्रज्ञा रिचा श्रीवास्तव, संभागीय आयुक्त मनोज खत्री, आईजी अरविंद कुमार सक्सेना, डीआईजी असित यादव, कलेक्टर रुचिका चौहान, पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय एवं वायु सेना के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण करें अधिकारी : कलेक्टर प्रियंक मिश्रा

भोपाल,निप्र। आम जनता की समस्याओं का त्वरित और संतुष्टिपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी के तहत आने वाले आवेदनों का निराकरण केवल कागजों पर न किया जाए, बल्कि नागरिकों की संतुष्टि और कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रत्येक शिकायत का निराकरण संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए ताकि आमजन को वास्तविक राहत मिल सके। बैठक के दौरान लोक सेवा गारंटी अधिनियम की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों को मिलने वाली सभी सरकारी सेवाएँ तय समय-सीमा के भीतर ही उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाने के लिए नियमित मॉनिटरिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर बल दिया। इसके साथ ही राजस्व प्रकरणों और विभागीय प्राथमिकताओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी विभागों को नियमित रूप से लंबित कार्यों की प्रगति देखने के निर्देश दिए। कलेक्टर मिश्रा ने आगे कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के पात्र हितग्राही तक समय पर पहुँचे, इसके लिए सभी विभागों को आपस में बेहतर तालमेल और समन्वय के साथ काम करना होगा। इस उच्च स्तरीय बैठक में अपर कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सभी एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने चीता मित्रों से किया संवाद, संरक्षण की ली जानकारी

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने दो दिवसीय कूनो नेशनल पार्क के प्रवास के दौरान सोमवार को चीता मित्रों से संवाद कर चीता संरक्षण के प्रयासों की जानकारी ली। राष्ट्रपति ने चीता मित्रों से चर्चा करते हुए उनके द्वारा चीतों की सुरक्षा और आमजन के बीच चीतों के व्यवहार को लेकर किये जा रहे जन-जागरूकता के प्रयासों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सभी चीता मित्रों से वन-टू-वन चर्चा कर परियोजना के लिए उनके द्वारा मानसेवी रूप से किये जा रहे प्रयासों की सराहना की।

राष्ट्रपति मुर्मु को चीता मित्रों ने अवगत कराया कि कूनो नेशनल पार्क से लगे सभी ग्रामों में चीता मित्र मौजूद है, जिनके द्वारा चीतो की सुरक्षा के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। चीतो के आबादी क्षेत्र में आवागमन की स्थिति पर किये जाने वाले कार्यों के संबंध में सभी को अवगत कराया गया है।

चीता मित्रों के प्रयासों को सराहा

ग्रामीणों को यह जानकारी भी दी जा रही है कि स्वाभाविक रूप से चीते किसी को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। चीता जब आबादी क्षेत्र अथवा खेतों में दिखाई दे तो तत्काल वन विभाग को अवगत कराया जाये, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार से नुकसान न पहुँचे। भारत में चीतों की पुनर्बसाहट के लिए यह परियोजना अति महत्वपूर्ण है। इस दौरान चीता मित्र कुलदीप आदिवासी सिलोरी, संग्राम आदिवासी एवं कु. राजनदंनी आदिवासी हथेडी, मल्हा आदिवासी सेसईपुरा, शिवम आदिवासी पालपुर, विनोद आदिवासी पैरा, रामलखन आदिवासी कराहल, लालाराम आदिवासी सेसईपुरा, दौलतराम आदिवासी सेसईपुरा और सतीश आदिवासी मोरावन मौजूद रहे।

इस अवसर पर वन विभाग के प्रमुख सचिव संदीप यादव, पीसीसीएफ शुभरंजन सेन, कमिश्नर सुरेश कुमार, आईजी सचिन अतुलकर, कलेक्टर शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल, सीसीएफ उत्तम कुमार, डीएफओ आर थिरूकुराल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें। उल्लेखनीय है कि कूनो नेशनल पार्क में चीतों की पुनर्स्थापन योजना को लगभग साढ़े तीन वर्ष से अधिक का समय हो गया है। नेशनल पार्क में नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका एवं बोत्सवाना से चीतों को लाया गया है, वर्तमान में देश में चीतों की संख्या 52 है, जिनमें से 49 चीते कूनो नेशनल पार्क में तथा 03 चीते मंदसौर स्थित गांधी सागर अभ्यारण में मौजूद है। भारत में जन्मे चीतो की संख्या 32 है, चीता प्रोजेक्ट निरंतर सफलता की ओर आगे बढ रहा है। राष्ट्रपति मुर्मु चीता मित्रों से संवाद के उपरांत हेलीकॉप्टर से ग्वालियर के लिये रवाना हुई। हेलीपेड पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मीनिस्टर इन वेटिंग एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला, सांसद शिवमंगल सिंह तोमर सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने आदरपूर्वक विदाई दी।

मुख्यमंत्री ने की मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास विभाग की समीक्षा

मछली पालन को बढ़ावा देने हर जिले में विकसित करें हैचरी : डॉ. यादव

लोकमाया न्यूज।

इंदौर,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एकीकृत मत्स्योद्योग नीति : 2026 के कारण प्रदेश में मछली पालन सेक्टर में 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आ रहा है। प्रदेश में प्राप्त 2 लाख 91 हजार 9 सौ 38 केज के प्रस्तावों के लिए कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं।

प्रदेश में मोती उत्पादन को भी प्रोत्साहित किया जाये, इसके लिए अन्य राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिसेस का अध्ययन कर उनका क्रियान्वयन प्रदेश में सुनिश्चित किया जायें। प्रदेश को मछली उत्पादन में आत्म निर्भर बनाना जरूरी है। अगले ढाई साल में हमें मछली बीज अन्य स्थानों से नहीं खरीदना पड़े, इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर विभाग कार्य करे। हर जिले में एक हेचरी आवश्यक रूप से विकसित की जाये। जिलों में मछली बीज आसानी से मिलने से प्रदेश में मछली उत्पादन में और बढ़ोत्तरी होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मछुआ कल्याण तथा मत्यस्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। मंत्रालय में हुई बैठक में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्य मंत्री नारायण सिंह पवार, मुख्य सचिव अनुराग जैन, विभाग के सचिव स्वतंत्र कुमार सिंह तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मछुआ क्रेडिट कार्ड : मध्यप्रदेश पूरे देश में दूसरे स्थान पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बढ़ रहे मछली उत्पादन को दृष्टिगत रखते हुए कोल्ड चेन तथा अन्य आवश्यक इंफ्रास्टक्चर विकसित किया जाये। ब्रांडिंग और निर्यात के लिए आवश्यक नेटवर्किंग को भी प्रोत्साहित किया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नदियों के पुनर्जीवन, जलीय जीवों के संरक्षण के लिए सभी संबंधित विभाग परस्पर समन्वय से कार्य करें। जलीय ईको सिस्टम को विकसित करने और जल सम्पदा पर आधारित पर्यटन गतिविधियों को विस्तार देने के लिए भी कार्य योजना बनाई जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत अन्तर्देशीय जल क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। राष्ट्रीय स्तर पर अन्तर्देशीय मत्स्य पालन में सिवनी जिले को वर्ष 2023-24 के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मध्यप्रदेश जीआरपी ने किया सामूहिक योगाभ्यास

लोकमाया न्यूज।

■ 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' थीम के साथ प्रदेशभर के रेलवे परिसरों में 1129 से अधिक लोगों ने लिया भाग

भोपाल,निप्र। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल स्थित रानी कमलापति रेलवे स्टेशनके प्लेटफॉर्म क्रमांक-1 पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल राजाबाबू सिंह के मुख्य आतिथ्य में पहली बार वृहद स्तर पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित यह विशेष कार्यक्रम यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों एवं विभिन्न वर्गों के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल अंकित जायसवाल (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल नीतू सिंह डावर तथा उप पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल रामस्नेही चौहानविशेष रूप से उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि जीआरपी भोपाल इकाई के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में आयोजित योग कार्यक्रमों में शासकीय रेलवे पुलिस के 402 अधिकारी-कर्मचारी, रेलवे सुरक्षा बल के 150 जवान, 98 वेंडर, 85 कुली, 10 पॉइंट्समैन, 162 ऑटो चालक, 50 रिक्शा चालक, 50 रेलवे कर्मचारी तथा 122 रेल सेवा से जुड़े अन्य व्यक्तियों सहित लगभग 1129 लोगों ने सहभागिता करते हुए सामूहिक रूप से योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दे रही विशेष सुविधाएं

बिल, मीटर और इंस्टॉलेशन से जुड़ी दिक्कतों का 1912 पर घर बैठे होगा समाधान

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के जिलों में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की सुविधा और उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी द्वारा कार्यक्षेत्र में लगाए जा रहे आधुनिक स्मार्ट मीटरों को लेकर उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1912 पर विशेष शिकायत दर्ज करने की सुविधा शुरू की गई है। उपभोक्ता स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायत के लिए सीधे इस नंबर पर संपर्क कर निराकरण करा सकते हैं।

कंपनी द्वारा शुरू की गई इस सुविधा के अंतर्गत स्मार्ट मीटर उपभोक्ता हेल्पलाइन नंबर 1912 पर कॉल करके स्मार्ट मीटर का अनुचित तरीके से इंस्टॉलेशन होना, स्मार्ट मीटर का जल जाना, डिस्प्ले बंद होना या मीटर का क्षतिग्रस्त होना, मासिक बिजली बिल का जनरेट न होना, गलत बिल जनरेशन की समस्या, बिल में एक्सपोर्ट यूनिट्स का गलत दर्ज होना, मीटर की तेज रिकॉर्डिंग के कारण बिजली का अधिक बिल आने संबंधी शिकायत, 'उपाय' ऐप में स्मार्ट मीटर का डाटा गलत दिखना या प्रदर्शित न होना, बिजली बिल में मीटर का गलत सीरियल नंबर अंकित होना, नए स्मार्ट मीटर की स्थापना के समय शुरुआती रीडिंग में विसंगति, सोलर/नेट मीटर में परिवर्तित न होना, रीकनेक्शन न किया जाना, नए स्मार्ट मीटर की स्थापना के समय पुराने मीटर की संबंधी शिकायतों का निराकरण करा सकेंगे।

स्मार्ट मीटर पूरी तरह सुरक्षित और सटीक

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया है कि स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं, सटीक बिलिंग और ऊर्जा दक्षता में सुधार हो रहा है। स्मार्ट मीटर लगाने का काम समय सीमा में पूर्ण करने के लिए कंपनी की टीमें लगातार कार्य में जुटी हुई हैं। यदि किसी उपभोक्ता को मीटर की कार्यप्रणाली, बिलिंग या इंस्टॉलेशन को लेकर कोई भी शंका या समस्या है, तो वे बिना किसी झिझक के टोल-फ्री नंबर 1912 पर कॉल कर सकते हैं। कॉल सेंटर पर शिकायत दर्ज होते ही संबंधित तकनीकी टीम द्वारा प्राथमिकता के आधार पर समस्या का जल्द से जल्द निराकरण किया जाएगा।

डॉ. यादव ने छिंडवाड़ा सड़क हादसे पर दुःख जताया

भोपाल (विनय उजाला)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे में पांच लोगों की असमय मृत्यु पर गहन दु:ख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपये, गंभीर घायलों को एक-एक लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा घायलों के नि:शुल्क उपचार के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिजन को यह दु:ख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर टेमनी खुर्द के पास एक ट्रक और पिकअप की भिड़त हो जाने से यह दु:खद दुर्घटना हुई।

महिला आयोग की जनसुनवाई में सामने आए एआई दुरुपयोग के गंभीर मामले

लोकमाया न्यूज।

भोपाल,निप्र। देश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते डिजिटल और पारंपरिक अपराधों के बीच, मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की संयुक्त बेंच (जनसुनवाई) में गंभीर मामले सामने आए जिन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है।

आयोग की अध्यक्ष रेखा यादव एवं सदस्य साधना स्थापक की अगुवाई में 22 प्रकरणों की त्वरित सुनवाई की गई। एक तरफ घरेलू हिंसा के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए, वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी आधुनिक तकनीक के दुरुपयोग और यौन शोषण के मामलों ने आयोग का ध्यान आकर्षित किया। आयोग ने सभी मामलों को बेहद संजीदगी से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल और निष्पक्ष वैधानिक कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं।

बनाईं अश्लील व भ्रामक तस्वीरें : तकनीक के जरिए महिलाओं को निशाना बनाने का एक बेहद संवेदनशील और आधुनिक मामला इस जनसुनवाई का मुख्य केंद्र रहा। एक पीड़ित युवती ने आयोग के समक्ष शिकायत दर्ज कराई कि वैवाहिक वेबसाइट के माध्यम से एक युवक और उसके परिवार से शादी की बातचीत आगे बढ़ी थी। युवती के परिवार ने इस रिश्ते को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया, तो युवक ने प्रतिशोध की भावना से सोशल मीडिया पर उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से युवती की फर्जी शादी, गोद भराई और अन्य भ्रामक तस्वीरें प्रसारित कर दिया। युवती की सामाजिक प्रतिष्ठा को धूमिल करने के इस सुनियोजित प्रयास को देखते हुए महिला आयोग ने इसे एक गंभीर साइबर अपराध माना और मामले को त्वरित जांच एवं कठोर कार्रवाई के लिए तुरंत साइबर सेल (साइबर वेलनेस सेंटर) को प्रेषित कर दिया है।

शादी का झांसा और ब्लैकमेलिंग पर आयोग सख्त

नर्स का मानसिक उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग

एक अन्य प्रकरण में समाज में रसूख का धौंस देकर महिलाओं को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया। अस्पताल में कार्यरत एक महिला नर्स ने खुद को पत्रकार बताने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार मानसिक उत्पीड़न करने की शिकायत दर्ज कराई। नर्स का आरोप था कि उक्त आरोपी उसके विरुद्ध फर्जी वीडियो और झूठी, भ्रामक खबरें प्रसारित कर समाज में उसकी छवि को पूरी तरह खराब करने का प्रयास कर रहा था। हद तो तब हो गई जब आरोपी ने महिला आयोग के वैधानिक अस्तित्व के संबंध में भी सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और धमकीपूर्ण बातें कहीं। आयोग के सख्त रवैये और कड़े निर्देश के बाद दोनों पक्षों को संयुक्त बेंच के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित कराया गया और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई का रोडमैप तैयार किया गया।

अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित हुई डॉक्यूमेंट्री

64 योगिनी पर बनी है 'वाय 64-व्हिस्पर्स ऑफ द अनसीन'

लोकमाया न्यूज।

■ संस्कृति विभाग व काली ट्रस्ट के सहयोग से निर्मित डॉक्यूमेंट्री का अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के बीच होगा प्रदर्शन

■ 64 कैनवास से 15,000 किलोमीटर की आध्यात्मिक यात्रा से सिनेमा तक का है सफर

भोपाल,निप्र। 19वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2026 मुंबई में कलाकार एवं साधक डॉ. बीना उन्नीकृष्णन की 64 योगिनी प्रदेश के मितावली स्थित मंदिर पर बनी डॉक्यूमेंट्री 'वाय 64-व्हिस्पर्स ऑफ द अनसीन' का प्रदर्शन हुआ। संस्कृति विभाग एवं काली ट्रस्ट के सहयोग से निर्मित यह डॉक्यूमेंट्री अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के लिए पहली बार प्रदर्शित की गई। मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव दक्षिण एशिया का सबसे पुराना और सबसे बड़ा फिल्म समारोह है। यह विशेष रूप से वृत्तचित्र, लघु कथा और एनीमेशन फिल्मों को समर्पित है।

इस अवसर पर भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रभात ने डॉ. बीना उन्नीकृष्णन एवं उनकी टीम को सम्मानित किया। कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार दीपक नारायण, एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर दीप्ति चावला, डॉ. बीना उन्नीकृष्णन, सिनेमैटोग्राफर प्रदीप सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति रही।

मध्यप्रदेश के अपर मुख्य सचिव, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा सामान्य प्रशासन शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश के मितावली (मुरैना), जबलपुर और खजुराहो के 64 योगिनी मंदिर हमारी पुरातन स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। मितावली का 64 योगिनी मंदिर, जिसने भारत की पुरानी संसद भवन की वास्तुकला को प्रेरित किया, यह आज यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की अस्थायी सूचि में भी शामिल है। 'Y64 - Whispers of the Unseen' जैसी परियोजना इस अद्वितीय विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचा रही है। डॉ. बीना उन्नीकृष्णन की कलात्मक यात्रा के माध्यम से यह फिल्म युवाओं को भारत की सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हुए सृजनशीलता, साहस, आत्म-अन्वेषण और स्त्री शक्ति जैसे सार्वभौमिक मूल्यों से परिचित कराती है।

साढ़े 12 वर्ष पूर्व हुई शुरुआत

डॉ. बीना उन्नीकृष्णन ने बताया कि लगभग साढ़े बारह वर्ष पूर्व उन्होंने 64 योगिनियों के चित्रांकन की प्रक्रिया को केवल एक दस्तावेज़ के रूप में संजोने की शुरुआत की थी, समय के साथ यह प्रयास समर्पण, धैर्य और आत्म-परिवर्तन की सिनेमाई यात्रा बन गया। इस वर्ष उन्होंने 64 मूल चित्रों के साथ भारत के 14 शहरों में 15,000 किमी की सड़क यात्रा कर हजारों लोगों को योगिनी परंपरा से परिचित कराया तथा कला, संस्कृति और अध्यात्म पर व्यापक संवाद स्थापित किया। जब मैंने यह यात्रा शुरू की थी, तब मैं केवल उत्तर खोजती एक कलाकार थी। सोचा न था कि यह एक पुस्तक, प्रदर्शनी, हजारों किलोमीटर की यात्रा और अंतत : एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का रूप ले लेगी।

समान नागरिक संहिता : उच्च स्तरीय समिति ने भोपाल में की राज्य स्तरीय सुनवाई

लोकमाया न्यूज।

भोपाल, निप्र। समान नागरिक संहिता के अध्ययन एवं परीक्षण के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों ने सोमवार को प्रशासन अकादमी में राज्य स्तरीय बैठक में व्यक्तियों, संस्थाओं, शासकीय विभागों, राजनैतिक दल, धर्म गुरुओं सहित विभिन्न आयोगों के प्रतिनिधियों की राय जानी।

उच्च स्तरीय समिति में सदस्य और उत्तराखंड के सेवानिवृत मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह, शिक्षाविद गोपाल शर्मा और डॉ शोभा वेथनकर, वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप नायर, समाजसेवी बुद्ध पाल सिंह ने सुझाव सुने। शासन की ओर से सभी मौखिक और लिखित सुझावों को दर्ज किया गया। सुझावों में प्रमुख रूप से विवाह, विवाह विच्छेद, संतान, दत्तक नियम जैसे विभिन्न विषयों पर राय दी गई।

उच्च स्तरीय समिति के समक्ष मध्यप्रदेश बाल संरक्षण आयोग, मानव अधिकार आयोग, राज्य महिला आयोग, मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग, जनजाति आयोग और वनवासी विकास संघ ने अपने सुझाव दिए। समिति के समक्ष जनजाति कार्य विभाग, गृह, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य,जेल विभाग द्वारा प्रेजेंटेशन दिया गया। उन्होंने अपनी विभागीय योजनाओं के प्रावधानों के साथ समान नागरिक संहिता को जोड़ा।बैठक में भारतीय जनता पार्टी, सीपीआईएम, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी आदि के पदाधिकारियों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बाद में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिख और बौद्ध धर्म गुरुओं ने भी समिति के समक्ष अपने सुझाव दिए।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुरू हुई फूड एंड बेवरेज सुविधा, यात्रियों को मिलेगा बेहतर अनुभव

बिलासपुर। लंबे इंतजार के बाद बिलासपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए भोजन एवं पेय (फूड एंड बेवरेज) की सुविधा शुरू हो गई है। एयरपोर्ट परिसर में स्थापित 'द डायमंड्स रेस्टोरेंट्स' ने आज से अपना आधिकारिक परिचालन प्रारंभ कर दिया। इससे एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले यात्रियों को अब गुणवत्तापूर्ण भोजन और पेय पदार्थों की सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में बीसीएएस के रीजनल डायरेक्टर, एयरपोर्ट डायरेक्टर सहित द डायमंड्स रेस्टोरेंट्स के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने फीता काटकर नई सुविधा का शुभारंभ किया और इसे एयरपोर्ट की यात्री सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। एयरपोर्ट पर फूड एंड बेवरेज काउंटर शुरू होने से यात्रियों को उड़ान से पहले और बाद में बेहतर खानपान की सुविधा मिलेगी। साथ ही विमान चालक दल के लिए भी यह सुविधा विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी। इससे उन्हें एयरपोर्ट परिसर में ही आवश्यक भोजन एवं पेय उपलब्ध हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि इस सुविधा के प्रारंभ होने से बिलासपुर एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा यात्रियों और क्रू सदस्यों का यात्रा अनुभव अधिक सुविधाजनक, आरामदायक और संतोषजनक बनेगा। एयरपोर्ट प्रबंधन ने उम्मीद जताई है कि नई सुविधा यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ एयरपोर्ट की सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

ग्राम पंचायतों में 24 जून को विशेष ग्राम सभाओं का होगा आयोजन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्य की ग्रामीण प्रगति और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। आगामी 24 जून 2026 को प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इन ग्राम सभाओं का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास योजनाओं को धरातल पर मजबूत करना और आम जनता की भागीदारी को बढ़ाना है। इन सभाओं में मुख्य रूप से आवास प्लस 2.0 की स्थायी प्रतीक्षा सूची को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। दावे और आपत्तियों का निराकरण पात्र हितग्राहियों की प्राथमिकता सूची तैयार की जाएगी। इसके साथ ही, सूची को लेकर प्राप्त होने वाले दावों और आपत्तियों का नियमानुसार निराकरण भी किया जाएगा ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। ग्रामीण विकास एवं जनभागीदारी सभाओं के दौरान विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

एनएमएमएसई परीक्षा में 2 विद्यार्थियों का हुआ चयन

लगातार तीसरे वर्ष शापूर्वमा विद्यालय बनारी का शानदार प्रदर्शन

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बनारी के लिए गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय आय-सह-मेधा छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसई) परीक्षा में इस वर्ष विद्यालय के दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों योगिता बरेठ, पिता महेश राम बरेठ तथा पूनम धीवर, पिता देव खिलावन धीवर का चयन हुआ है। इन दोनों विद्यार्थियों की सफलता ने विद्यालय, संकुल केंद्र बनारी तथा पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बनारी से लगातार तीसरे वर्ष परीक्षा में विद्यार्थियों का चयन हो रहा है। यह उपलब्धि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नियमित मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की लगन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। चयनित छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों के मार्गदर्शन तथा निरंतर कठिन परिश्रम को दिया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या और दृढ़ संकल्प के साथ तैयारी की। उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और सीखने की इच्छा ने उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचाया। यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी कराने में संकुल समन्वयक महेश्वर पुरी गोस्वामी का विशेष योगदान रहा। उनके द्वारा विद्यार्थियों को समय-समय पर अतिरिक्त मार्गदर्शन, अभ्यास प्रश्नों का समाधान, परीक्षा की रणनीति तथा निरंतर प्रेरणा प्रदान की गई। उनकी मेहनत और समर्पण ने विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके साथ ही, विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास और परीक्षा तैयारी में व्याख्याता राहुल देव दिवाकर का भी उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ। उन्होंने समय-समय पर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए आवश्यक शैक्षणिक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया, जिससे विद्यार्थियों को अपनी तैयारी को और बेहतर बनाने में सहायता मिली। विद्यालय परिवार ने इस शानदार उपलब्धि पर चयनित विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं सहयोगी शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया है कि भविष्य में भी इसी प्रकार विद्यार्थी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन करते रहेंगे। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि विद्यार्थियों में सीखने की लगन, शिक्षकों का समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों का सहयोग हो, तो कठिन से कठिन लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

कलेक्टर-एसपी ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने निर्देश

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात सुरक्षा उपायों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां दुर्घटनाओं की संभावना अधिक रहती है, वहां स्पीड ब्रेकर, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, कैट आई, सड़क प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने सड़क पर अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क किनारे अवैध कब्जों एवं अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है। कलेक्टर ने राजस्व, नगरीय निकाय, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं पुलिस विभाग को समन्वय बनाकर अभियान चलाने तथा सड़क सुरक्षा में बाधक अतिक्रमणों को हटाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्कूलों एवं महाविद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने तथा मोटरयान अधिनियम के उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने दुर्घटना की स्थिति में घायलों को गोल्डन ऑवर के भीतर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित संस्थाओं को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने दुर्घटनाजन्य स्थलों पर जिग-जैग मार्किंग, रम्बल स्ट्रिप, साइन बोर्ड, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था एवं वाहनों में रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने नेशनल एवं स्टेट हाईवे पर नियमित पेट्रोलिंग, ओवर स्पीडिंग, ड्रिंक एंड ड्राइव तथा ढाबों के आसपास सड़क पर वाहन खड़े करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरलोडिंग, ओवर स्पीडिंग एवं अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ कलेक्टर-एसपी ने लॉ एण्ड ऑडर के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर आर.के. तंबोली, अपर कलेक्टर श्रीमती स्निग्धा तिवारी, जिला परिवहन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

रेलवे स्टेशन पर पुलिस का सख्त पहरा, संदिग्धों की हुई जांच

सक्ती पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, होटल-लॉज संचालकों को भी दिए कड़े निर्देश

(लोकमाया न्यूज)।

सक्ती। जिले में कानून व्यवस्था और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सक्ती पुलिस ने रेलवे स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) भुवनेश्वरी पैंकरा, थाना प्रभारी लखन लाल पटेल तथा पुलिस टीम ने अभियान को अंजाम दिया। अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर, रेलवे यार्ड, साइकिल स्टैंड, होटल, लॉज, प्रतीक्षालय सहित अन्य सार्वजनिक एवं संवेदनशील स्थलों की गहन जांच की गई। स्टेशन और आसपास घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर उनकी पहचान सत्यापित की गई तथा आवश्यकतानुसार तलाशी भी ली गई। पुलिस अधिकारियों ने होटल और लॉज संचालकों को अपने यहां ठहरने वाले लोगों का पहचान पत्र अनिवार्य रूप से दर्ज करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के निर्देश दिए। वहीं यात्रियों से संवाद कर उन्हें सतर्क रहने और संदिग्ध वस्तु अथवा व्यक्ति दिखाई देने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने के लिए जागरूक किया गया। सक्ती पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे सघन चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेंगे। पुलिस ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस तक पहुंचाएं।

एएसपी हरीश यादव को मिली पीएचडी की उपाधि

अंग्रेजी एवं हिंदी काव्य पर किया महत्वपूर्ण तुलनात्मक शोध

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। जिले में पदस्थ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव ने अपनी उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि से न केवल पुलिस विभाग बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा अंग्रेजी साहित्य विषय में विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई है। यह सम्मान उन्हें उनके शोध प्रबंध रोमांटिकवाद और छायावाद के परिप्रेक्ष्य में विलियम वर्ड्सवर्थ एवं सुमित्रानंदन पंत का तुलनात्मक अध्ययन के लिए प्रदान किया गया। हरीश यादव का शोध कार्य अंग्रेजी साहित्य के महान रोमांटिक कवि विलियम वर्ड्सवर्थ तथा हिंदी साहित्य के सुप्रसिद्ध छायावादी कवि सुमित्रानंदन पंत की काव्य चेतना, प्रकृति दृष्टि और मानवीय संवेदनाओं का गहन एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। शोध में रोमांटिकवाद और छायावाद जैसी दो महत्वपूर्ण साहित्यिक धाराओं की मूल अवधारणाओं, प्रकृति-चित्रण, आध्यात्मिक चिंतन, मानवीय मूल्यों और काव्यगत विशेषताओं का व्यापक तुलनात्मक विवेचन किया गया है। साहित्य विशेषज्ञों के अनुसार यह शोध हिंदी और अंग्रेजी साहित्य के बीच वैचारिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक साम्य को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और मौलिक योगदान है। यह शोध साहित्य के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, अध्यापकों एवं अध्येताओं के लिए उपयोगी संदर्भ सामग्री सिद्ध होगा तथा भारतीय और पाश्चात्य काव्य परंपराओं के तुलनात्मक अध्ययन को नई दृष्टि प्रदान करेगा। बताया जाता है कि इस शोध कार्य को पूर्ण करने में लगभग दस वर्षों का समय लगा। इस दौरान हरीश यादव ने अपने व्यस्त प्रशासनिक एवं पुलिस दायित्वों का निर्वहन करते हुए निरंतर अध्ययन, अनुसंधान और लेखन का कार्य जारी रखा। कठिन परिश्रम, अनुशासन और साहित्य के प्रति समर्पण के बल पर उन्होंने अपने शोध को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। अपनी इस उपलब्धि पर हरीश यादव ने अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ललित पटेरिया, पूर्व कुलपति डॉ. ए.डी.एन. बाजपेयी, कुलसचिव तारनिष गौतम, कुलसचिव तरुण धर दिवान, शोध निर्देशक डॉ. ए.के. सिंह, पूर्व शोध निर्देशक डॉ. यू.एन. कुर्रे, डॉ. सुनीता तिवारी, डॉ. बिंदा शर्मा तथा विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने परिवारजनों, गुरुजनों, सहयोगियों एवं मित्रों के सहयोग और प्रोत्साहन को भी अपनी सफलता का आधार बताया।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

खरीफ सीजन के लिए खाद-बीज रखे उपलब्धता

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। कलेक्टर ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों, किसानों के लिए खाद एवं बीज की उपलब्धता, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), एग्रीस्टेक पंजीयन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण, समय सीमा के लंबित प्रकरण, मानसून पूर्व तैयारियों तथा आपदा प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा की गई।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कहा कि आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों को खाद, बीज समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, ताकि खेती-किसानी के कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न हो। उन्होंने पात्र किसानों को अधिक से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ दिलाने के निर्देश देते हुए सहकारी बैंकों के साथ-साथ अन्य शासकीय एवं निजी बैंकों के माध्यम से भी केसीसी ऋण उपलब्ध कराने की कार्यवाही करने कहा। साथ ही एग्रीस्टेक पंजीयन शेष बचे किसानों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को किसानों से संपर्क स्थापित कर पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एग्रीस्टेक पंजीयन किसानों को विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कलेक्टर ने जनदर्शन, मुख्यमंत्री हेल्पलाईन के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निराकरण करने एवं लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी संचालन तथा समय-सीमा के लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण की भी समीक्षा की। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति का समीक्षा कर कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि अधिकाधिक हितग्राही इसका लाभ प्राप्त कर सकें। कलेक्टर ने जिले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं स्वच्छ पेयजल व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खराब ट्रांसफार्मरों एवं विद्युत लाइनों की मरम्मत समय पर की जाए तथा विद्युत आपूर्ति में अनावश्यक व्यवधान न आने पाए। इसी प्रकार पेयजल संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण करते हुए जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में राजस्व प्रकरणों, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से विभागवार लक्ष्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी लेते हुए सभी कार्यों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर आर.के. तम्बोली, अपर कलेक्टर श्रीमती स्निग्धा तिवारी, संयुक्त कलेक्टर संदीप ठाकुर सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर के निर्देशन में उर्वरक विक्रेताओं पर कृषि विभाग की सख्ती, अनियमितता मिलने पर मेसर्स कमल सेल्स का विक्रय प्रतिबंधित

खाद की कालाबाजारी और अधिक कीमत वसूली पर होगी कार्रवाई, किसानों से शिकायत करने की अपील

(लोकमाया न्यूज)।

सक्ती। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशन एवं उप संचालक कृषि सक्ती तरुण कुमार प्रधान के मार्गदर्शन में जिले के निजी उर्वरक व्यापारियों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले खाद, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराना कृषि विभाग की प्राथमिकता है। साथ ही खाद की कालाबाजारी एवं निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बिक्री करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत दिवस किसानों को खाद विक्रय में अनियमितता पाए जाने के कारण मेसर्स कमल सेल्स, प्रो. श्री कमल चंद्रा, विकासखंड मालखरौदा के विक्रय स्थल का निरीक्षण कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक एवं मिश्रित) (नियंत्रण) आदेश-1985 के नियमों के उल्लंघन सहित कई अनियमितताएं पाई गईं। जांच में यह पाया गया कि विक्रेता द्वारा आदेश की धारा के नियमों का पालन नहीं किया गया था। अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए प्रतिष्ठान में उपलब्ध खाद के स्टॉक की बिक्री तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दी गई। साथ ही संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई के दौरान 30 मीट्रिक टन यूरिया, 13.9 मीट्रिक टन एसएसपी पाउडर तथा 20 मीट्रिक टन एएसपी को जप्त किया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक संचालक कृषि सुमान सिंह पैकरा, अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्री ऋतुराज, उर्वरक निरीक्षक श्री प्रवीण कुमार यादव, कृषि विकास अधिकारी श्री आर.एन. गर्ग उपस्थित रहे। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक एवं मिश्रित) (नियंत्रण) आदेश-1985 के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। विभाग नियमित निरीक्षण एवं नियमानुसार कार्रवाई के माध्यम से किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों से अपील की गई है कि अधिक कीमत वसूली, कालाबाजारी अथवा अन्य अनियमितताओं की जानकारी अपने नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय को अवश्य दें।

आमानारा (हरदी) में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

शाला प्रवेश उत्सव में बच्चों का किया गया अभिनंदन

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला आमानारा (हरदी) में शाला प्रवेश उत्सव सत् 2026-27 का आयोजन हुआ, संस्था के प्रधान पाठक संतोष तिवारी व शिक्षक नरेन्द्र राठौर के मागर्दशन में सत् प्रारंभ के पूर्व शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रोहित रात्रा के अध्यक्षता में मुख्य अतिथि श्रीमति निशा यादव जनपद सदस्य, ठा. राजशेखर सिंह संरक्षक, सरपंच अंजूलता, उपसरपंच कविता रात्रा, शिवानंद एवं गोविंद खरसन, राजू लसार पंच शैक्षिक समन्वयक धाराशिव (रो.) भुनेश्वर चौबे की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ सर्वप्रथम मॉ सरस्वती के तैलचित्र मार्ल्यापण व पूजन के साथ प्रारंभ किया गया फिर अतिथियों के उद्बोधन के साथ ही नवप्रवेशी बच्चों को रोली टीका लगाकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया, तत्पश्चात इन बच्चों को पाठ्य पुस्तक व स्कूल गणवेश प्रदान किया गया, संस्था के बच्चों को नियमित शाला आने तथा नये सत् में निर्धारित वार्षिक गतिविधियों के विषय में अवगत कराया गया उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के शिक्षक संतोष तिवारी, नरेन्द्र राठौर, सीता गढ़ेवाल, आलोक गढ़ेवाल रसोईया शत्रुहन, लता कश्यप, सफाई कर्मी राजकुमार तथा समस्त विद्यार्थी गण पालक व ग्रामवासी मुख्य भूमिका रही।

चोरी के सरिया खरीदने वाला आरोपी को मुलमुला पुलिस ने किया गिरफ्तार

त्वरित कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

(लोकमाया न्यूज)।

जांजगीर-चाम्पा। जिले के मुलमुला थाना क्षेत्र के ग्राम जेवरा में सरिया चोरी के एक मामले का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए दो विधि से संघर्षरत बालकों एवं चोरी का माल खरीदने वाले एक आरोपी को पकड़ा है। पुलिस ने चोरी गया सरिया बरामद कर वैधानिक कार्रवाई की है। प्रार्थी श्याम कुमार बांधी निवासी जेवरा चंदनिया पारा, थाना मुलमुला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसने अपने घर के सामने निर्माण कार्य हेतु 9 क्विंटल सरिया रखा था। 9 मई 2026 की रात्रि में एक क्विंटल 15 किलो सरिया, जिसकी कीमत लगभग 6900 रुपये को कोई चोरी कर ले गया जिस्की सूचना पर थाना मुलमुला में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। थाना मुलमुला पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पता चला कि दो विधि से संघर्षरत बालकों ने मिलकर सरिया हटाया था और बाद में उसे रविशंकर श्रीवास को 2000 रुपये में बेच दिया था। प्राप्त रकम को दोनों ने आपस में बांट लिया था। पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने पर संबंधित बालकों एवं खरीदार ने घटना के संबंध में बताया, जिनके निशानदेही पर 1 क्विंटल 15 किलो सरिया, जिसकी कीमत लगभग 6000 रुपये बरामद कर जब्त किया गया। साथ ही बालकों के पास बची हुई 300 रुपये गवाहों के समक्ष प्रस्तुत कराई गई, शेष रकम खर्च करना बताया।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल, सउनि फुलेश्वर सिंह सिदार, प्रमोद कुमार महार, हेमलाल महिलांगे, प्रधान आरक्षक अनिल अजगल्ले, बलबीर सिंह, राजमणी द्विवेदी, आरक्षक ओम प्रकाश डहरिया, राजेश कश्यप, रामगोपाल भारती, मनभावन पटेल एवं देव मरकाम का विशेष योगदान रहा।

संकट में साख

उत्तर प्रदेश की राजनीति में पिछले कुछ दिनों से ऐसा लग रहा था कि शायद यहां समयपूर्व विधानसभा चुनाव करा दिए जाएं. जिस तरह सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में माहौल बनाया था, उससे तो यही लग रहा था. पर पिछले कुछ दिनों से राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साख गंभीर संकट में दिख रही है. लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार को एक कोचिंग सेंटर में भीषण आग लगने से 14-15 छात्रों की मौत हो गई. इसी तरह अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी की गंभीर घटना ने पार्टी की विश्वसनीयता और शासन क्षमता पर गहरा सवाल खड़ा किया है. इन दोनों घटनाओं ने न सिर्फ आम जनता बल्कि भाजपा के कोर वोटरों विशेषकर हिंदू मतदाताओं के बीच भी आक्रोश पैदा किया है. नतीजा यह है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों को समय से पहले कराने की संभावना अब लगभग शून्य प्रतीत होती है.

अलीगंज स्थित एक कोचिंग-कम-गेमिंग जोन में लगी आग ने पूरे प्रदेश को हिला दिया. जब अलीगंज जैसे पाश इलाके में इस तरह की सरकारी लापरवाही के चलते 15 लोगों की जान जा सकती है तो कल्पना करिए प्रदेश के अन्य हिस्सों में किस तरह लोग अपनी जान को हथेली पर रखकर घूम रहे हैं. प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को कारण बताया जा रहा है. जाहिर है कि गर्मियों में इस तरह का शॉर्ट सर्किट इसलिए होता है कि क्योंकि कनेक्शन की कपैसिटी से ज्यादा लोड होता है. मतलब कि अगर कनेक्शन पांच एसी चलने का होता है तो कम से कम 10 एसी चल रहे होते हैं. जाहिर है कि इसके पीछे बिजली विभाग की मिलीभगत होती है. बिजली विभाग की स्थानीय इकाई के लिए गैरकानूनी तरीके से भुगतान किया जाता है. अगर अधिकारी इमानदार हो जाएं , सरकार चौकस रहे तो इस तरह की समस्या पर काबू किया जा सकता है. इमारत में अग्नि सुरक्षा के मानकों की घोर उपेक्षा साफ दिखाई दे रही है.जैसे फायर एग्जिट का अभाव साफ दिख रही है.

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक घटनास्थल पर भावुक हो गए, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित परिवारों को 5 लाख रुपये की सहायता और उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया. लेकिन राहत और जांच के बावजूद सवाल उठ रहे हैं कि इतनी बड़ी त्रासदी से पहले सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं सुधारी गई? लखनऊ जैसे महानगर में कोचिंग सेंटरों की भीड़भाड़ और अग्नि सुरक्षा की कमी पर विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है. इसके कुछ ही दिनों पहले अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया. जून 2026 की शुरुआत में आरोप लगे कि मंदिर के दान पेटियों (चढ़ावा बॉक्स) से करोड़ों रुपये गायब हो गए. कुछ रिपोर्ट्स में 7-7.5 करोड़ रुपये की चोरी या गबन का जिक्र है, जबकि सोने-चांदी की ईंटें और गहनों के गायब होने की भी चर्चा है. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इन आरोपों से इनकार किया और आंतरिक ऑडिट का हवाला दिया, लेकिन जनभावना को शांत करने के लिए ट्रस्ट ने ही एसआईटी जांच की मांग की. एसआईटी ने कुछ स्थानों से 2 करोड़ रुपये की वसूली की, लेकिन सीसीटीवी फुटेज मिटने और बैंक कर्मचारियों की संलिप्तता जैसे आरोपों ने मामला और गरमा दिया।

महतारी वंदन योजना: महिला सशक्तिकरण की नई इबारत

आत्मनिर्भरता और सम्मान का सशक्त आधार

डॉ. दानेश्वरी सम्भाकर, (उप संचालक), विवेक सरकार, (उप संचालक)

किसी भी समाज और राज्य के विकास की वास्तविक तस्वीर तब उभरती है, जब उसकी महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से सशक्त हों। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना इसी सोच को साकार कर रही है। यह योजना प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में आर्थिक संबल, आत्मविश्वास और सम्मान का नया अध्याय जोड़ रही है।

प्रदेश की पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। योजना के माध्यम से अब तक 28 किस्तों में कुल 18,165.19 करोड़ रुपये लाभार्थी महिलाओं के खातों में पहुंचाए जा चुके हैं। यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मनिर्भर भविष्य की मजबूत नींव बन रही है।

आर्थिक सहायता से बढ़ा आत्मविश्वास: नारायणपुर जिले के ग्राम गोहाड़ा की श्रीमती गंडाय वडडे के लिए यह योजना जीवन में खुशहाली लेकर आई है। सीमित आय वाले परिवार में बच्चों की पढ़ाई, राशन और दैनिक जरूरतों को पूरा करना उनके लिए कठिन था। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाया है। अब वे घर की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ परिवार के आर्थिक निर्णयों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इससे उनके आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

दूरस्थ अंचलों तक पहुंचा सशक्तिकरण: सुकमा जिले के ग्राम पंचायत बंडा के आश्रित गांव उसकेवाया की श्रीमती हूंगी माड़वी के जीवन में भी इस योजना ने सकारात्मक परिवर्तन लाया है। मजदूरी कर परिवार चलाने वाली हूंगी के लिए हर महीने मिलने वाली सहायता राशि कठिन समय में बड़ी राहत बन गई है। अब वे बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन, राशन और आवश्यक सामग्री की व्यवस्था कर पा रही हैं। दूरस्थ और पहुंचविहीन क्षेत्र में रहने वाली श्रीमती हूंगी के लिए यह योजना आत्मनिर्भरता की नई शुरुआत साबित हुई है।

स्वरोजगार और आजीविका के नए अवसर: महतारी वंदन योजना महिलाओं को केवल सहायता राशि प्रदान नहीं कर रही, बल्कि उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का माध्यम भी बन रही है।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड के ग्राम मझगंवा की श्रीमती हेमा सिंह ने योजना से प्राप्त राशि को बचत और निवेश में लगाया। उन्होंने एक छोटा किराना स्टोर शुरू किया, जो आज परिवार की आय का स्थायी स्रोत बन चुका है।

सरगुजा जिला के ग्राम रामनगर की विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय की श्रीमती करियो ने योजना की राशि से बकरी पालन शुरू किया। आज यह गतिविधि उनके परिवार की आजीविका का मजबूत आधार बन गई है और उनके जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है।वहीं मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के ग्राम झाफल की श्रीमती गौरी राजपूत इस राशि का उपयोग अपनी शिक्षा के लिए कर रही हैं। उनके लिए यह योजना सपनों को साकार करने का माध्यम बन गई है।

निर्णय लेने की क्षमता और सामाजिक सम्मान में वृद्धि: योजना का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव महिलाओं के आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता में वृद्धि के रूप में सामने आया है। महिलाएं अब इस राशि का उपयोग शिक्षा, स्वरोजगार, पशुपालन, बचत और पारिवारिक जरूरतों की पूर्ति में कर रही हैं। इससे न केवल परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि महिलाओं की सामाजिक भागीदारी और सम्मान भी बढ़ा है।

महिला सशक्तिकरण की मजबूत नींव: मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महिला सशक्तिकरण को राज्य के समग्र विकास का आधार माना है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे इसका लाभ प्रदेश के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच रहा है।

आज महतारी वंदन योजना केवल एक कल्याणकारी योजना नहीं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मान प्रदान करने वाला व्यापक सामाजिक परिवर्तन अभियान बन चुकी है। गंडाय वडडे, हूंगी माड़वी, हेमा सिंह, करियो और गौरी राजपूत जैसी हजारों महिलाओं की प्रेरक कहानियां इस बात का प्रमाण हैं कि जब सरकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, तब वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन की आधारशिला बनती हैं।

निस्संदेह, महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के जीवन में नई आशा, आत्मविश्वास और सशक्तिकरण की धारा प्रवाहित कर रही है तथा प्रदेश के समावेशी और संतुलित विकास की मजबूत आधारशिला सिद्ध हो रही है।

ब्रिटेन में पार्टी पॉलिटिक्स

धीरेंद्र राय

भारत में एंटी-डिफेक्शन लॉ (10वीं अनुसूची) 1985 में आया। अगर कोई सांसद या विधायक अपनी पार्टी के खिलाफ वोट दे या दूसरी पार्टी जॉइन करे तो उसकी सदस्यता छिन जाती है (कुछ अपवादों के साथ)। इसका मकसद अस्थिरता रोकना था, लेकिन अब ये कानून पार्टी हाई कमांड को ज्यादा पावर देता है। असहमति को बागी या गद्दारी कह दिया जाता है। ब्रिटेन में कोई सख्त कानून नहीं है। सांसद अपनी पार्टी में रहते हुए नेतृत्व का खुलकर विरोध कर सकता है। यहां वोटर व्यक्ति (सांसद) को वोट देते हैं, पार्टी को नहीं। अगर कोई लेबर सांसद कंजर्वेटिव में चला जाए तो उसकी सीट नहीं जाती।

अपने ही दल लेबर पार्टी के सौ सांसदों के कहने पर कीर स्टार्मर ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और पार्टी के नेता पद से इस्तीफे का ऐलान कर दिया। प्रधानमंत्री आवास 10, डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर मीडिया से बात करते हुए उनकी बातों में पार्टी के भीतर कलेश को लेकर कोई तल्खी नहीं थी। आखिर, ब्रिटेन के सिस्टम में ऐसा क्या है, जो वहां शिवसेना या टीएमसी जैसे हालात नहीं बनने देता।

'मेरी पार्टी मुझसे सवाल कर रही है कि क्या मैं अगले चुनाव में उन्हें नेतृत्व देने के लिए सबसे सक्षम हूं? इस सवाल का जवाब मैंने अपनी पार्टी से सुन लिया और मैं उसे पूरी गरिमा से स्वीकार करता हूं' - ये बातें ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री पद और लेबर पार्टी का नेता पद छोड़ते हुए कही। दिलचस्प ये है कि 2024 में स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ब्रिटेन का संसदीय चुनाव जीता, और पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाई। लेकिन, अब उन्हीं की पार्टी के सौ सांसदों ने उनसे इस्तीफा देने को कहा, और उन्होंने इसे गरिमा के साथ मान लिया। बिना किसी को बागी या गद्दार कहे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री पद और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वे अगले नेतृत्व के चुनाव पूरा होने तक पद पर बने रहेंगे और अपने उत्तराधिकारी को पूरा समर्थन देंगे। एक व्यवस्थित तरीके से सत्ता हस्तांतरण सुनिश्चित करेंगे। लेबर पार्टी के अंदर उनका समर्थन घटने और हालिया बाई-इलेक्शन में एंडी बर्नहम की बड़ी जीत के बाद यह दबाव बढ़ गया था।

ये घटनाक्रम ब्रिटेन और भारत की संसदीय व्यवस्था के बीच अंतर को और साफ करता है। जबकि, दोनों ही एक तरह की संसदीय प्रणाली को फॉलो करते हैं। भारत में इन दिनों टीएमसी और शिवसेना जैसी पार्टियों में नेतृत्व को लेकर कलह, पार्टी की टूट और बल-बदल चर्चा में है। जबकि, ब्रिटेन से ऐसी खबरें नहीं आतीं। बस देखते ही देखते नेतृत्व बदल जाता है। ब्रिटेन में पिछले कुछ सालों में छह प्रधानमंत्री समय से पहले इस्तीफा दे चुके हैं। डेविड कैमरन (ब्रेक्सिट के बाद), थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस (केवल 49 दिन) और ऋषि सुनक ‌ ये सब पार्टी के अंदर घटते समर्थन या संसद में मुश्किलों के चलते चले गए। अब स्टार्मर भी उसी लिस्ट में शामिल हो गए। उनकी लेबर पार्टी 2024 में भारी बहुमत से जीती थी, लेकिन लोकप्रियता घटी। पार्टी

के अंदर से कई सांसद उन्हें इस्तीफा देने को कह रहे थे। एंडी बर्नहम अब सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। ब्रिटेन में पीएम रहने के लिए संसद का विश्वास जरूरी है। अगर बिल पास न हों या पार्टी विद्रोह करे तो इस्तीफा देना पड़ता है। अलोकप्रियता के बावजूद पीएम टिक सकता है, लेकिन बिना सपोर्ट के काम करना व्यावहारिक रूप से नामुमकिन है। भारत में ऐसा कम ही होता है। यहां प्रधानमंत्री हों या मुख्यमंत्री, अक्सर पार्टी के अंदर विरोध के बावजूद टिके रहते हैं। बल्कि, विरोध जताने की गुंजाइश ही नहीं होती।

भारत में एंटी-डिफेक्शन लॉ (10वीं अनुसूची) 1985 में आया। अगर कोई सांसद या विधायक अपनी पार्टी के खिलाफ वोट दे या दूसरी पार्टी जॉइन करे तो उसकी सदस्यता छिन जाती है (कुछ अपवादों के साथ)। इसका मकसद अस्थिरता रोकना था, लेकिन अब ये कानून पार्टी हाई कमांड को ज्यादा पावर देता है। असहमति को बागी या गद्दारी कह दिया जाता है। ब्रिटेन में कोई सख्त कानून नहीं है। सांसद अपनी पार्टी में रहते हुए नेतृत्व का खुलकर विरोध कर सकता है। यहां वोटर व्यक्ति (सांसद) को वोट देते हैं, पार्टी को नहीं। अगर कोई लेबर सांसद कंजर्वेटिव में चला जाए तो उसकी सीट नहीं जाती। पार्टी व्हिप का उल्लंघन होता है लेकिन कानूनी सजा नहीं। ये सिस्टम सांसद को अपनी अंतरात्मा और वोटर की इच्छा के अनुसार काम करने की आजादी देता है। भारत में वोटर मुख्य रूप से पार्टी को चुनता है, इसलिए पार्टी लाइन से हटना मुश्किल है।

ब्रिटेन में पार्टियों का नेतृत्व ज्यादा लोकतांत्रिक तरीके से तय होता है। लेबर पार्टी में सदस्यों और संसद सदस्यों का वोट होता है। कंजर्वेटिव में सांसद उम्मीदवार चुनते हैं, फिर पार्टी सदस्य वोट देते हैं। आंतरिक असहमति को सामान्य माना जाता है - इसे विश्वास मत से सुलझाया जाता है। नेता को विरोध का सामना करना पड़ता है, लेकिन इसे गद्दारी नहीं कहा जाता। भारत में कई पार्टियां परिवार-केंद्रित हैं। कांग्रेस, टीएमसी, शिवसेना आदि में संस्थापक परिवार का दबदबा रहता है। विरोध करने वाले को बागी या गद्दार कहा जाता है। पार्टी प्राइवेट लिमिटेड की तरह चलती है।

टीएमसी का हाल- पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी 2026 चुनावों में चुनौतियों का सामना कर रही है। कई विधायक और सांसद विद्रोह कर रहे हैं, कुछ भाजपा की ओर जा रहे हैं। आंतरिक कलह, भ्रष्टाचार के आरोप और नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं। अभिषेक बनर्जी पर भी

ताबड़तोड़ मिसाइल परीक्षण के पीछे क्या है रणनीति?

ऋचीक मिश्रा

हाल के महीनों में भारत ने अपनी मिसाइलों और रक्षा बुनियादी ढांचे के परीक्षणों में तेजी दिखाई है. हाल ही में किए गए %लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल%के सफल परीक्षण से लेकर %अग्नि-प्राइम% और %प्रलय% जैसी मिसाइलों के बैक-टू-बैक ट्रायल्स ने वैश्विक रक्षा विश्लेषकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है. इस रणनीतिक तेजी को देखकर रक्षा गलियारों और आम जनता के बीच कई गंभीर सवाल तैरने लगे हैं- आखिर अचानक इतने सारे परीक्षणों की जरूरत क्यों पड़ी? क्या भारत केवल %आत्मनिर्भर भारत% के सपने को साकार कर रहा है, या फिर यह रूस-यूक्रेन युद्ध और हालिया अमेरिका-ईरान संघर्ष से सीखे गए सबक का नतीजा है? सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि क्या भारत किसी बड़े युद्ध की तैयारी कर रहा है? भारत द्वारा इस वर्ष किए जा रहे लगातार मिसाइल परीक्षणों के पीछे कोई एक अकेला कारण नहीं है, बल्कि यह एक मल्टीलेवल स्ट्रैटेजिक प्लान का हिस्सा है. इसका पहला और सबसे महत्वपूर्ण आधार आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशीकरण मिशन है. पिछले कुछ वर्षों में भारत ने डिफेंस इम्पोर्ट पर निर्भरता को कम करने का आक्रामक प्रयास किया है. छ्रत्रह्रछ्व और भारतीय रक्षा उद्योग के निजी साझेदार अब ऐसी प्रणालियों का विकास कर रहे हैं जो पूरी तरह से %मेड इन इंडिया% हैं. जब कोई मिसाइल विकास के चरण से गुजरती है, तो उसे सेना में शामिल करने से पहले दर्जनों कड़े परीक्षणों से गुजरना पड़ता है. वर्तमान में जो परीक्षण हम देख रहे हैं, वे दरअसल पिछले एक दशक के अनुसंधान और विकास का परिणाम हैं, जिन्हें अब अंतिम रूप देकर सेना को सौंपा जा रहा है. दूसरा कारण वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में आया नाटकीय बदलाव है. वास्तविक नियंत्रण रेखा (रुष्ट) पर चीन के साथ 2020 से जारी गतिरोध और वास्तविक नियंत्रण रेखा के पार चीनी सेना द्वारा बुनियादी ढांचे के आक्रामक आधुनिकीकरण ने नई दिल्ली को अपनी %डिटेरेंस% को अपग्रेड करने पर मजबूर कर दिया है. मिसाइल परीक्षण केवल तकनीक को परखने के लिए नहीं होते, बल्कि ये दुश्मन देशों को यह बताने के लिए भी होते हैं कि भारत के पास उनकी हर चाल का माकूल जवाब मौजूद है. इसे कूटनीतिक भाषा में %स्ट्रेटेजिक सिग्नलिंग% कहा जाता है. आधुनिक युद्धों ने रक्षा रणनीतियों की पुरानी किताबों को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है. भारतीय सेनाएं दुनिया भर में चल रहे संघर्षों का बहुत बारीकी से अध्ययन कर रही हैं. रूस-यूक्रेन युद्ध ने यह साबित कर दिया है कि आधुनिक युद्ध अब कुछ हफ्तों में खत्म नहीं होते, बल्कि ये लंबे समय तक खिंच सकते हैं. इस युद्ध ने भारत को सिखाया है कि लंबी दूरी की क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों का एक विशाल और स्वदेशी भंडार होना कितना जरूरी है. यूक्रेन की तरह अगर भारत विदेशी गोला-बारूद की आपूर्ति पर निर्भर रहा, तो दोतरफा युद्ध की स्थिति में देश गंभीर संकट में पड़ सकता है. यही कारण है कि भारत लामबंदी के बजाय अपने घरेलू मिसाइल उत्पादन को युद्ध स्तर पर बढ़ा रहा है. दूसरी ओर, हालिया अमेरिका-ईरान संघर्ष और पश्चिम एशिया में जारी तनाव (जिसमें ड्रोन और मिसाइल रक्षा प्रणालियों का बड़े पैमाने पर उपयोग देखा गया) ने एयर डिफेंस के महत्व को बताया है।

आज का राशिफल

मेष राशि-आज आपके सोचे हुए सारे काम पूरे हो जाएंगे। जो काम रुके हुये थे वो आज मन-मुताबिक पूरे होंगे। इस राशि के बिजनेसमैन अगर किसी नये बिजनेस को शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज से इसकी शुरूआत कर दें साथ ही फायदे के कुछ नये सौदे भी हाथ आएंगे।

वृष राशि- आपके लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आज आपको आपके सभी क्षेत्रों में सफलता के योग बन रहे हैं। पारिवारिक सौहार्द में बढ़ोतरी होगी। शांति पूर्ण माहौल में अपनों के साथ समय बिताएंगे। आय के कुछ नये स्त्रोत मिलेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनेगी।

मिथुन राशि- आपके लिए आज का दिन रोज से अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। आपकी बात करने की कला से लोग प्रभावित होंगे। आपकी तरक्की के चांसेस बढ़ेंगे।

कर्क राशि- आपके लिए आज का दिन प्रसन्नता लेकर आएगा। आपके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों के साथ किसी तरह के वहस करने से बचें। आपको आपकी मेहनत के अनुकूल परिणाम मिलेंगे। जिससे आपका मन खुश रहेगा।

सिंह राशि- आज आपका दिन नई उम्मीद लेकर आएगा। आपके काम करने की क्षमता बढ़ेगी। नौकरी करने वालों के लिए प्रमोशन के योग बन रहें हैं। साथ ही आपका ट्रांसफर मनपसंद जगह पर हो सकता है। आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां बनी रहेंगी।

कन्या राशि- आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी अच्छी कम्पनी से जॉब का ऑफर आएगा। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मिलाने के योग बने हुए हैं। आज आपके व्यापार में अच्छा लाभ होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छी खबर लेकर आएगा। आज आपको ऑफिस में नई जिम्मेदारी मिलेगी, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। आपको अपने करियर से रिलेटेड अपनी योजनाओं को सार्थक करने का अवसर मिलेगा। पारिवारिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा।

वृश्चिक राशि- आज खुद पर आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। लेकिन आज आपको क्रोध करने से बचना होगा क्योंकि इससे आप के कुछ महत्वपूर्ण काम अटक सकते हैं कार्य क्षेत्र में विरोधी कुछ परेशानी खड़ी करने की कोशिश करेंगे। नौकरी में आप की स्थिति अच्छी रहेगी।

धनु राशि- आपके लिए आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आपको आज लंबी ड्राइविंग करने का मौका मिलेगा। बिजनेस से रिलेटेड की यात्राएं होंगी। जिससे आपको अच्छा लाभ मिलेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन लकी रहेगा। आप अपने खुद के विश्वास के दम पर बहुत कुछ कर पाएंगे। लेकिन आलस से बचना होगा। इस दौरान कुछ तनाव रहेगा आप अपनी सेहत का ध्यान रखें। राजनीति के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ राशि- आपके लिए आज का दिन खास रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में आपके दोस्तों का साथ मिलेगा। आज आप किसी सामाजिक गतिविधि में जोर शोर से भाग लेंगे और कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। आपकी नौकरी में पदोन्नति होने के योग बने हुये है। आप शांत और ठंडे दिमाग से कार्य करें, और धीरे-धीरे आगे बढ़ें। जीवनसाथी के साथ अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

मीन राशि- आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आपके व्यापार में अच्छे विस्तार के संकेत हैं। आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा। आप अपनी मेहनत और प्रोफेशनलिज्म की वजह से लोगों के बीच जाने जाएंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए कारगर साबित होगा। संतान की ओर से अच्छी खुशखबरी मिल सकती है आप अपनी सेहत का भी ध्यान रखेंसकती है आप अपनी सेहत का भी ध्यान रखें।

शब्द कौतुक

सू- दोकू क्र.078

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.077 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

सुडुको

शब्द सामर्थ्य -078

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिड़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भाता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे
1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

1	2		■	■	3	■	■	■
4		■	5			6	■	7
■	8			■	9			
10	■	■		■	■		■	
11				■	12			■
	■		■	13		■	14	
16	17		■	18				
■		■	19			■	■	20
21		■		■	■	22		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 077 का हल

पं	क्ति	■	स्वा	द	■	स	ब	ब
जा	■	सु	हा	ना	■	■	ली	द
ब	हु	धा	■	द	ल	ना	■	ल
■	■	क	मा	न	■	ग	ह	ना
भं	व	र	■	■	■	वा	म	■
गी	त	■	म	ज	बू	र	■	ट
■	न	म	स्का	र	■	■	■	र
■	■	र्या	■	■	बी	■	ना	का
सं	वि	दा	■	ब	स	च	ल	ना

स्वामी अशोक भटनागर, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ब्यास मुनि द्विवेदी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि. पीएनबी बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं एलआईजी 93 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, धनसुली, नरदहा, रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित प्रबंध संपादक- आशीष मिश्रा (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन नं. 0771-4000600

योग ने महिलाओं को सिखा दी स्वस्थ जीवनशैली : प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज ने योग दिवस को बनाया यादगार क्षण

(लोकमाया न्यूज)।

राजनांदगांव। प्रांतीय ब्राह्मण समाज ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को यादगार क्षण के रूप में अपनी स्वस्थ जीवनशैली में कैद कर लिया । 21 जून को विशेष कर महिला विंग ने अपने व्यस्तता भरे समय में से कुछ पल निकालकर योग की विधाओं को समर्पित किया । राजधानी रायपुर से लेकर छत्तीसगढ़ के लगभग हर जिले में महिलाओं ने योग क्रियाएं कर खुद को फिट रखने का संकल्प दोहराया । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को प्रांतीय अखंड ब्राह्मण समाज की पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने अपने जीवन को स्वस्थ दिशा प्रदान करते हुए योग की क्रियाओं से खुद को जोड़ा । राजनांदगांव जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम्य जीवन में भी योग की क्रियाओं को पहुंचाकर महिलाओं ने वह संदेश दिया है , जो उनके जीवन की व्यस्तता में जरूरी है । दिनभर की थकान को दूर करने के साथ ही सुबह की शुरुआत पूरी ऊर्जा के साथ हो सके इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा योग करने का संकल्प लिया । राजनांदगांव विंग से श्रीमती ममता अवस्थी ने बताया कि योग दिवस पर वृक्षासन से लेकर धनुरासन , प्राणायाम जैसी योग क्रियाएं की गईं । अंत में सभी महिलाओं ने इसे अपने जीवन का आवश्यक अंग बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई ।

संक्षिप्त समाचार

नवीन कुमार साहू मिडिया प्रभारी बने

भिलाई नगर। भारतीय मजदूर संघ जिला दुर्ग के कार्यसमिति की बैठक में संगठन के कार्यो गति लाने के साथ साथ स्वायत शासी महासंघ जिला दुर्ग के सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में संघठन के कार्यो, गतिविधियों एवं संघठन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालन के लिए जिला मंत्री हरि शंकर चतुर्वेदी ने संघठन से स्वायत्तशासी महासंघ दुर्ग जिला का प्रभारी का दायित्व शशिभूषण महांती को दिया गया है साथ ही नवीन कुमार साहू को दुर्ग जिले का अतिरिक्त. मीडिया प्रभारी का दायित्व प्रदान किया गया है।

आयुक्त ने परामर्शदात्री समिति की बैठक में विभिन्न मांगों पर की चर्चा

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के चेम्बर में स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा एवं महामंत्री अनिल सिंह एवं संघ के पदाधिकारी की मौजूदगी में परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर ईश्वर वर्मा,शशिकान्त यादव, शानू कोठारी, रेखा कुर्रे, हेमलता वर्मा, किरण अग्रवाल सहित यूनियन के पदाधिकारी गण मौजूद रहें। बैठक में कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न एजेंडों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में कर्मचारी संघ पदाधिकारियों ने बताया कि लगातार कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने से निगम में कर्मचारियों की कमी उत्पन्न हो रही है, जिससे कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ रहा है। इस समस्या के समाधान हेतु शासन को अवगत कराते हुए नियमित भर्ती के लिए प्रस्ताव प्रेषित करने की मांग की गई। साथ ही कार्य समय पर पूर्ण नहीं होने के आधार पर वेतन एवं वार्षिक वेतन वृद्धि रोके जाने की कार्रवाई को अनुचित बताते हुए ऐसे आदेशों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया गया। बैठक में निगम परिसर में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने, शासकीय अवकाश के दिनों में कार्य लेने की स्थिति में कर्मचारियों को नियमानुसार वेतन अथवा प्रतिपूरक अवकाश प्रदान करने तथा तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत कर्मचारियों के स्थानांतरण संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई। एनपीएस के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के परिवारों को मृत्यु की स्थिति में उपादान एवं परिवार पेंशन का लाभ समय पर उपलब्ध कराने, एनपीएस/जीपीएस की राशि नियमित रूप से जमा कराने तथा कर्मचारियों के एनपीएस खातों के संधारण एवं जमा राशि की जानकारी शासन स्तर से प्राप्त करने संबंधी मांगें भी प्रमुखता से रखी गईं। आयुक्त ने सभी बिंदुओं पर आवश्यक परीक्षण एवं नियमानुसार कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

जिले में खरीफ हेतु बीज भंडारण व वितरण की तैयारियां

दुर्ग। खरीफ सीजन 2026 के मद्देनजर जिले में किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराने और कृषि योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। इस संबंध में रुआबांधा, जिला-दुर्ग के बीज प्रबंधक एस. के. बेहरा से मिली जानकारी के अनुसार, जिले में खरीफ वर्ष 2026 के लिए धान की 29,500 क्विंटल की मांग के विरुद्ध वर्तमान में 29,235 क्विंटल बीज उपलब्ध है, और इसी सप्ताह के अंत तक लगभग 950 क्विंटल अतिरिक्त बीज प्राप्त होने से यह उपलब्धता लगभग 102 प्रतिशत संभावित है। उन्होंने बताया कि लक्ष्य के अनुरूप अब तक 27,418 क्विंटल धान का बीज किसानों को उपलब्ध कराया जा चुका है तथा शेष बीजों का भंडारण एवं प्रक्रिया केंद्र रुआबांधा से नगद वितरण कार्य सुचारू रूप से जारी है। इस बार समितियों में विशेष रूप से पिछले 10 वर्षों के भीतर प्रसारित धान की उन्नत किस्मों का भंडारण कराया जा रहा है, जिनमें 120-125 दिनों की अवधि वाली सूखा रोधी व कीट प्रतिरोधी किस्म 'विक्रम टी.सी.आर' (उपज 60-70 क्विंटल/हेक्टेयर), 155-160 दिनों की लंबी अवधि वाली व बाजार में अच्छे दाम दिलाने वाली एमटीयू-1318 (उपज 40-45 क्विंटल/हेक्टेयर), और राज्य की प्रसिद्ध खुशबूदार व अर्ध-बौने पौधों वाली किस्म 'छ.ग. देवभोग' (उपज 40-45 क्विंटल/हेक्टेयर) शामिल हैं। घटते भूजल स्तर को देखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली दो प्रमुख किस्मों एमटीयू-1156 (तरंगिनी) और एमटीयू-1153 (चंद्रा) के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है, जो 110 से 120 दिनों में पककर 60-70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज देती हैं, जिसमें चंद्रा किस्म में पानी में गिरने पर भी दो सप्ताह की सुसुप्तावस्था के कारण जल अंकुरण न होने का विशेष गुण है। उप संचालक कृषि संदीप भोई ने यह स्पष्ट किया है कि कृषक उन्नति योजना के तहत धान के स्थान पर या पूर्व से ही खरीफ में दलहन, तिलहन, रागी, मक्का, कोदो-कुटकी और कपास जैसी फसलें लेने वाले कृषकों को 15,000 रुपये प्रति एकड़ आदान सहायता राशि देने का प्रावधान है।

परामर्शदात्री समिति की बैठक में कर्मचारियों की 18 मांगों पर हुई चर्चा

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई में परामर्शदात्री समिति की बैठक निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ, भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर आयुक्त को मांग पत्र सौंपा। इस दौरान कुल 18 बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कर्मचारियों की ओर से निगम में ठेका प्रथा समाप्त करने, प्रत्येक माह की 7 तारीख तक वेतन भुगतान सुनिश्चित करने, रिक्त पदों पर तत्काल पदोन्नति करने तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर, लाइनमेन, वाहन चालक, पंप अटेंडेंट, प्लंबर एवं तकनीकी सहायकों के लिए पदोन्नति चैनल निर्धारण कर नवीन पद स्वीकृत करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। इसके अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद देयकों का तत्काल भुगतान, एलएसजीडी डिप्लोमाधारियों को वेतन वृद्धि का लाभ, भविष्य निधि एवं नवीन अंशदायी पेंशन की राशि प्रत्येक माह कर्मचारियों के खातों में जमा करने तथा कर्मचारियों से संबंधित न्यायालयीन प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने की मांग भी रखी गई। संघ के पदाधिकारियों ने दिव्यांग कर्मचारियों के भत्तों में भिन्नता दूर करने, कर्मचारियों के लिए वाहन स्टैंड की व्यवस्था करने, नवीन पद संरचना के संबंध में शासन को पुन: स्मरण पत्र भेजने, दैनिक वेतनभोगी एवं कार्यभारित कर्मचारियों के नियमितीकरण, अवकाश नगदीकरण भुगतान, प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों को मूल विभाग में वापस भेजने तथा कर्मचारियों को आवास आबंटन जैसी मांगों को भी प्रमुखता से उठाया। आयुक्त ने प्रस्तुत मांग पत्र का बिंदुवार अवलोकन कर संबंधित विषयों की समीक्षा की तथा आवश्यक मामलों में नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। बैठक में स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी, सदस्य एवं निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र (जेएलएनएच एंड आरसी), सेक्टर-9 में दिनांक 19 जून 2026 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर की अध्यक्षता में कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के दौरान चिकित्सा विभाग में कार्यरत उन कर्मियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन, समर्पण एवं कार्यनिष्ठा का परिचय दिया।

इस अवसर पर ऑपरेटिव कम टेक्नीशियन संतोष कुमार, रेडियोलॉजी विभाग के हॉस्पिटल अटेंडेंट मोहम्मद अख्तर, नर्सिंग प्रशासन के स्टाफ नर्स शैलेन्द्र दिनेश ग्वाल तथा नर्सिंग प्रशासन के स्टाफ नर्स मिथला कौशल को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पुरस्कार प्राप्त कर्मियों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. उदय कुमार, महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जे. एन. ठाकुर तथा महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) शाहिद अहमद द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने पुरस्कार प्राप्त कर्मियों को बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार कार्यकुशलता एवं समर्पण के साथ योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. शील कमल ठाकुर, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. धीरज कुमार गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन-गैर संकार्य) श्रीमती जया राय, उप प्रबंधक (नर्सिंग प्रशासन) श्रीमती शैला अब्राहम, सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन-चिकित्सा) श्रीमती शिबा थॉमस सहित चिकित्सा एवं मानव संसाधन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खेलगांव खम्हरिया में स्टेडियम निर्माण हेतु 16 एकड़ भूमि का सीमांकन

संभाग स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम बनने से खेल प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार खेलगांव खम्हरिया (विकासखंड व जिला-दुर्ग) में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के नाम आबंटित 16 एकड़ शासकीय भूमि का सीमांकन कर चिन्हांकित कर लिया गया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक से मिली जानकारी के अनुसार, तहसीलदार श्री वसुमित्र दीवान के नेतृत्व में राजस्व विभाग के आर.आई. श्री घनश्याम चंद्राकर, पटवारी श्री विवेक देवांगन व अन्य टीम, तथा लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर श्री वाय. के. सोनवानी व श्रीमती सुस्मिता चंद्राकर द्वारा चूना और अन्य उपकरणों से भूमि के चारों ओर निशान लगाया गया। उतई थाना टी.आई. श्री अनिल पटेल के नेतृत्व में 10 पुरुष और 10 महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के कारण यह प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान खेल विभाग के प्रशिक्षक श्री भूपेन्द्र हिरवानी, खम्हरिया सरपंच श्रीमती दुलारी देशलहरे, उपसरपंच श्री टीकाराम साहू, खेल प्रशिक्षक श्री बालक दास डहरे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, उपाध्यक्ष छ.ग. राज्य ग्रामीण विकास एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण) के विशेष प्रयासों से यहाँ संभाग स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम निर्माण के लिए 15 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हो चुकी है, जिसमें से प्रथम किश्त के रूप में 4 करोड़ रुपये मार्च 2026 में निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग को दिए जा चुके हैं। इस स्टेडियम में 400 मीटर सिंथेटिक ट्रैक, फुटबॉल ग्राउंड, सीटिंग गैलरी, इंडोर स्टेडियम (बैडमिंटन कोर्ट) और प्रशासनिक भवन का निर्माण शामिल है, जिससे दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर, रिसाली निगम, नगर पंचायत उतई और भिलाई निगम सहित पूरे संभाग के खिलाड़ियों को सीधा लाभ मिलेगा।

महापौर अलका बाघमार ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

शीघ्र निर्माण पूर्ण करने के दिए निर्देश

वार्ड 12 एवं 13 में सड़क सीमेंटीकरण और नाली निर्माण कार्यों से नागरिकों को मिलेगी बेहतर सुविधा,

बारिश से पूर्व कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में पूर्ण करने पर दिया जोर

(लोकमाया न्यूज)।

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज महापौर अलका बाघमार ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, अजीत वैध,रंजीता पाटिल तथा बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। महापौर ने वार्ड क्रमांक 13 गजानन नगर में सड़क सीमेंटीकरण कार्य, मोहन नगर में नाली निर्माण कार्य तथा वार्ड क्रमांक 13 के अन्य क्षेत्रों में सड़क सीमेंटीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 12 में प्रस्तावित सड़क सीमेंटीकरण कार्य का भी विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण एजेंसियों एवं संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा विभिन्न वार्डों में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सड़क एवं नाली निर्माण कार्य पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से राहत प्राप्त होगी। अच्छी सड़कें और सुव्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला होती हैं।

महापौर ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्षा ऋतु प्रारंभ हो चुकी है, इसलिए अधिक बारिश होने से पूर्व सभी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं करने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षदों एवं स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की स्वीकृति एवं शीघ्र प्रारंभ किए जाने पर महापौर का आभार व्यक्त किया। नागरिकों ने कहा कि सड़क एवं नाली निर्माण से लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा तथा क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित होगा।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने विकास कार्यों के लिए नगर निगम प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित के कार्य निरंतर किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

मुस्लिम समाज ने बहादुर अली को दी जन्मदिन की मुबारकबाद

जामा मस्जिद ऐतराफ के सदर रईस अहमद शकील के नेतृत्व में हुआ सम्मान

(लोकमाया न्यूज)।

राजनांदगांव। जामा मस्ज़िद के मीडिया प्रभारी सैय्यद अफज़ल अली ने बताया कि आईबी ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं प्रदेश के प्रतिष्ठित उद्योगपति बहादुर अली के जन्मदिवस पर शहर मुस्लिम समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों, कमेटी सदस्यों, बुद्धिजीवियों एवं युवाओं ने उन्हें पुष्पहार पहनाकर जन्मदिन की मुबारकबाद दी तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घ जीवन की कामना की। मुस्लिम समाज द्वारा आईबी ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं प्रदेश के ख्यातिप्राप्त उद्योगपति जनाब बहादुर अली साहब का जन्मदिवस बड़े उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर शहर जामा मस्जिद (शहर ऐतराफ) जामा मस्ज़िद के सदर जनाब रईस अहमद शकील साहब द्वारा प्रेषित फूलों की लंबी संयुक्त माला पहनाकर बहादुर अली साहब को जन्मदिन की मुबारकबाद पेश की गई।

भिलाई स्टील प्लांट से संगठित स्क्रैप चोरी प्रकरण में गिरफ्तार तीन आरोपी पुलिस रिमांड पश्चात न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए

करोड़ों की संपत्ति एवं आभूषण संबंधी दस्तावेज जप्त

(लोकमाया न्यूज)।

भिलाई। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम अकलोरडीह खदान पारा स्थित ए.के. ट्रेडर्स, प्लॉट नंबर 18 ए/05, एच.आई.ए. हथखोज भिलाई में जांच की गई। जांच के दौरान विभिन्न हाईवा एवं ट्रकों में फ्लू डस्ट के साथ भिलाई स्टील प्लांट से चोरी किए गए लोहे की प्लेट, बीम एवं कटिंग लोड होना पाया गया।

मौके पर लोहे की प्लेट, बीम कटिंग एवं अन्य स्क्रैप सामग्री का बड़े पैमाने पर भंडारण पाया गया। साथ ही स्क्रैप की लोडिंग एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहन एवं मशीनरी भी मौके पर मौजूद थी। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि फ्लू डस्ट परिवहन की आड़ में बीएसपी से चोरी किए गए स्क्रैप का अवैध परिवहन किया जा रहा था। कार्यवाही के दौरान लगभग 250 टन लोहे की प्लेट एवं बीम कटिंग, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 90 लाख रुपये है, जप्त की गई। साथ ही परिवहन एवं लोडिंग में प्रयुक्त वाहनों एवं मशीनों सहित कुल लगभग 3 करोड़ 22 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जप्त की गई। प्रकरण में पूर्व में 09 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। विवेचना के दौरान मुख्य फरार आरोपी संजय सिंह की गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे थे। मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर विशेष पुलिस टीम उत्तरप्रदेश रवाना की गई, जहां आरोपी को देवरिया क्षेत्र से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी को दिनांक 16.06.2026 को गिरफ्तार कर 07 दिवस की पुलिस रिमांड प्राप्त की गई थी। पुलिस रिमांड अवधि के दौरान आरोपी संजय सिंह से गहन पूछताछ करने पर अमित शर्मा एवं आकाश कुमार सिंह की संलिप्तता सामने आई, जिन्हें विधिवत गिरफ्तार कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने संगठित रूप से बीएसपी से चोरी किए गए लोहे को अवैध रूप से बेचने तथा प्राप्त धनराशि को विभिन्न संपत्तियों एवं आभूषणों में निवेश किए जाने संबंधी जानकारी दी। मुख्य आरोपी संजय सिंह के लॉकर से लगभग 50 लाख रुपये मूल्य के आभूषण एवं लगभग 03 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज जप्त किए गए हैं। आरोपी अक्षय कुमार से भी संपत्ति संबंधी दस्तावेज जप्त किए गए हैं, जिनका मूल्यांकन किया जा रहा है। आरोपियों द्वारा अर्जित चल एवं अचल संपत्तियों की कुर्की की कार्यवाही भी पृथक रूप से की जाएगी। पुलिस द्वारा आरोपियों को खुर्सीपार गेट से एसएमएस-3 तक मुख्य घटनास्थल ले जाकर घटनास्थल का पुनर्निर्माण कराया गया तथा महत्वपूर्ण साक्ष्य संग्रहित किए गए। साथ ही चोरी के लोहे के परिवहन में प्रयुक्त वाहनों के फर्जी नंबर प्लेट भी जप्त किए गए हैं। पुलिस रिमांड अवधि समाप्त होने पर गिरफ्तार तीनों आरोपियों को आज दिनांक 22.06.2026 को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। प्रकरण में अब तक कुल 12 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। विवेचना जारी है। भिलाई स्टील प्लांट से स्क्रैप चोरी कर अवैध लाभ अर्जित करना एवं संगठित रूप से उसका अवैध विक्रय करना।

हमर हक़ ला दो ..नरक होगे हे ! हमर जिनगी.,भगवान भरोसे जीयत हन..

आदिवासियों ने घेरा कलेक्ट्रेट। कहा- नरक से बदतर हैं, हालात। हमें अपना हक़ चाहिए। प्रशासन ने बैरिकेड-ट्रक अड़ाकर रोका, आंसू गैस छोड़े, फिर भी रोकने में रहे ..नाकाम।

- 54 गांव के आदिवासी जुटे ।
- हजारों महिला, पुरुष, बुजुर्ग, युवा शामिल ।
- जल-जंगल-जमीन संघर्ष समिति के बैनर तले प्रदर्शन।

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी (सुनील शर्मा/ सैयद जावेद)। हमर हक़ ला दो..इस आवाज़ से फ़िज़ा सराबोर रही ...हजारों आदिवासियों ने (सोमवार को) शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पुल-पुलिया, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट का घेराव किया। जल-जंगल-जमीन संघर्ष समिति के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और युवा शामिल हुए।प्रदर्शनकारी आदिवासी शांति घाट से करीब 10 किमी पैदल मार्च करते हुए शहर के मुख्य मार्गों से होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। ये राशन-पानी अपने साथ लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना है, जिस गांव में वो रहते हैं ,वहां के हालात नरक से भी ज्यादा बदतर हैं।सिर्फ और सिर्फ ..भगवान के भरोसे जी रहे हैं.. हम !

गौरतलब है कि दोपहर साढ़े 12 बजे हजारों ग्रामीण शांति घाट पहुंचे।पैदल मार्च कर शहर के मुख्य मार्गों से होकर कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ गए। रास्ते भर नारेबाजी की। हाथों में डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीरें थीं।अधिकार मांग रहे थे। इधर, प्रदर्शन को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग एलर्ट दिखा। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रायपुर रेंज से करीब 350 से ज्यादा पुलिस बल बुलाया गया था। कलेक्ट्रेट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। बैरिकेडिंग कर आवाजाही को कंट्रोल किया गया।प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए ।स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े।हालांकि, पुलिस प्रदर्शनकारियों को रोकने में नाकाम रही।

रोक नहीं पाईं, बाधाएं भी

ग्रामीणों ने आरोप लगाया, उन्हें रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए गए। नगरी और आसपास के पेट्रोल पंपों को दोपहर 1 बजे तक बंद कर दिया.. पेट्रोल -डीजल देने पर रोक लगा दी। फिर भी प्रदर्शनकारी आगे(धमतरी)बढ़े। बनरौद के पास प्रशासन ने उन्हें रोकने के लिए सड़क पर बैरिकेड लगाए। बीच सड़क में ट्रक खड़े किए। बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे नहीं हटे। स्थिति को नियंत्रित करने पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कलेक्टर अविनाश को ज्ञापन सौंपा। कलेक्टर ने मांगों को जल्द ही पूरा कराने का भरोसा दिया। इसके बाद ग्रामीण अपने-अपने गांव लौटे।

समस्याओं का नहीं हुआ निदान

दरअसल, वनांचल क्षेत्र के करीब 54 गांवों के हजारों आदिवासी शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पुल-पुलिया, बिजली और 7 बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। जल-जंगल-जमीन संघर्ष समिति धमतरी-गरियाबंद के बैनर तले एकजुट हुए थे।सोमवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे नगरी ब्लॉक में बड़ी संख्या में आदिवासी जुटे ।महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और युवा शामिल थे। ग्रामीणों का कहना था , वे सालों से सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रहे ,समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया।

न सड़क,पुल-पुलिया, न ही स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाएं

दुश्वारियों से भरा है .. जीवन

महिलाओं ने कहा,जंगल क्षेत्र में रहती हैं। जहां अस्पताल की सुविधा नहीं है। डिलीवरी के समय सही इलाज न मिलने से कई बार मां और बच्चे दोनों की जान पर बन आती है। उन्होंने बताया बच्चों के लिए स्कूल जाने के लिए अच्छी सड़क नहीं है। बच्चे कीचड़ भरे रास्तों से होकर जाते हैं। हम वहां के दुश्वारियों भरा जीवन जी रहे हैं।

पीढ़ी दर पीढ़ी से हैं .. निवासरत

वनांचल ग्रामों की स्थिति खराब है। सड़क,पुल-पुलिया,स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं। भगवान भरोसे जीवन काट रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा ,कई पीढ़ियों से यहां हैं।विकास की बाट जोह रहे। मांग की, लेकिन आज तक कोई कार्य नहीं हुआ ।वन विभाग विकास में बाधा डाल रहा। बताया ,पूर्वज टाइगर रिजर्व बनने से पहले यहां रहते आए हैं। टाइगर रिजर्व फॉरेस्ट 2009 में बना ।ग्रामीणों ने इसे अपने हक पर कुठाराघात करार दिया।

रिज़र्व फॉरेस्ट .. इसलिए ,नियम-कानून अलग

कलेक्टर अविनाश मिश्रा के आश्वासन के बाद ग्रामीण लौटे। उन्होंने सड़क और पुल की मांग पर जल्द कार्रवाई की बात कही कलेक्टर ने कहा ,कुछ मांगों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।बताया कि यह क्षेत्र टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आता है, इसलिए यहां विकास कार्यों के लिए अलग नियम और प्रक्रिया का पालन करना पड़ता है। मुख्यमंत्री द्वारा पुल निर्माण के निर्देश दिए गए हैं, जिस पर काम किया जाएगा। कुछ सड़कों के निर्माण के लिए स्वीकृति लेने की प्रक्रिया चल रही है।

संक्षिप्त समाचार

धोखाधड़ी से बचने आरटीओ चालान भुगतान के लिए वेबसाईट का उपयोग

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ राज्य में आरटीओ ई-चालान से संबंधित स्कैम सामने आ रहे हैं, जिसमें विभागीय वेबसाईट का क्लोन पेज बनाकर ई-चालान के माध्यम से लोगों को ट्रैफिक नियम तोड़ने के बारे में छदम तरीके से डराने वाले संदेश के माध्यम से लिंक भेजकर आम लोगों की व्यक्तिगत जानकारी और जमा खाते से पैसे चुरा लेते है। ऐसे धोखाधड़ी से बचने विभाग की आधिकारिक वेबसाइट का उपयोग जरुरी है। परिवहन विभाग द्वारा ऐसी धोखाधड़ी से बचने के लिए मैसेज लिंक पर क्लिक न कर अपने वास्तविक चालान की जांच करने के लिए या आरटीओ चालान के भुगतान के लिए वेबसाईट का ही उपयोग किये जाने की अपील की गई है।

सुघ्घर छग अभियान के लिए दिशा-निर्देश

धमतरी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं उद्देश्य नागरिकों का शासन व्यवस्था पर भरोसा मजबूत करना हैधमतरी सहित 23 लक्षित जिलों में कल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत प्रदेश के सभी गांवों में कुल 31 व्यक्तिमूलक योजनाओं का सघन संतृप्तिकरण किया जाएगा।

चहलकदमी करती बाधिन कैमरे में कैद

उदंती-सीतानदी में बाघों की वापसी का शुरू हो सकता है सिलसिला

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी। गरियाबंद उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व से वन्यजीव संरक्षण को लेकर अच्छी खबर सामने आई है। हाल के दिनों में रिजर्व क्षेत्र में कैमरा ट्रैप, ग्रामीणों द्वारा बनाए गए वीडियो और तस्वीरों में एक बाघिन की मौजूदगी दर्ज की गई है। इस सुखद घटनाक्रम ने वन विभाग, वन्यजीव विशेषज्ञों और प्रकृति प्रेमियों के बीच नई उम्मीद जगा दी है कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में बाघों की स्थायी वापसी की संभावनाएं मजबूत हो रही हैं।

कैमरे में कैद

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व लंबे समय से बाघों की संख्या में कमी की चुनौती का सामना कर रहा है। ऐसे में किसी बाघिन की सक्रिय मौजूदगी केवल एक वन्यजीव के दिखाई देने की घटना नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि बाघ जैसे शिकारी की उपस्थिति किसी भी जंगल के स्वस्थ और संतुलित होने का प्रमाण है।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के उप निदेशक का बयान

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के उप निदेशक वरुण जैन ने कहा, अभ्यारण्य क्षेत्र में दिखाई देने वाली बाघिन की उम्र लगभग 4 वर्ष आंकी गई है। यह बाघिन पिछले 11 दिनों के भीतर 3 अलग-अलग अवसरों पर ट्रैप कैमरे में कैद हुई है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के उपलब्ध डेटा में इस बाघिन का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला है। यही कारण है कि इसे इस क्षेत्र की नई सदस्य माना जा रहा है।

वरुण जैन, उपनिदेशक ने बताया कि प्रारंभिक आंकलन के अनुसार यह बाघिन महाराष्ट्र के चंद्रपुर सीमावर्ती क्षेत्र से होते हुए उदंती-सीतानदी पहुंची हो सकती है। अबूझमाड़ क्षेत्र से भी इसके आने की संभावना है। बाघिन की लगातार मौजूदगी यह संकेत दे रही है कि उसने इस क्षेत्र को अपने संभावित आवास के रूप में चुनना शुरू कर दिया है। वर्ष 2018 के बाद यह पहला अवसर है जब उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में किसी बाघिन की स्पष्ट मौजूदगी दर्ज की गई है। पिछले 8 वर्षों में यह दूसरी बार है जब क्षेत्र में बाघिन दिखाई दी है। इससे यह उम्मीद बढ़ी है कि आने वाले समय में यहां बाघों की संख्या में वृद्धि हो सकती है।

900 हेक्टेयर से हटाए गए अवैध कब्जे वरुण जैन ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में वन विभाग द्वारा संरक्षण और प्रबंधन को लेकर बड़े स्तर पर कार्य किए गए हैं। खासतौर पर पिछले दो वर्षों में अभ्यारण्य क्षेत्र में 900 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि से अवैध कब्जे हटाए गए हैं। इसके अलावा शिकारियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कई मामलों में गिरफ्तारी की गई है। इन प्रयासों के कारण जंगल में वन्यजीवों के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित और अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है।

सांसद रूपकुमारी चौधरी के साथ जिलेवासियों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

लोकमाया न्यूज ।

गरियाबंद । आयुष विभाग के तत्वावधान में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन जिले में उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। जिला मुख्यालय स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सांसद रूपकुमारी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, वरिष्ठ नागरिक अनिल चंद्राकर, कलेक्टर बी.एस. उइके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के उप निर्देशक वरुण जैन,जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी,मीडियाकर्मी गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सुबह 7 बजे से 8 बजे तक आयोजित सामूहिक योगाभ्यास में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षक गणेश एवं सहयोगी योग शिक्षकों ने कपालभाति, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास कराया तथा योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा एवं अमूल्य धरोहर है, जिसने आज पूरे विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक मान्यता मिली और आज विश्व के 190 से अधिक देशों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, अनुशासित एवं जागरूक नागरिक ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सांसद चौधरी ने सभी नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की कामना करते हुए नियमित योगाभ्यास करने का संकल्प भी दिलाया। कलेक्टर बी.एस. उइके ने जिलेवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस वर्ष की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग है, जो योग के माध्यम से स्वस्थ, सक्रिय एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश देती है।

जेल में निरूद्ध की आयु के सत्यापन के लिए किया गया जिला जेल का निरीक्षण

लोकमाया न्यूज ।

बलौदाबाजार। सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग, नई दिल्ली के निर्देशों के अनुक्रम में आयु सबंधित दस्तावेज के अभाव मे 18 वर्ष से कम आयु के बालकों के निरूद्ध रहने की संभावना एवं प्रकरणों को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक त्रैमास में जेलों का निरीक्षण विषेषज्ञ समिति के सदस्यों के द्वारा किया जा रहा है। वर्ष 2026-27 के पथम त्रैमास हेतु कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्षन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अतुल परिहार के नेतृत्व में सोमवार को जिला जेल बलौदाबाजार का निरीक्षण किया गया।

विषेषज्ञ समिति के सदस्यों द्वारा जेल में निरूद्ध 430 बंदियों में से प्रथम दृष्टया में 18 वर्ष से कम आयु के लग रहे बालकों से बैरको में जाकर बातचीत की गई जिसमे से एक निरूद्ध ने अपनी जन्मतिथि 09.10.2008 एवं जेल में दो माह से निरूद्ध होने की जानकारी प्रदान की ।

समिति ने संबंधित मामलों में जन्मतिथि का सत्यापन कर बालक के प्रकरण को किषोर न्याय बोर्ड मे स्थानांतरित किए जाने हेतु आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। साथ ही बच्चों के संरक्षण एवं उनके हितों की रक्षा के लिए आगे की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने की बात कही गई।

आर्टिफिशियल ज्वैलरी निर्माण का प्रशिक्षण, स्वरोजगार के गुर सीख रहीं 35 से अधिक महिलाएं व बालिकाएं

लोकमाया न्यूज ।

गरियाबंद । रूरल सेल्फ इंप्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (ग्रामीण स्वरोजगार विकास संस्थान) गरियाबंद एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम पंचायत सढ़ौली में आर्टिफिशल ज्वैलरी मेकिंग का प्रशिक्षण आरसेटी द्वारा दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण केवल 14 दिनों का है, जिसमें 10 दिन में थ्योरी के साथ साथ प्रैक्टिकल भी कराया जाता है। 4 दिन उनके सिखे हुए कार्यों का मूल्यांकन किया जाता है। जिसमें ट्रेनी को उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत मार्केटिंग प्रबंधन, बैंकिंग, सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं के समस्या का समाधान के विषय में डिजिटल मार्केटिंग का प्रशिक्षण दिया गया। जिसे खेल गतिविधि के माध्यम से सरलता से सिखाया जा रहा है। जैसे खेल प्रबंधन के लिए रिंग टाय गेम, आत्मनिर्भरता के लिए सामूहिक टॉवर निर्माण गेम, उत्पाद के गुणवत्ता व समय प्रबंधन करने के लिए नाव विधि का प्रयोग कर विभिन्न गतिविधियां कराई जा रही है।

गांव के ही 35 से अधिक महिलाएं एवं बालिका प्रशिक्षण ले रहे है, जहां उन्हें मुख्य रूप से झुमके 5 प्रकार के टॉप्स, बाली, डेकोरेटिव समान जैसे तोरण, झूमर, चूड़ी, करवाचौथ की सजावटी थाली एवं चन्नी, ब्रेसलेट, राधा रानी गले का सेट, मांगटीका, जन्मदिन और विशेष अवसर पर सर में पहनने वाले टियारा, डेकोरेटिव हेयर क्लिप, बाल संवारने वाला जुड़ा, गले के मोतियों से बना हार बनाया जा रहा है। इस दौरान प्रशिक्षाणार्थी योगिता शांडिल्य ने बताया कि रूरल सेल्फ इंप्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान) एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 14 दिवसीय आर्टिफिशियल ज्वैलरी मेकिंग प्रशिक्षण में सहभागिता कर स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रकार की आर्टिफिशियल ज्वैलरी एवं सजावटी सामग्री निर्माण का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। इसके अंतर्गत झुमके, टॉप्स, बाली, ब्रेसलेट, मांगटीका, गले के सेट, मोतियों के हार, टियारा, हेयर क्लिप, झूमर, तोरण तथा अन्य सजावटी वस्तुओं का निर्माण करना सीखा। प्रशिक्षण में सिद्धांत एवं प्रायोगिक दोनों पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। ज्वैलरी निर्माण के तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत विपणन प्रबंधन, बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल मार्केटिंग तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

घंटे की बारिश, निचली बस्तियों में भरा पानी

लोकमाया न्यूज ।

धमतरी। धमतरी में सोमवार को प्री-मानसून की जोरदार बारिश हुई। दोपहर 3 बजे मौसम बदला। शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक रुक-रुककर बारिश होती रही। इस दौरान कई बार तेज बिजली कड़की। बारिश ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी। बिजली विभाग की मेंटेनेंस व्यवस्था भी कमजोर दिखी। 3 घंटे से ज्यादा बारिश हुई।

निचली बस्तियों में आधा फीट तक पानी भर गया। व्यापार प्रभावित हुआ। पुराने नेशनल हाईवे पर सड़क के ऊपर पानी आ गया। बिजली कड़कने के बीच कई बार बिजली बंद हुई। फिर चालू हुई। इधर, दोपहर में अधिकतम तापमान 39 डिग्री दर्ज हुआ।

15 सूत्रीय मांगों को लेकर ड्राइवर संघ का प्रदर्शन

- महासमुंद में कलेक्ट्रेट तक निकाली रैली, सौंपा ज्ञापन
- महासंघ ने कहा छत्तीसगढ़ के चालक कई तरह की समस्याओं का सामना कर रहे, 1 सितंबर को ड्राइवर दिवस घोषित करने की भी मांग

लोकमाया न्यूज ।

महासमुंद। शहर में छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर सोमवार को विशाल रैली निकाली. ड्राइवर का बीमा और सड़कों पर अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करने जैसी मांगों को लेकर महासंघ कलेक्ट्रेट पहुंचा. और प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपा.

कई परेशानी का सामान कर रहे ड्राइवर- महासंघ

सदस्यों ने लोहिया चौक से रैली की शुरुआत की, जो नेहरू चौक, बरोंडा चौक और शास्त्री चौक होते हुए कलेक्टरेट परिसर पहुंची. इस दौरान बड़ी संख्या में चालक और महासंघ के पदाधिकारी शामिल हुए और अपनी मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी की. महासंघ का कहना है कि प्रदेशभर के चालकों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसके समाधान के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए।

क्या है मांगें?

महासंघ की प्रमुख मांगों में चालक की मृत्यु होने पर 20 लाख रुपये का बीमा और दुर्घटना में अपंग होने की स्थिति में 10 लाख रुपये का बीमा प्रदान करना शामिल है. इसके अलावा सड़कों से मवेशियों और आवारा पशुओं को हटाने की मांग की गई है. साथ ही चालकों के लिए विश्राम कक्षों की व्यवस्था करने, सड़कों पर चालकों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करने और आवास योजना के तहत मकान निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग भी की गई है. साथ ही 1 सितंबर को ड्राइवर दिवस घोषित करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई.

पूनम क्षत्रिय, अध्यक्ष, ड्राइवर महासंघ छत्तीसगढ़ नेबताया कि प्रदेश के सभी 33 जिलों में एक साथ आंदोलन किया जा रहा है. ड्राइवर समाज देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन इसके बावजूद चालकों की समस्याओं के समाधान की दिशा में सही प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। जल्द ही ड्राइवरों के हित में आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे. प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में चालक, महासंघ के सदस्य और पदाधिकारी मौजूद रहे.

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No. :- 07749-222370, Email Id : ee-res.balod@gov.in

(E-Tender) सूचना प्रथम बार

क्रमांक / 06 /व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2026-27 बालोद, दिनांक 19.06.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में "सी"-वर्ग एवं उच्च श्रेणी में ठेकेदारों पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र-"अ" पर दर्शित कार्य हेतु प्रतिशत दर प्राप्त करने ऑनलाईन ई-निविदा दिनांक 06.07.2026 तक आमंत्रित की जाती है। कार्य पूर्ण करने की अवधि 08 माह वर्षा ऋतु सहित

क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत लाख रू. में	धरोहर राशि रू. लाख में
1	2	3	4
1	इण्डोर स्टेडियम निर्माण कार्य बालोद सिस्टम टेण्डर न. 193748	186.69	140500/-

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 19.06.2026 से देखी जा सकती है ।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

जी- 262701608/6

संक्षिप्त समाचार

जिले के नानगुर तहसील में दर्ज की गई सबसे ज्यादा वर्षा

जगदलपुर। सोमवार की सुबह बस्तर जिले के कई हिस्सों में बादलों की गड़गड़ाहट के साथ झमाझम बारिश हुई, जिसने चिलचिलाती धूप और उमस से परेशान नागरिकों को बड़ी राहत दी है। मौसम विभाग और राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार सोमवार 22 जून को सुबह की शुरुआत बेहद सुहावनी रही और अलग-अलग क्षेत्रों में मध्यम से भारी बौछारें दर्ज की गईं। इस दौरान बस्तर जिले की नानगुर तहसील में सबसे अधिक 15.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि जिला मुख्यालय जगदलपुर में 10.8 मिलीमीटर वर्षा के साथ मौसम खुशनुमा हो गया। इसके अलावा बस्तर तहसील में 9.5 मिलीमीटर और लोहांडीगुड़ा में 7.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि भानपुरी में भी हल्की बूंदाबांदी देखने को मिली। वहीं बकावण्ड, बस्तानार, दरभा, तोकापाल और करपावण्ड जैसे क्षेत्रों में सुबह पानी नहीं बरसा, लेकिन आसमान में बादल घिरे हुए हैं। वर्तमान मानसून सीजन में 1 जून 2026 से अब तक बस्तर तहसील में उम्मीद से काफी बेहतर बारिश हुई है। यहाँ पिछले 10 वर्षों के औसत यानी 112.6 मिमी के मुकाबले इस बार अब तक 142.4 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, जो कि इसके सामान्य औसत का 126.5: है। इसी तरह करपावंड में भी अब तक औसत के मुकाबले 175.1: वर्षा दर्ज की जा चुकी है। सोमवार सुबह हुई इस बारिश के बाद पूरे जिले का दैनिक औसत वर्षा का आंकड़ा 4.4 मिमी तक पहुँच गया है, जिससे अब तक की कुल औसत वर्षा का प्रतिशत 78.5: हो गया है। सुबह-सुबह हुई इस झमाझम बारिश से स्थानीय किसानों के चेहरे भी खिल उठे हैं क्योंकि धान की बोआई और खेतों की जुताई के लिए यह पानी बेहद फायदेमंद माना जा रहा है, और मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में मानसून बस्तर के बाकी हिस्सों को भी पूरी तरह सराबोर कर देगा।

दावा-आपत्ति सूचना

बीजापुर। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना तोयनार, जिला बीजापुर के अपराध क्रमांक 02/2026, धारा 17, 40 विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 के अंतर्गत जप्त नकदी राशि 1,50,00,000/- (एक करोड़ पचास लाख रुपये मात्र) एवं थाना मोदकपाल, जिला बीजापुर के अपराध क्रमांक 03/2026 धारा 148, 149, 150, 152, 61(2) भारतीय न्याय संहिता, 04, 05 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 तथा विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 के अंतर्गत जप्त नगद राशि 47,000/- एवं वाहन पिकअप CG04 LC-2692 के संबंध में सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रतिधारण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त जप्त नगदी/वाहन के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य किसी पक्ष का कोई दावा, स्वामित्व अथवा आपत्ति हो तो वह अपने समस्त दस्तावेजों एवं प्रमाणों सहित 30 जून 2026 को समय अपरान्ह 03:00 बजे अथवा उसके पूर्व सक्षम प्राधिकारी (श्री राम प्रसाद चौहान, उप सचिव छ0ग0 शासन गृह विभाग मंत्रालय रायपुर) के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा तथा नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

गाज गिरने से मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

बीजापुर। कलेक्टर विश्वदीप द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत् प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवार को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। जिसके अंतर्गत सदाराम मड़काम के गाज गिरने से मृत्यु होने पर उनके निकटतम वारिस उनकी पत्नि श्रीमती सोमड़ी मड़काम ग्राम ताकीलोड़ जाडकापारा थाना भैरमगढ़ को उक्त स्वीकृत आर्थिक सहायता राशि का भुगतान उनके बैंक खाता में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से किये जाने के निर्देश संबंधित तहसीलदार को दिया गया है।

किसान उत्सव दिवस में स्व-सहायता समूहों और ग्रामीण संस्थाओं ने निभाई सक्रिय भागीदारी

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण आजीविका प्रभाग ने सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को निर्देश जारी कर शनिवार को जून 2026 को आयोजित होने वाले पीएम-किसान उत्सव दिवस को स्व-सहायता समूहों एवं सामुदायिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश पर बस्तर जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखंड में स्व सहायता समूहों ने सहभागिता निभाई। ज्ञात हो कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 20 जून 2026 को पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर, हुगली से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी किया। इस अवसर को देशभर में पीएम-किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया गया। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा पीएम-किसान योजना पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली केंद्र सरकार की प्रमुख योजना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को कृषि, आजीविका और ग्रामीण विकास से जुड़ी अन्य योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का अवसर मिला।

ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में स्व सहायता समूहों सदस्यों, किसान परिवारों, ग्रामीण युवाओं और सामुदायिक संस्थाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने कहा गया था। साथ ही स्व सहायता समूहों की बैठकों, ग्राम संगठनों, सी एल एफ एवं अन्य माध्यमों से कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश थे। जिसके परिपालन में कार्यक्रम के दौरान गांवों, ग्राम पंचायतों और ब्लॉक स्तर पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई थी जिसमें जिले के कृषि, कृषि आधारित गतिविधियों एवं आजीविका कार्यों से जुड़े स्व-सहायता समूहों के सदस्यों को सक्रिय रूप से शामिल हुए।

सीएम हेल्पलाइन मे प्राप्त आवेदनों का निराकरण शीघ्र करें : कलेक्टर क्षीरसागर

लोकमाया न्यूज ।

उत्तर बस्तर कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायत संबंधी आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है। सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों को भी शीघ्र निराकृत करने के लिए निर्देशित किया है।

निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि आगामी 01 जुलाई से डीएमएफ से संबंधित निर्माण कार्यों की समीक्षा ''निर्माण एप'' के माध्यम से की जाएगी तथा जल्द ही अन्य निर्माण कार्यों की समीक्षा भी इसी एप के माध्यम से किया जाएगा। इस व्यवस्था निर्माण कार्यों की सुचारू मॉनिटरिंग हो सकेगा, जिससे कार्यों में तेजी आएगी। बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा की घोषणा के पालन में स्वीकृत निर्माण कार्यों सहित सांसद एवं विधायक निधि अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा की गई तथा इन कार्यों में भी तेजी लाने कहा गया है।

कलेक्टर द्वारा विभिन्न कार्यालयों के कंडम वाहन जिनका नीलामी हो चुकी है और उक्त वाहन अभी तक परिसर में है, ऐसे वाहनों को तत्काल हटाने के लिए आरटीओ को निर्देशित किया गया है। दूरस्थ अंचलों में दूरसंचार टॉवर, अटल डिजिटल सुविधा केंद्र, किसानों का एग्रीटेक में पंजीयन सहित अन्य विभागीय कार्यों की समीक्षा भी कलेक्टर द्वारा किया गया एवं समय-सीमा में सभी कार्यों निराकृत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर अंतागढ़ ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के अधिकारी मौजूद रहे।

खेती-किसानी में परेशानी हो तो सीधे एसडीएम को करें फोन

किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

लोकमाया न्यूज ।

बीजापुर। जिले में खेती-किसानी का कार्य सुचारू रूप से संचालित हो तथा किसानों को खाद, बीज, डीजल अथवा अन्य कृषि संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए कलेक्टर श्री विश्वदीप ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को आवश्यक निर्देश दिए हैं। कलेक्टर विश्वदीप ने कहा है कि छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा खेती-किसानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। किसानों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है। उन्होंने जिले के किसानों से अपील की है कि कृषि कार्य से जुड़े खाद बीज एवं डीजल की समस्या होने पर अपने क्षेत्र के एसडीएम से सीधे संपर्क करें। जिले के विभिन्न अनुभागों के लिए संपर्क नंबर इस प्रकार हैं:- बीजापुर अनुभाग, एसडीएम जागेश्वर कौशल -9165989716, उसूर अनुभाग, एसडीएम भूपेन्द्र गावरे - 9584603977, भोपालपटनम अनुभाग, एसडीएम यशवंत नाग - 9329781207, भैरमगढ़ अनुभाग, एसडीएम विकास सर्वे - 8305418893 जिला प्रशासन ने किसानों से आग्रह किया है कि खाद, बीज, डीजल संबंधी किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल संबंधित एसडीएम को दें, ताकि समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

चिलकुटी और बाबूसेमरा के स्कूलों में गूंजा करो योग, रहो निरोग का नारा

बच्चों और शिक्षकों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के गरिमामय अवसर पर बस्तर जिले के ग्रामीण अंचल और शैक्षणिक संस्थानों में योग के प्रति जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। विकासखंड जगदलपुर के अंतर्गत आने वाले संकुल केंद्र बाबूसेमरा और ग्राम चिलकुटी के विद्यालयों में विशेष योगाभ्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर स्वास्थ्य और सजगता का संदेश दिया। ग्राम चिलकुटी स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में सुबह की ताजी हवा के बीच स्कूल प्रांगण में छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने एक साथ विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। इस दौरान बच्चों को योग का महत्व समझाते हुए बताया गया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मानसिक एकाग्रता बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है। शिक्षकों ने बच्चों को योग से होने वाले लाभों की जानकारी देते हुए प्रेरित किया कि नियमित योग करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, याददाश्त तेज होती है और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है।

इसके साथ ही विद्यार्थियों को प्रतिदिन कम से कम 15-20 मिनट योग को अपनी दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करने का संकल्प भी दिलाया गया। इसी क्रम में संकुल केंद्र बाबूसेमरा में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जहां संकुल के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने इस सामूहिक योगाभ्यास में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सभी ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम जैसे कई महत्वपूर्ण आसनों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और मानसिक तनाव से मुक्ति पाने के लिए योग एक अचूक औषधि है। विशेषकर स्कूली बच्चों के सर्वांगीण विकास और अनुशासित जीवन शैली के निर्माण में योग की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, और इस पूरे आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से जागरूक किया बल्कि बस्तर के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति एक सकारात्मक संदेश भी प्रसारित किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कृषि महाविद्यालय के छात्रों ने दिया करें योग रहें निरोग का संदेश

दिनचर्या में शामिल करने का लिया संकल्प

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। कुम्हरावंड स्थित शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के कैडेटों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य पर एक विशेष और भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए करें योग रहें निरोग का महत्वपूर्ण संदेश प्रसारित किया गया। इस विशेष अवसर पर शिवम योग समिति जगदलपुर से मुख्य मार्गदर्शक के रूप में श्री किशोर पारख उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों और राष्ट्रीय सेवा योजना के कैडेटों को विभिन्न योग क्रियाओं का व्यावहारिक अभ्यास कराया। उन्होंने योगाभ्यास के वैज्ञानिक लाभों और मानव शरीर तथा मस्तिष्क पर योग के सकारात्मक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को मानसिक एकाग्रता और शारीरिक सुदृढ़ता के लिए प्रतिदिन योगाभ्यास करने की प्रेरणा दी, जिससे छात्र अत्यधिक प्रभावित हुए। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न प्रकार के योगासनों जैसे सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, भुजंगासन, भ्रामरी और शवासन के महत्व को समझा और इनके माध्यम से शारीरिक व मानसिक विकास तथा तनाव मुक्ति की तकनीकों को जाना। योग की इन अद्भुत विधाओं से प्रभावित होकर उपस्थित समस्त छात्र-छात्राओं ने स्वास्थ्य को सर्वोपरि मानते हुए योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करने का दृढ़ संकल्प भी लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय के प्रभारी अधिष्ठाता एवं सहायक संचालक अनुसंधान डॉ एके ठाकुर ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में एनसीसी स्टाफ से श्री पृथ्वीराज मोहंती उपस्थित रहे। इस पूरे गरिमापूर्ण आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाने में एनएसएस प्रभारी डॉ सोनाली कर के साथ-साथ शिवम योग समिति जगदलपुर के श्री धीरज राठी और डॉ संदीप जोशी एवं डॉ. विक्की कुमार ने अपना सक्रिय योगदान दिया।

पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान : जिले में 76,544 बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की खुराक

लोकमाया न्यूज ।

उत्तर बस्तर कांकेर। राज्य शासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के तहत जिले में 28 से 30 जून तक पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद खुराक पिलाकर प्रतिरक्षित किया जाएगा। इस अभियान के दूसरे एवं तीसरे दिन टीमकर्मी दल द्वारा घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर की अध्यक्षता में इस संबंध में आज जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बताया गया कि पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 76,544 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 1,281 पोलियो बूथ बनाए गए हैं तथा 3,155 बूथ टीमकर्मी दलों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा 1,274 घर-घर भ्रमण दल सदस्य तथा 31 ट्रांजिट टीम सदस्य तैनात किए जाएंगे। बताया गया कि पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के पिछले चरण में जिले में 76,967 बच्चों के लक्ष्य के विरुद्ध 76,940 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई थी, जो लगभग 96.06 प्रतिशत उपलब्धि रही। अभियान के सफल संचालन के लिए जिले के सभी विकासखण्डों के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए पोलियो बूथ एवं आवश्यक टीम गठित की गई है। विकासखण्ड अंतागढ़ में 228 पोलियो बूथ में 460 टीकाकर्मी दल, भानुप्रतापपुर में 130 पोलियो बूथ में 441 टीकाकर्मी दल, चारामा में 111 पोलियो बूथ में 422 टीकाकर्मी, दुर्गुकोंदल में 147 पोलियो बूथ में 320 टीकाकर्मी, कांकेर ग्रामीण में 134 पोलियो बूथ में 337 टीकाकर्मी दल, कोयलीबेड़ा में 372 पोलियो बूथ में 720 टीकाकर्मी, नरहरपुर में 135 पोलियो बूथ में 370 टीकाकर्मी दल और कांकेर शहरी में 24 पोलियो बूथ में 85 टीकाकर्मी दल नियुक्त किया गया है।

चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल कांकेर में शुरू हुई एमआरआई सेवा

लोकमाया न्यूज ।

उत्तर बस्तर कांकेर। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल कांकेर में अत्याधुनिक एमआरआई मशीन का संचालन प्रारंभ हो गया है। इससे अब कांकेर जिले के मरीजों को एमआरआई जांच के लिए रायपुर सहित अन्य बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर यह सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों और उनके परिजनों को समय, धन और अन्य परेशानियों से राहत मिलेगी। गंभीर बीमारियों की जांच के लिए पहले मरीजों को एमआरआई कराने हेतु जिले से बाहर जाना पड़ता था, जिससे आने-जाने का खर्च, समय और उपचार में देरी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। अब चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल कांकेर में एमआरआई जांच सुविधा उपलब्ध होने से जिलेवासियों को बड़ी राहत मिली है। पखांजूर के पी. व्ही. 23 निवासी बीपीएल कार्ड धारक गुरुदास बिस्वास ने बताया कि चिकित्सकों द्वारा एमआरआई जांच की सलाह दी गई थी, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे बड़े शहर जाकर जांच नहीं करा पा रहे थे। रायपुर या अन्य शहरों में एमआरआई जांच कराने के लिए आने-जाने का किराया, ठहरने और अन्य खर्चों को वहन करना उनके लिए मुश्किल था। अब चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल कांकेर में ही एमआरआई सुविधा उपलब्ध होने से उन्होंने आसानी से अपनी जांच कराई। उन्होंने बताया कि जिले में यह सुविधा शुरू होने से उनके जैसे कई मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और समय के साथ आर्थिक बोझ भी कम होगा। इस सुविधा के लिए उन्होंने राज्य शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने कहा कि जिले वासियों के लिए यह खुशी का विषय है, तकनीकी समस्या के कारण लंबे समय से बंद एमआरआई मशीन अब पुन: शुरू हो गई है।

तसर खाद्य पौधों की नर्सरी तैयार करने का प्रशिक्षण आयोजित

बीजापुर। कार्यालय सहायक संचालक रेशम के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा कोसा बीज केंद्र भैरमगढ़ के हितग्राहियों को तसर खाद्य पौधे अर्जुन एवं साजा की नर्सरी तैयार करने संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन की तकनीक से अवगत कराना तथा तसर पालन के लिए आवश्यक खाद्य पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। प्रशिक्षण के दौरान हितग्राहियों को बीज चयन, बीज अंकुरण की विधि, पॉलीबैग में मिट्टी, रेत एवं जैविक खाद के उचित अनुपात, पौधों की देखभाल, संरक्षण एवं नर्सरी प्रबंधन की संपूर्ण तकनीकी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप हितग्राहियों द्वारा लगभग 5,000 अर्जुन एवं साजा के पौधे तैयार किए गए हैं। तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान में तैयार इन पौधों को आगामी वर्ष लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपित किया जाएगा। पौधों के पूर्ण विकसित होने के बाद इन पर लगभग 400 तसर स्वस्थ डिम्भ समूहों का पालन किया जा सकेगा।

बस्तर में स्वच्छता का नया उजाला : ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 को लेकर गांवों में अभियान जारी

लोकमाया न्यूज ।

जगदलपुर। बस्तर जिले को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण-मुक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन और ग्राम पंचायतों ने एक बड़ी मुहिम छेड़ दी है। पूरे देश में 01 अप्रैल 2026 से लागू हुए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बस्तर जिले की ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को गति देने के लिए ग्राम पंचायत आड़ावाल, चेराकुर, बुरुन्दवाड़ा, बिलोरी और हल्बा कचोरा सहित कई गांवों में जन-जागरूकता चरम पर है, जहां ग्राम पंचायत भवनों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और हाट-बाजारों में दीवार लेखन और ग्राम सभाओं के जरिए ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। दीवारों पर चार डिब्बा चार रंग, स्वच्छता का नया उमंग और हरा, नीला, लाल और काला (या पीला), यही है स्वच्छता का उजाला जैसे आकर्षक नारे लिखे गए हैं जो ग्रामीणों को प्रेरित कर रहे हैं।

इस नई पहल के तहत ग्रामीणों को अपने घरों से ही कचरे को चार अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर डस्टबिन में डालने की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इसके तहत रसोई के कचरे, फल, सब्जी के छिलके और बासी भोजन जैसे गीले कचरे को हरे डस्टबिन में डालने की सलाह दी गई है। वहीं कागज, प्लास्टिक, गत्ता, कांच और बोतल जैसे सूखे कचरे के लिए नीले डस्टबिन का उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। सैनिटरी पैड, डायपर, मेडिकल वेस्ट और ब्लेड जैसे सैनिटरी अपशिष्ट को लाल डस्टबिन में तथा खराब बल्ब, ट्यूबलाइट, मोबाइल और चार्जर जैसे हानिकारक ई-वेस्ट को पीले डस्टबिन में पृथक रूप से संग्रहित करने की समझाइश दी जा रही है। इस व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए स्वच्छता दीदियां, महिला स्व-सहायता समूह और पंचायत प्रतिनिधि खुद घर-घर पहुंचकर लोगों को कचरा अलग करने की इस पूरी प्रक्रिया को बारीकी से समझा रहे हैं।

इस जागरूकता अभियान के साथ-साथ अब हर घर, दुकान, होटल, स्कूल और बाजार से नियमित रूप से कचरा संग्रहण किया जाएगा और इसके बदले स्वच्छता शुल्क का नियमित संग्रह होगा। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों, सड़कों, नालियों या सूखे स्थानों पर कचरा फेंकने या जल स्रोतों के पास गंदगी फैलाने पर तत्काल जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

इसी मुहिम के तहत विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर जिले की बुरुन्दवाड़ा और बिलोरी पंचायतों ने एक बड़ी मिसाल पेश की है। इन पंचायतों ने विशेष ग्राम सभा आयोजित कर सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों को पूरी तरह अपनाने, सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने और अपने गांवों को प्लास्टिक-मुक्त गांव बनाने का दृढ़ संकल्प लेकर हरित क्रांति की शुरुआत की है। इस सफल प्रयास को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे का सही तरीके से पृथक्करण सुनिश्चित करें ताकि कचरे का सही निपटान कर स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित गांवों का निर्माण किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

जुआ फड़ पर पुलिस ने की कार्रवाई, पुलिसकर्मी समेत कई गिरफ्तार

कोरबा। जिले में अवैध जुए के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जुआ फड़ पर दबिश दी है। राजगामार चैकी प्रभारी विनोद सिंह के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में जुआ खेलते हुए कई लोगों को रंगे हाथों पकड़ा गया। खास बात यह रही कि गिरफ्तार आरोपियों में एक पुलिस कर्मचारी भी शामिल है, जिसके पकड़े जाने से महकमे में चर्चा का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार पुलिस को क्षेत्र में लंबे समय से जुआ संचालित होने की सूचना मिल रही थी। सूचना की पुष्टि के बाद चैकी प्रभारी ने टीम के साथ मौके पर दबिश दी, जहां कई लोग दांव लगाते मिले। पुलिस ने मौके से नगदी, ताश के पत्ते और जुए में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री जब्त की है। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। वहीं पुलिस विभाग से जुड़े कर्मचारी के जुआ खेलते पकड़े जाने को लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पुलिस सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध जुआ, सट्टा और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक ही रात तीन जगह चोरी: व्यापारियों में दहशत, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

कोरबा। शहर में बुधवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब दर्री रोड स्थित दो दुकानों में चोरी की वारदात सामने आई। कोरबा के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत दर्री रोड पर संचालित विशाल ट्रेडर्स और संतोष ट्रेडर्स को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। दोनों

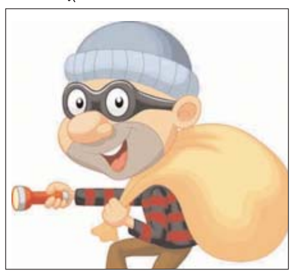

दुकानों में शटर तोड़कर चोरी की गई है। जानकारी के अनुसार, दर्री रोड व्यापारी संघ के अध्यक्ष गजानंद अग्रवाल ने सुबह विशाल ट्रेडर्स का शटर क्षतिग्रस्त देखा और इसकी सूचना संचालक को दी। कुछ ही देर में पास स्थित संतोष ट्रेडर्स में भी चोरी का खुलासा हुआ। इसके बाद व्यापारियों में हड़कंप मच गया। विशाल ट्रेडर्स में चोरों ने गोदाम का शटर करीब डेढ़ फीट तक तोड़कर अंदर प्रवेश किया, लेकिन मुख्य दुकान तक नहीं पहुंच सके, जिससे वहां से कोई खास सामान चोरी नहीं हो पाया। बताया जा रहा है कि चोर रात करीब 1.30 बजे यहां घुसे थे। एक चोर का चेहरा खुला था जबकि दूसरे ने गमछे से चेहरा ढका हुआ था। इसके बाद चोर संतोष ट्रेडर्स पहुंचे, जहां से उन्होंने गल्ले में रखी करीब 10 से 15 हजार रुपए नगदी पार कर दी।

बालको के पाड़ीमार वार्ड में 25 लाख रू. से सड़क डामरीकरण कार्य प्रारंभ

लोकमाया न्यूज ।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने कार्य हेतु भूमिपूजन कर कराया कार्य का शुभारंभ

कोरबा। नगर निगम कोरबा के वार्ड क्र. 40 पाड़ीमार वार्ड में सड़क डामरीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महापौर संजूदेवी राजपूत ने कार्य हेतु भूमिपूजन किया तथा डामरीकरण कार्य का शुभारंभ कराया। उन्होने डामरीकरण कार्य के दौरान गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने एवं शीघ्र कार्य को पूर्ण किये जाने के निर्देश मौके पर अधिकारियों को दिये। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य हितानंद अग्रवाल, सत्येन्द्र दुबे, रजत खुंटे, मंगलराम बंदे, चेतन सिंह मैत्री, चंदादेवी रत्नाकर, तरूण राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अनवरत रूप से किये जा रहे विकास कार्यो की कड़ी में निगम के बालको जोनांतर्गत वार्ड क्र. 40 पाड़ीमार क्रमांक 01 में 25 लाख रूपये की लागत से राजेश ठाकुर के घर से बरगद चैक होते हुये इंदिरा मार्केट मुख्य मार्ग तक सड़क डामरीकरण का कार्य कराया जा रहा है, जिसका आज शुभारंभ उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनके हाथों किया गया। उन्होने पूजा अर्चना की, शिलालेख पट्टिका का अनावरण किया तथा नारियल तोड़कर कार्य प्रारंभ कराया।

निगम क्षेत्र में 1000 करोड़ रू. के विकास कार्य स्वीकृत - उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने इस मौके पर अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आशीर्वाद से विगत ढाई वर्ष के दौरान नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न मदों के अंतर्गत लगभग 1000 करोड़ रूपये के विकास कार्य स्वीकृत किये गये हैं, जिसमें अनेकों कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं, अनेक प्रगति पर हैं तथा शेष कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होने जा रहे हैं। उद्योग मंत्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि निगम क्षेत्र में 15 करोड़ रूपये के सड़क डामरीकरण कार्य कराये जाने हैं, जिसमें अनेक कार्य पूर्ण भी कर लिये गये हैं, जैसे-जैसे डामर की उपलब्धता होती जायेगी, यह कार्य संपादित होंगे। उन्होने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारे छत्तीसगढ़ राज्य का तेजी से विकास हो रहा है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार की दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाओं व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य की विभिन्न योजनाओं से प्रदेश व देश के करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

बच्चों की पढ़ाई न हो प्रभावित, जनदर्शन में शिक्षा एवं छात्रावास सुविधा सुनिश्चित करने की पहल

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आमजनों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 149 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में ग्राम नवागांव, कटघोरा निवासी महेश्वर नाथ सहिस ने अपने बच्चों की शिक्षा एवं परिवार के भरण-पोषण के लिए आर्थिक सहायता की मांग करते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी संतोषी बाई का गंभीर बीमारी के कारण निधन हो चुका है तथा दुर्घटना में पैर टूट जाने से वे शारीरिक श्रम करने में असमर्थ हैं। आर्थिक कठिनाइयों के कारण वे अपने पुत्र एवं पुत्री, जो क्रमशः कक्षा छठवीं और तीसरी में अध्ययनरत हैं, की शिक्षा एवं देखभाल का समुचित प्रबंध नहीं कर पा रहे हैं।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर दुदावत ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं जिला शिक्षा अधिकारी को बच्चों की शिक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्रावास में आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में सीट रिक्त होने पर बच्ची का संस्था में प्रवेश दिलाने की कार्यवाही करने को कहा।

सुगम व्यवस्था और पर्याप्त उपलब्धता से प्रसन्न किसान, समय पर मिली कृषि आदान सामग्री

लोकमाया न्यूज ।

कृषक बाबू सिंह ने सराही कृषि आदान वितरण की सुव्यवस्थित व्यवस्था, मुख्यमंत्री का जताया आभार

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। किसानों को समय पर कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था से खेती-किसानी को नई गति मिली है। खरीफ सीजन की तैयारियों में जुटे किसान सहज और सरल प्रक्रिया के माध्यम से खाद एवं बीज प्राप्त कर रहे हैं, जिससे उनमें उत्साह और विश्वास बढ़ा है।

कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम विजयपुर निवासी कृषक बाबू सिंह भी ऐसे ही किसानों में शामिल हैं, जिन्हें समय पर खाद-बीज मिलने से खेती की तैयारियों में बड़ी सुविधा हुई है। लगभग साढ़े सात एकड़ कृषि भूमि पर खेती करने वाले सिंह मुख्य रूप से धान की फसल का उत्पादन करते हैं। कृषि उनके परिवार की आजीविका का प्रमुख आधार है और वे लंबे समय से खेती-किसानी से जुड़े हुए हैं। खरीफ सीजन की तैयारियों के तहत वे सहकारी समिति कटघोरा पहुंचे, जहां उन्होंने आवश्यक कृषि आदान सामग्री प्राप्त की। उन्होंने बताया कि समिति में खाद एवं बीज प्राप्त करने की प्रक्रिया अत्यंत सरल और व्यवस्थित रही। उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा तथा बिना अनावश्यक प्रतीक्षा के आवश्यक सामग्री उपलब्ध हो गई। समिति के कर्मचारियों ने भी पूरा सहयोग प्रदान किया। सिंह ने बताया कि उन्होंने समय पर डीएपी, यूरिया और बीज प्राप्त कर लिया है, जिससे खेती की तैयारियां सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा की गई बेहतर व्यवस्थाओं के कारण किसानों को अब खाद-बीज के लिए भटकना नहीं पड़ रहा है। पर्याप्त मात्रा में कृषि आदान सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने से किसानों में संतोष और भरोसा बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए उनके हित में निरंतर कार्य कर रही है। समय पर खाद-बीज की उपलब्धता से किसानों को खेती की योजना बनाने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिल रही है। सिंह ने किसान हितैषी पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार के प्रयासों से किसानों को खेती के प्रति नई ऊर्जा और विश्वास मिला है।

कोरबा वन मंडल में वृक्षारोपण की तैयारियां तेज मैदानी स्टाफ को दिया गया व्यवहारिक प्रशिक्षण

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। वन मंडल कोरबा के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए वर्षा ऋतु 2026 में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्य संपादित किए जाने हैं। इसके तहत दांडिक क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण, क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण एवं अन्य मदों के अंतर्गत मुख्य रूप से वानिकी प्रजाति के पौधों का रोपण किया जाएगा। इस वृहद परियोजना को पूरी तकनीकी सटीकता के साथ धरातल पर उतारने के लिए वन मंडल स्तरीय एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 2 लाख 64 हजार पौधों के रोपण का लक्ष्यइस वर्ष कोरबा वन मंडल के पांच वन परिक्षेत्रों- बालको, कोरबा, पसरखेत, कुदमुरा और करतला में कुल 2,64,000 पौधों के रोपण का महत्वाकांलक्ष्य रखा गया है। वानिकी कैलेंडर और सुरक्षा पर रहेगा विशेष जोर- वृक्षारोपण को शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए वन विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रशिक्षण में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर रणनीतिक चर्चा की गई: समयबद्ध कायवानिकी कैलेंडर के

अनुसार सही समयावधि में ही रोपण कार्य सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही पौधों के जीवित रहने की दर (सर्वाइवल रेट) बढ़ाने के लिए निर्धारित समय पर ही प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय निंदाई का कार्य संपन्न कराया जाएगा।आधुनिक सुरक्षा घेरारूपौधों को मवेशियों और बाहरी खतरों से बचाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके लिए विशेष तौर पर प्री-स्ट्रेस पोल् के साथ चेनलिंक फेंसिंग का कार्य कराया जाना प्रस्तावित है।पौधों की सेहत और पोषणरू पौधों की त्वरित और अच्छी वृद्धि के लिए जैविक एवं कार्बनिक खाद के समुचित उपयोग का विशेष प्रावधान किया गया है।मैदानी अमले को मिला 'ऑन-फील्ड' प्रैक्टिकल प्रशिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम में पांचों रेंज के रोपण प्रभारी और रोपण सहायक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। स्टाफ को केवल सैद्धांतिक जानकारी ही नहीं दी गई, बल्कि फील्ड में ले जाकर भौतिक रूप से वृक्षारोपण की बारीकियाँ समझाई गईं, जैसेरूपौधों का सही प्रकार से रोपण कैसे किया जाए।प्रति पौधा कितनी मात्रा में जैविक, कार्बनिक खाद दी जानी है।सिंचाई की सही पद्धति और वैज्ञानिक तरीके से थाला निर्माण। निंदाई को सफलतापूर्वक संपन्न करने के तरीके। अभिलेखों (रिकॉर्ड) का होगा सटीक संधारण। कार्य की मॉनिटरिंग को मजबूत करने के लिए वृक्षारोपण पंजी के सही समयावधि में संधारण को लेकर व्यापक चर्चा की गई। सभी रोपण प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे हर एक गतिविधि का दस्तावेजीकरण और अभिलेखों का संधारण पूरी शुद्धता के साथ करें। इस व्यावहारिक प्रशिक्षण से वन मंडल के मैदानी स्टाफमें प्लांटेशन की बारीकियों को लेकर एक बेहतर समझ विकसित हुई है।

दुकान निर्माण का 3.41 लाख डकार गए सरगबुंदिया सरपंच सचिव, सीईओ ने नोटिस जारी कर 3 दिवस के भीतर मांगा जवाब

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा-करतला। कोरबा जिले की ग्राम पंचायत सरगबुंदिया में लाखों रुपये के कथित गड़बड़झाले का मामला सामने आया है। जनपद पंचायत करतला ने ग्राम पंचायत की सरपंच और सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के भीतर अधूरा निर्माण कार्य पूरा करने का अल्टीमेटम दिया है। जनपद पंचायत करतला के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-149 के चैड़ीकरण कार्य के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में ग्राम पंचायत सरगबुंदिया में दुकान निर्माण के लिए 6 लाख 82 हजार 198 रुपये स्वीकृत किए गए थे। आरोप है कि निर्माण कार्य पूरा किए बिना ही 3

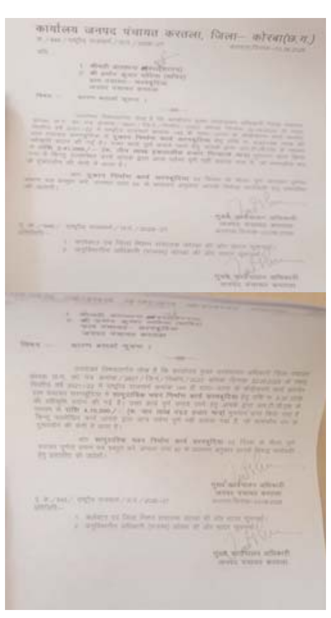
कार्यालय जनपद पंचायत करतला, जिला- कोरबा(छ.ग.)

लाख 41 हजार 99 रुपये की राशि आरटीजीएस के माध्यम से आहरित कर ली गई। नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि संबंधित दुकान निर्माण कार्य आज तक पूर्ण नहीं कराया गया है, जिससे मामला शासकीय धन के दुरुपयोग की श्रेणी में आता है। इस गंभीर अनियमितता को देखते हुए सरपंच और सचिव से जवाब तलब किया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिवस के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण कर पूर्णता प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया, तो संबंधितों के खिलाफ धारा 92 के तहत कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नोटिस की प्रतिलिपि कलेक्टर कोरबा और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को भी भेजी गई है।

जिला पंचायत सीईओ ने गोबर गैस संयंत्रों एवं आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा दिनेश कुमार नाग ने रविवार को जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा कर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत स्थापित गोबर गैस संयंत्रों एवं निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीईओ नाग ने ग्राम पंचायत बिंझरा में स्थापित गोबर गैस संयंत्र का निरीक्षण कर हितग्राहियों से संयंत्र के संचालन की जानकारी ली। उन्होंने हितग्राहियों, सरपंच एवं सचिव को नियमित रूप से गोबर डालने तथा संयंत्र का सतत

उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

ग्राम महोरा एवं ग्राम पंचायत भांवर में स्थापित गोबर गैस संयंत्रों के निरीक्षण के दौरान सीईओ ने गैस कनेक्शन में आवश्यक सुधार कराने तथा संयंत्रों के नियमित संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोबर गैस संयंत्र स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत कोनकोना में निर्माणाधीन एफएसटीपी- फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का भी अवलोकन किया गया। नाग ने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसे एक माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। ग्राम पंचायत मानिकपुर में स्थापित गोबर गैस संयंत्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने संयंत्र के नियमित उपयोग, गोबर की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा तकनीकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। सीईओ नाग ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा भूपेंद्र सोनवानी,जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) विमल धीरही, जिला सलाहकार दीप सरकार, जीवन यादव सहित संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बालको का जुबली पार्क, कोरबा जिले के सुंदर एवं व्यवस्थित पार्कों में से होगा एक

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा-बालकोनगर। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) द्वारा सिविक सेंटर स्थित नवनिर्मित जुबली पार्क का निर्माण किया गया है। कंपनी द्वारा विकसित यह पार्क सभी आयु वर्ग के लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पार्क में बच्चों के लिए आधुनिक एवं सुरक्षित खेल उपकरण, कसरत करने के लिए विभिन्न उपकरण, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष बैठक एवं विश्राम क्षेत्र, योग एवं ध्यान के लिए समर्पित योगा प्लेटफॉर्म तथा स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आकर्षक वॉकिंग ट्रैक विकसित किया गया है। हरियाली, सौंदर्यीकरण एवं आरामदायक सुविधाओं से युक्त यह पार्क समुदाय के लिए एक आदर्श मनोरंजन एवं स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।

नगर निगम कोरबा, वार्ड क्रमांक 43 के पार्षद हितानंद अग्रवाल ने कहा, बालको द्वारा विकसित जुबली पार्क समुदाय के लिए एक अत्यंत सराहनीय और उपयोगी कार्य है। पार्क में योग एवं ध्यान के लिए विशेष योगा प्लेटफॉर्म, बच्चों के मनोरंजन के लिए आधुनिक झूले एवं खेल उपकरण, आकर्षक हरियाली तथा सुव्यवस्थित सुविधाएं विकसित की गई हैं, जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होंगी। उन्होंने कहा कि यह उद्यान कोरबा जिले के सबसे सुंदर एवं सुव्यवस्थित पार्कों में से एक है। बालको ने समुदाय के लिए एक ऐसा स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित सार्वजनिक स्थल तैयार किया है, जहां सभी आयु वर्ग के लोग स्वास्थ्य, मनोरंजन और प्रकृति के बीच गुणवत्तापूर्ण समय व्यतीत कर सकेंगे।

पार्षद ने कहा कि बालको अपनी सामुदायिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य कर रहा है। टाउनशिप एवं आसपास के क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण एवं चैड़ीकरण, आंबेडकर स्टेडियम का आधुनिकीकरण एवं सौंदर्यीकरण, नेहरू पार्क का निर्माण तथा अन्य अनेक जनहितकारी परियोजनाएं इसका प्रमाण हैं। ये सभी कार्य समुदाय के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सामुदायिक विकास को नई दिशा मिली है। उन्होंने जुबली पार्क जैसी जनहितकारी पहल के लिए सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

जुबली पार्क को केवल मनोरंजन स्थल के रूप में नहीं, बल्कि समुदाय के लिए एक जीवंत सामाजिक एवं स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा सामाजिक सहभागिता के लिए सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना है। पार्क में समय-समय पर योग, फिटनेस एवं अन्य सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे सभी आयु वर्ग के लोग लाभान्वित हो सकें।

6 दिन बाद कब्र से निकाला शव, करंट से मौत की पुष्टि

लोकमाया न्यूज ।

कोरबा। कोरबा जिले के पाली विकासखंड के नगोई गांव में एक मजदूर की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। 16 जून को छत ढलाई के दौरान लिफ्ट मशीन के तार की चपेट में आने से 28 वर्षीय नवीन कुमार की मौत हो गई थी। अब पत्नी की मांग पर 6 दिन बाद शव को कब्र से निकालकर जांच की गई है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पोड़ी मड़वामौहा निवासी नवीन कुमार शिवलाल पोर्ते के घर छत ढलाई का काम कर रहा था। इसी दौरान वह लिफ्ट मशीन के विद्युत तार की चपेट में आ गया और उसे करंट लग गया। नवीन को तत्काल पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोप है कि अस्पताल ने पुलिस को सूचना दिए बिना और पोस्टमार्टम कराए बिना ही शव परिजनों को सौंप दिया था। परिजनों ने 16 जून को सामाजिक रीति-रिवाज से उसका अंतिम संस्कार कर दिया। उन्हें बताया गया था कि पोस्टमार्टम हो चुका है और कोरे कागज पर हस्ताक्षर भी कराए गए थे।

घटना के बाद परिजनों को पता चला कि मौत करंट लगने से हुई है। इसके बाद मृतक की पत्नी ने 19 जून को पाली थाने में लिखित शिकायत दी।

उन्होंने शव का दोबारा परीक्षण कराने की मांग की और डॉक्टर पर गुमराह करने और बिना पोस्टमार्टम शव सौंपने का आरोप लगाया।

शिकायत के बाद उच्च अधिकारियों के निर्देश पर नायब तहसीलदार सुजीत पाटले, फोरेंसिक विशेषज्ञ सत्यजीत सिंह कोसरिया, पाली थाना पुलिस और डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंची।

फीफा विश्व कप 2026 : मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर दर्ज की विश्व कप इतिहास की पहली जीत

वैंकूवर

स्टार फुटबालर मोहम्मद सालाह के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिस्र ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2026 में इतिहास रच दिया। ग्रुप-जी के मुकाबले में मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1से हराकर विश्व कप इतिहास की अपनी पहली जीत दर्ज की।

मिस्र के लिए मोहम्मद सालाह और मुस्तफा ज़िको ने एक-एक गोल करने के साथ एक-एक गोल में सहयोग भी किया, जबकि तीसरा गोल ट्रेजेगेट ने किया। पहले हाफ में पिछड़ने के बाद मिस्र ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और ग्रुप-जी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

न्यूजीलैंड ने मैच की शुरुआत शानदार तरीके से की और 15वें मिनट में फिन सुरमैन ने कार्नर से मिले मौके को हेडर में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ तक न्यूजीलैंड 1-0 से आगे रहा। दूसरे हाफ में मिस्र ने आक्रामक खेल दिखाया। 58वें मिनट में मोहम्मद हानी के बेहतरीन क्रास पर मुस्तफा ज़िको ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद 67वें मिनट में सालाह ने टूर्नामेंट का अपना पहला गोल दागते हुए मिस्र को बढ़त दिला दी। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 68वां गोल भी रहा। गोल के बाद सालाह ने दर्शकों की ओर मुट्ठी लहराकर जश्न मनाया और साथी खिलाड़ियों ने उन्हें घेर लिया।

82वें मिनट में ट्रेजेगेट ने कार्नर पर शानदार हेडर लगाकर मिस्र की जीत पक्की कर दी। यह विश्व कप में उनका पहला गोल रहा। मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने चार महत्वपूर्ण बचाव किए, जबकि न्यूजीलैंड के गोलकीपर मैक्स क्रोकाम्ब ने भी चार सेव किए।

इस जीत के बाद मिस्र ग्रुप में मजबूत स्थिति में पहुंच गया है और शुक्रवार को ईरान के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलेगा। वहीं न्यूजीलैंड, जो अब भी विश्व कप में अपनी पहली जीत की तलाश में है, उसी दिन बेल्जियम से भिड़ेगा।

मैच के बाद सालाह ने कहा कि आने वाले वर्षों में इस जीत को मिस्र के फुटबाल इतिहास की बड़ी उपलब्धियों में गिना जाएगा। उन्होंने मिस्री समर्थकों की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे टीम अपने ही देश में खेल रही हो।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 : इराक के खिलाफ फ्रांस के लिए 100वां मैच खेलेंगे एम्बाप्पे

फिलाडेल्फिय। फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे सोमवार को इराक के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-आई मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 100वां मैच खेलने उतरेंगे। मुकाबले से पहले फिलाडेल्फिया में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है। एम्बाप्पे ने कहा कि अपने देश के लिए खेलना हमेशा गर्व की बात होती है और विश्व कप जैसे मंच पर 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पूरे करना इसे और भी यादगार बना देता है। उन्होंने कहा कि सौ का आंकड़ा ऐतिहासिक होता है और विश्व कप में इस उपलब्धि तक पहुंचना उनके लिए विशेष क्षण होगा। 27 वर्षीय एम्बाप्पे फ्रांस के लिए 100 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाले 10वें खिलाड़ी बन जाएंगे। हालांकि वह अभी भी पूर्व कप्तान और गोलरक्षक ह्यूगो लोरिस के 145 मुकाबलों के रिकार्ड से पीछे हैं। हाल ही में सेनेगल के खिलाफ दो गोल कर एम्बाप्पे फ्रांस के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन चुके हैं। उनके नाम अब 58 अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज हैं और उन्होंने ओलिवियर जिरू का रिकार्ड पीछे छोड़ दिया है। एम्बाप्पे ने कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा उनके लिए टीम की सफलता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इराक के खिलाफ जीत टीम को अगले चरण के करीब पहुंचाएगी और वही सबसे बड़ी प्राथमिकता है। विश्व कप को लेकर उन्होंने कहा कि वह अपने देश के लिए इतिहास में याद किए जाना चाहते हैं और विश्व कप जैसा मंच किसी भी खिलाड़ी के लिए अपनी क्षमता दिखाने का सबसे बड़ा अवसर होता है। विश्व कप में सर्वाधिक गोल के रिकार्ड की चर्चा पर एम्बाप्पे ने कहा कि वह लगातार गोल करने का प्रयास करेंगे, लेकिन उनका मुख्य लक्ष्य फ्रांस को अधिक से अधिक आगे ले जाना है।

फीफा विश्व कप 2026 : 10 खिलाड़ियों के साथ ईरान ने बेल्जियम को गोलरहित ड्रा पर रोका

लास एंजिलिस। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी मुकाबले में रविवार को बेल्जियम को ईरान के खिलाफ निराशा हाथ लगी। पूरे मैच में दबदबा बनाने के बावजूद बेल्जियम 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए ईरान की मजबूत रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सका और मुकाबला 0-0 से ड्रा पर समाप्त हुआ। दक्षिणी कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में दर्शकों का बड़ा समर्थन बेल्जियम को मिला, लेकिन ईरान ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अंक बांटने में सफलता हासिल की। ईरान के गोलकीपर अलीरेज़ा बेइरानवंद टीम के सबसे बड़े नायक साबित हुए। उन्होंने पूरे मैच में सात महत्वपूर्ण बचाव किए और बेल्जियम के लगातार हमलों को विफल कर दिया। बेल्जियम ने गेंद पर अधिक नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन दूसरे हाफ में टीम को बड़ा झटका लगा जब डिफेंडर नाथन न्गोय को लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने गोल की ओर बढ़ रहे ईरानी स्ट्राइकर मेहदी तारेमी को रोकने के प्रयास में फाउल किया था। एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद बेल्जियम ने हमले जारी रखे, लेकिन ईरान की अनुशासित रक्षा के सामने उसे सफलता नहीं मिली।

यशस्वी ने पिता को फादर्स डे पर लक्जरी कार उपहार में देकर जीता दिल

मुम्बई। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने फादर्स डे के अवसर पर अपने पिता को एक महंगी लग्जरी कार उपहार में दी है। इस कार की कीमत करीब बेहद 1.32 करोड़ रुपये बतायी गयी है। यशस्वी के अपने पिता को उपहार देने पर प्रशंसकों ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। यश्स्वी ने जिस प्रकार से पिता को कार भेंट की है। उससे उन्होंने उनके प्रति गहरे सम्मान और प्रेम को दिखाया है। इसका कारण ये है कि पिता ने यशस्वी के क्रिकेट सपनों को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया था। पिता को कार उपहार में देने की दिल जीत लेने वाली तस्वीरें यशस्वी के भाई तेजस्वी ने सोशल मीडिया में साझा की हैं। ये तेजी से वायरल हो गईं हैं। इन तस्वीरों में पूरा परिवार कार की डिलीवरी लेने के लिए एक साथ नजर आ रही है। इस दौरान यशस्वी के माता-पिता बेहद सामान्य कपड़ों में दिखे, इससे उनकी सादगी और विनम्रता दिखती है। उनके पिता की इस सादगी को देखकर प्रशंसक भी बेहद भावुक हो गए और यशस्वी के इस कदम की सराहना की। यह दृश्य कई लोगों के लिए प्रेरणादायक था, क्योंकि यह दिखाता है कि सफलता के शिखर पर पहुंचने के बाद भी अपनी जड़ों से जुड़े रहना कितना जरुरी है। यशस्वी ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के अंतिम मुकाबले में शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।

चंचल राठौर की कप्तानी पारी से उज्जैन फाल्कंस की शानदार जीत

प्लेयर आफ द मैच आर्यन पांडे की हैट्रिक और आलराउंड खेल से पस्त हुई बुल्स; दर्शन राठौर ने छक्के से किया मैच फिनिश

इंदौर

होलकर स्टेडियम में खेले गए मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के 39वें मुकाबले में उज्जैन फाल्कंस ने रोमांचक संघर्ष के बाद बुंदेलखंड बुल्स को चार विकेट से पराजित कर प्लेआफ की उम्मीदों को मजबूती दी। 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उज्जैन फाल्कंस ने कप्तान चंचल राठौर (63) और प्लेयर आफ द मैच आर्यन पांडे (24 रन व 4 विकेट) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत 19.1 ओवर में 166/6 रन बनाकर चार विकेट से जीत हासिल की।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बुंदेलखंड बुल्स ने कप्तान अभिषेक पाठक की 14 गेंदों में 36 रन की विस्फोटक पारी और शिवांग कुमार (30) तथा विक्रांत भदौरिया (22) के योगदान से 19.5 ओवर में 160 रन बनाए। बुल्स ने पावरप्ले में 72 रन जोड़कर आक्रामक शुरुआत की, लेकिन बाद के ओवरों में नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। उज्जैन की ओर से आर्यन पांडे ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र 16 रन देकर चार विकेट झटके। उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में लगातार तीन गेंदों पर गौतम जोशी, ओमकार नाथ सिंह और हर्षित परसाई को आउट कर शानदार हैट्रिक भी पूरी की। मसूम रज़ा कैफ ने 19 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

161 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी उज्जैन फाल्कंस की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 13 रन के स्कोर पर ऋषि मिगलानी और यश दुबे के विकेट गंवा दिए। इसके बाद माधव तिवारी ने 10 गेंदों में 20 रन की तेज पारी खेलकर रनगति बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन हर्षित परसाई ने उन्हें पवेलियन भेजकर फाल्कंस को तीसरा झटका दिया। पावरप्ले में टीम का स्कोर 47/3 रहा और मुकाबला पूरी तरह बुंदेलखंड बुल्स के पक्ष में दिखाई देने लगा।

संकट की इस घड़ी में कप्तान एवं विकेटकीपर चंचल राठौर ने शानदार जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए 50 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें सात चौके और दो छक्के शामिल रहे। चंचल ने ओजस्वा यादव (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 85 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। यह साझेदारी मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई।

जब जीत के लिए तेज रन चाहिए थे, तब आर्यन पांडे ने भी बल्ले से कमाल दिखाया। उन्होंने 16 गेंदों में 24 रन की उपयोगी पारी खेलकर दबाव कम किया और फाल्कंस को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। अंतिम दो ओवरों में मुकाबला फिर रोमांचक हो गया, जब रुद्रांश सिंह ने 19वें ओवर में पहले चंचल राठौर और फिर आर्यन पांडे को आउट कर बुल्स की उम्मीदों को जगा दिया। हालांकि अंकुर सिंह चौहान और दर्शन राठौर ने घबराहट नहीं दिखाई। अंतिम ओवर की पहली ही गेंद पर दर्शन राठौर ने भुमेश मुजालदा को शानदार छक्का जड़कर मैच का अंत किया और उज्जैन फाल्कंस को यादगार जीत दिला दी। दर्शन 4 गेंदों में 9 रन बनाकर नाबाद लौटे, जबकि अंकुर सिंह चौहान 5 रन बनाकर अविजित रहे।

एक ही गलती दोहराने के कारण शतक नहीं लगा पा रहे वैभव

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पदार्पण के बाद से ही अपने शानदार प्रदर्शन से छाये हुए हैं पर लगातार एक गलती दोहराने के कारण अपना शतक पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अब तक वह चार बर शतक के करीब आकर भी उसे बनाने में विफल रहे हैं। जिससे प्रशंसक भी निराश हैं। भारत ए टीम की ओर से श्रीलंका दौरे में भी वैभव ने यही गलती की है। इससे 94 रनों पर पहुंचने के बाद भी वह शतक नहीं लगा पाये। इसका कारण उनमें धैर्य की कमी को माना जा रहा है। वैभव अगले माह होने वाले इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल किये गये हैं। ऐसे में प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि वह एक ही गलती अब नहीं करेंगे। वैभव ने हाल ही में श्रीलंका दौरे पर त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में केवल 29 गेंदों में ही 94 रनों की आतिशी पारी खेली थी जिससे सभी हैरान हो गये थे। इस आक्रामक पारी के बाद भी वैभव शतक के बेहद करीब पहुंचकर भी उसे पूरा नहीं कर पाये। इससे एक बार फिर दिखा कि वह शतक के करीब जाकर गलती कर जाते हैं। श्रीलंका ए के खिलाफ हुए उस फाइनल मुकाबले में वैभव ने पहली गेंद से ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 11 गेंदों में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। 64 रन तक पहुंचने तक वैभव ने एक भी सिंगल नहीं लिया, जो यह संकेत दे रहा था कि वह एक बड़े शतक की ओर बढ़ रहे हैं पर एक बार फिर इस बल्लेबाज ने वही पुरानी गलती दोहराई जिससे वह शतक से केवल 6 रन दूर रह गए।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण जीतने पर बोले प्रीतम- तकनीक पर रखा पूरा ध्यान

सुहल (जर्मनी)

भारत के 16 वर्षीय निशानेबाज प्रीतम केंद्रे ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार पहचान बनाते हुए आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप 2026 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। अपने केवल दूसरे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हुए प्रीतम ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में बेहद संयमित और शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 251.3 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। तटस्थ खिलाड़ी तिमोफेई अलेइनिकोव ने रजत और नार्वे के जेन्स ओएस्टली ने कांस्य पदक जीता।

विश्व खिताब जीतने के बाद प्रीतम ने कहा कि प्रतियोगिता के दौरान उनका पूरा ध्यान केवल अपनी तकनीक और हर शाट को बेहतर तरीके से खेलने पर था। प्रीतम ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस जीत से मैं बेहद खुश हूं। पूरी प्रतियोगिता के दौरान मेरा ध्यान केवल अपनी तकनीक पर रहा और हर शाट में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। पुणे के रहने वाले युवा निशानेबाज ने अपनी सफलता का श्रेय गगन नारंग गन फार ग्लोरी शूटिंग अकादमी को भी दिया। उन्होंने कहा, अकादमी के प्रशिक्षकों ने मुझे व्यक्तिगत रूप से काफी मार्गदर्शन दिया। हमारी तैयारी हमेशा तकनीक सुधारने पर केंद्रित रही और मुझे लगता है कि यही इस सफलता का सबसे बड़ा कारण बना। हाल ही में दसवीं की परीक्षा पूरी करने वाले प्रीतम ने कहा कि यह उपलब्धि उन्हें आगे और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, विश्व चैम्पियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने से मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। मैं 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में लगातार बेहतर प्रदर्शन करना चाहता हूं और भारत के लिए आने वाले वर्षों में कई और पदक जीतना चाहता हूं। आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप का यह पांचवां संस्करण जर्मनी के सुहल में आयोजित हो रहा है, जिसमें 70 राष्ट्रीय महासंघों के 800 से अधिक निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं। भारत ने इस प्रतियोगिता में 84 सदस्यीय दल उतारा है। इससे पहले 2024 में पेरू के लीमा में आयोजित प्रतियोगिता में भारत 24 पदकों (13 स्वर्ण, 3 रजत और 8 कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा था।

धीमी ओवर गति पर इंग्लैंड को बड़ा झटका, 12 डब्ल्यूटीसी अंक कटे

लंदन। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहली बार पहुंचने की इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ ओवल में खेले गए दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण इंग्लैंड के 12 डब्ल्यूटीसी अंक काट लिए गए हैं। ओवल टेस्ट में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 253 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला बराबर कर दी। मैच के बाद यह पाया गया कि इंग्लैंड निर्धारित समय के मुकाबले 12 ओवर पीछे रहा। इसके चलते टीम पर अंक कटौती के साथ-साथ खिलाड़ियों की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अपने बयान में कहा कि इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान जो रूट ने गलती स्वीकार कर ली और प्रस्तावित दंड को मान लिया, जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस दंड के बाद विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में इंग्लैंड सातवें स्थान पर बना हुआ है, लेकिन उसका अंक प्रतिशत 34.72 से घटकर 26.38 हो गया है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका की शीर्ष दो टीमें अगले वर्ष लार्ड्स में होने वाले फाइनल में आमने-सामने होंगी। फिलहाल शीर्ष दो स्थानों पर आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका काबिज हैं।

चार साल बाद सिंगल्स कोर्ट पर वापसी करेंगी सेरेना, विंबलडन 2026 के लिए मिला वाइल्डकार्ड

लंदन

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स एक बार फिर ग्रैंड स्लैम मंच पर वापसी करने जा रही हैं। 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता सेरेना को विंबलडन 2026 के सिंगल्स वर्ग के लिए अंतिम वाइल्डकार्ड दिया गया है। इसके साथ ही वह लगभग चार साल बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में सिंगल्स मुकाबला खेलती नजर आएंगी।

44 वर्षीय सेरेना पहले ही अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ डबल्स वर्ग में वाइल्डकार्ड हासिल कर चुकी थीं, लेकिन अब सिंगल्स में भी उनकी एंट्री ने खेल प्रेमियों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है।

सात बार की विंबलडन चैंपियन सेरेना ने आखिरी बार वर्ष 2022 में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। उस दौरान उन्हें पहले दौर में फ्रांस की खिलाड़ी हार्मनी तान से हार का सामना करना पड़ा था। उसी वर्ष अमेरिकी ओपन में उनका सफर तीसरे दौर में समाप्त हुआ था।

उस समय सेरेना ने टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा नहीं की थी और कहा था कि वह खेल से आगे एक नए चरण में आगे बढ़ रही हैं।

हालांकि पिछले वर्ष उनके दोबारा एंटी-डोपिंग परीक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनकी वापसी की चर्चाएं तेज हो गई थीं।

हाल ही में उन्होंने टेनिस कोर्ट पर वापसी करते हुए कनाडा की युवा खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स मुकाबले खेले। इसके बाद उन्होंने चेक गणराज्य की खिलाड़ी करोलिना मुचोवा के साथ भी डबल्स प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। अब सभी की नजरें विंबलडन पर होंगी, जहां सेरेना एक बार फिर सिंगल्स कोर्ट पर उतरकर अपने शानदार करियर में नया अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगी। इस वर्ष विंबलडन प्रतियोगिता 29 जून से 12 जुलाई तक आयोजित की जाएगी।

महिला टी20 विश्व कप में भारत की पहली हार, दक्षिण अफ्रीका ने 6 विकेट से हराया

मैनचेस्टर

आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम को अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा। मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को छह विकेट से पराजित कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी आलराउंडर मारिजान कैप ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की। शेफाली वर्मा ने तेज बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती ओवरों में रन गति को बनाए रखा, जबकि स्मृति मंधाना ने भी उपयोगी योगदान दिया। पावरप्ले में भारत ने तेज शुरुआत का फायदा उठाया, लेकिन इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा और अन्य बल्लेबाजों ने उपयोगी पारियां खेलीं, जिससे भारत निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 158 रन तक पहुंच सका। दक्षिण अफ्रीका की ओर से गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत धीमी रही और शुरुआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाया। भारतीय स्पिनरों ने शुरुआती सफलताएं दिलाकर टीम को मुकाबले में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हालांकि इसके बाद मारिजान कैप और ताजमिन ब्रिट्स ने संयमित और आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार मिश्रण पेश किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका को मैच में वापस ला दिया। कैप ने अंतिम ओवरों में तेज बल्लेबाजी करते हुए भारत की जीत की उम्मीदों को समाप्त कर दिया। भारतीय टीम को बीच के ओवरों में कैप को आउट करने के अवसर भी मिले, लेकिन कुछ कैच छूटने का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। अंतिम दो ओवरों में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए अपेक्षाकृत कम रन चाहिए थे और कैप ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। मारिजान कैप ने आलराउंड प्रदर्शन करते हुए गेंदबाजी में भी महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए और बल्लेबाजी में नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। इस हार के बावजूद भारतीय टीम अंक तालिका में मजबूत स्थिति में बनी हुई है। अब टीम की नजर अगले मुकाबले पर होगी, जहां जीत उसे सेमीफाइनल की दौड़ में और मजबूत स्थिति में पहुंचा सकती है।

चुकंदर से बनाएं फेशियल से मिलेगी ग्लास स्किन, 10 मिनट में मिलेगा पार्लर जैसा निखार

अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। आज हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

आज के समय में हर महिला ग्लास स्किन पाना चाहती है। ऐसी स्किन जो इतनी साफ और निखरी हो कि शीशे की तरह चमके। इस तरह का निखार पाने के लिए महिलाएं अक्सर महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन आप किचन में मौजूद एक चीज से अच्छे रिजल्ट पा सकती हैं। वो भी सिर्फ 20 रुपए में। बता दें कि चुकंदर सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी अच्छा माना जाता है। चुकंदर में एंटी ऑक्सीडेंट, विटामिन सी और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो स्किन को गहराई से पोषण देने का काम करते हैं।

ऐसे में अगर आप भी चुकंदर फेशियल का इस्तेमाल करती हैं, तो आपकी स्किन भी ग्लास की तरह चमकने लगेगी। इससे स्किन पर ऐसा अद्भुत निखार आता है कि हर कोई आपसे आपकी चमकदार स्किन का राज पूछेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जादुई चुकंदर फेशियल के स्टेप्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

फेस क्लींजिंग

फेशियल का सबसे पहला और जरूरी स्टेप स्किन की गहरानी से सफाई करता है। इससे स्किन की धूल-मिट्टी और ऑयल को दूर किया जा सकता है। वहीं चुकंदर का रस नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। जोकि स्किन के पोर्स साफ करता है और विटामिन देता है। गुलाब जल स्किन को शांत करने के साथ ही नमी देने का काम करता है और स्किन के पीएच बैलेंस को बनाए रखता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
गुलाब जल-2 चम्मच
विधि

चुकंदर के रस में गुलाबजल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें।

इसके बाद कॉटन को भिगोकर फेस और गर्दन को अच्छे से साफ कर लें।

ऐसा करने से सारी गंदगी साफ हो जाएगी और ऑयल भी साफ होगा। इससे आपकी तरोताजा लगेगी।

फेस स्क्रब

बता दें कि क्लींजिंग के बाद स्किन को एक्सफोलिएट करना बेहद जरूरी होता है। जिससे कि डेड स्किन सेल्स हट जाएं और आपकी स्किन खुलकर सांस ले सके। इससे ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या दूर होती है। वहीं कॉफी नेचुरल एक्सफोलिएट है, जोकि डेड स्किन को हटाने, स्किन को स्मूथ बनाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करता है। चुकंदर का रस स्किन को पोषण और ग्लो देने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्?मच
कॉफी पाउडर- 2 चुटकी
विधि

चुकंदर के जूस में कॉफी पाउडर मिलाकर इसको अच्छे से मिक्स करके दरदरा पेस्ट बनाएं।

अब इस स्क्रब को फेस और गर्दन पर लगाएं और उंगलियों में पोरों से हल्के हाथों से फेस पर 2-3 मिनट के लिए मसाज करें।

कुछ देर मसाज करने के बाद फेस को गुनगुने पानी से धो लें।

इससे आपका चेहरा पहले से ज्यादा साफ और चमकदार नजर आएगा।

स्किन लाइटिंग जेल

स्क्रबिंग के बाद स्किन को शांत करने और नमी देना जरूरी होता है। स्किन लाइटनिंग जेल आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ चमकदार बनाने का काम करता है। एलोवेरा जेल हाइड्रेटिंग, सूदिंग और हीलिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एलोवेरा स्किन की जलन को कम करता है, नमी को लॉक करता है और स्किन को सॉफ्ट बनाता है। एलोवेरा को चुकंदर के साथ मिलाकर लगाने से स्किन की रंगत में सुधार होता है और ग्लो आता है।

सामग्री
चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
एलोवेरा जेल- 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले चुकंदर के रस में एलोवेरा जूस को अच्छे से मिक्स करें।

अब फेस को साफ करके 5 मिनट मसाज करें।
इसके बाद चेहरे को धो लें।

फेस पैक

फेशियल का लास्ट स्टेप फेस पैक होता है, जो आपकी स्किन को टाइट करने का काम करता है। स्किन को पोषण देता है और परमानेंट ग्लो देता है। इस फेस पैक में मौजूद बेसन आपकी स्किन की गहराई से सफाई करता है और एक्स्ट्रा ऑयल को सोखता है और स्किन की रंगत को निखारने का काम करता है। वहीं गेहूं का आटा स्किन को एक्सफोलिएट करने के साथ टैनिंग को रिमूव करने में भी मदद करता है। साथ ही चुकंदर का रस इस फेस पैक को एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर बनाने का काम करता है।

सामग्री

चुकंदर का जूस- 2 चम्मच
आटा- 1 चम्मच
बेसन- 1 चम्मच

विधि

सबसे पहले बेसन में आटा और चुकंदर का जूस मिलाकर फेस पैक बनाएं।

अब इसको लाइटनिंग फेस पैक को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें।

फिर 20 मिनट बाद फेस वॉश कर लें।

चुकंदर फेशियल के सभी स्टेप्स को पूरा करने के बाद आप पाएंगे कि आपकी स्किन में पॉजिटिव बदलाव आए हैं। इससे न सिर्फ आपकी स्किन साफ और तरोताजा बनेगी, बल्कि सॉफ्ट और शाइनी बन जाएगी। ठीक वैसे जैसे ग्लास स्किन होती है। इस फेशियल को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करने से आपकी स्किन की रंगत में सुधार होता है, स्पॉट्स आदि कम होते हैं और बिना किसी खर्चे के आपको शीशे जैसी चमकती स्किन मिलेगी।

क्या यूरिक एसिड में चना खा सकते हैं?

हाई यूरिक की समस्या समय के साथ बेहद गंभीर रूप लेनी लगती है। आपको ये जानकर हैरानी हो सकती कि जब शरीर में यूरिक एसिड बढ़ता है तो इसकी पथरियां आपकी किडनी में जमा होने लगती है। इसके अलावा ये शरीर के तमाम अंगों को भी प्रभावित करने लगता है जैसे कि ये हड्डियों के बीच पथरियों के रूप में जमा हो जाता है और सूजन का कारण बनने लगता है। ऐसे में कोशिश करनी चाहिए कि आप हाई प्रोटीन वाले फूड्स के सेवन से बचें। तो, ऐसे में सवाल ये है कि हाई यूरिक में चना खाएं या नहीं।

क्या हाई यूरिक में चना खा सकते हैं?

नहीं, अगर किसी को हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो उसे चना, चने की दाल और चने की बनी तमाम चीजों को खाने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए कि चने में प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है जिससे यूरिक एसिड की समस्या तेजी से बढ़ती है। इतना ही नहीं अगर किसी को पहले से ही हाई यूरिक एसिड की समस्या है तो चना खाना सूजन को ट्रिगर कर सकता है और दर्द का कारण बन सकता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको हाई यूरिक एसिड में चना खाने से बचना चाहिए।

अगर खाएं तो कैसे खाएं?

अगर आपका यूरिक एसिड बढ़ा हुआ है तो आपको चने को बिलकुल कम मात्रा में खान चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि इसे अंकुरित करके या फिर इस उबालकर खाएं। इस तरह से चने में फाइबर की मात्रा बढ़ती है जो कि पाचन क्रिया को इतना तेज कर देता है कि चने में मिलने वाला प्रोटीन पच जाता है। साथ ही ये मल में थोक जोड़ने का काम करता है जिससे पेट साफ होता है, प्यूरिन मल के साथ बाहर निकल जाता है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

तो, पहले तो चना खाने से परहेज करें और अगर आप खा भी रहे हैं तो इन बातों का ख्याल रखें। ऐसे करना आपको यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। इसकी जगह आप मूंग जैसी दाल का सेवन कर सकते हैं।

घर पर बना रहे हैं पंजाबी दाल तड़का, ये टिप्स आएंगे आपके बेहद काम

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

जब कुछ हल्का लेकिन टेस्टी खाने का मन होता है तो हम अक्सर दाल खाना पसंद करते हैं। अमूमन दाल को घर-घर में अलग तरीकों से बनाया जाता है। लेकिन अगर आपको चटपटा खाना पसंद आता है तो ऐसे में आप पंजाबी दाल तड़का बनाकर उसका स्वाद चख सकते हैं। पंजाबी दाल तड़का में लहसुन की खुशबू और ऊपर से लगाया हुआ तड़का आपको स्वाद की एक अलग दुनिया में लेकर आता है। आप दाल तड़का को चावल के साथ या फिर तंदूरी रोटी के साथ खा सकते हैं।

लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि हर बार दाल वैसी नहीं बनती। कभी ज्यादा पानीदार हो जाती है तो कभी इसका स्वाद उतना अच्छा नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पंजाबी दाल तड़का बनाते हुए कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करें। इन टिप्स की मदद से आपकी दाल एकदम रेस्टोरेंट स्टाइल बनती है और हर किसी को वह खाने में बेहद ही अच्छी लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पंजाबी दाल तड़का बनाते समय फॉलो किए जाने वाले कुछ आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

अलग-अलग दालों का करें इस्तेमाल

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो ऐसे में सिर्फ एक ही दाल का इस्तेमाल करने से बचें। इसकी जगह आप एक हिस्सा अरहर की दाल, एक हिस्सा मसूर और थोड़ा सा मूंग डालें। जब आप ऐसा करती हैं तो इससे दाल में एकदम बढ़िया क्रीमी और टेस्टी बनती है।

दाल को आधे घंटे भिगोएं

दाल को कभी भी सीधे ही उबालने के लिए नहीं रखना चाहिए। इसकी जगह आप इसे कम से कम 30 मिनट भिगो कर रखें। इससे दाल जल्दी पकती है, बराबर पकती है और पाचन भी आसान होता है। ये रेस्टोरेंट वाली स्मूथ दाल की टेक्सचर का राज है।

दाल को अच्छी तरह पकाएं

जब आप पंजाबी दाल तड़का बना रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि यह पूरी तरह नरम होनी चाहिए, दानेदार नहीं। इसके लिए दाल में कम से कम 3-4 सीटी लगाओ, फिर अच्छी तरह मैश करो। मैश करने से दाल चिकनी और क्रीमी बनती है, जो रोटी या चावल के साथ खाने में काफी अच्छी लगती है।

तड़के का रखें ख्याल

पंजाबी दाल तड़का का असली स्वाद उसके तड़के में छिपा होता है, इसलिए आप उसके साथ किसी तरह का समझौता ना करें। तड़के के लिए देसी घी का इस्तेमाल करें। सबसे पहले उसे अच्छे से गरम करो, फिर जीरा, हींग, लहसुन और प्याज डालो। गरम घी में जीरा और लहसुन का पूरा स्वाद आता है और उसकी खुशबू निकलती है। अब आप इसे ठंडे घी में डालोगे तो वो क्रैकलिंग नहीं करेगा और फ्लेवर भी नहीं आएगा।

दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे बड़ा तोहफा

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' सिनेमाघरों में लगी है। इसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी, नसीरुद्दीन शाह और वेदांग रैना जैसे सितारे हैं। हाल ही में इम्तियाज अली ने फिल्म की कहानी और युवाओं के इस फिल्म से जुड़ने को लेकर बात की। इम्तियाज अली का कहना है कि वे जब भी अखबार उठाते, तो उन्हें पता होता था कि वे विस्थापन और तबाही की सुर्खियों को बंटवारे की अपनी कहानी से जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने इस सोच को 'मैं वापस आऊंगा' फिल्म में साकार किया। यह फिल्म अतीत से वर्तमान और उपमहाद्वीप से लेकर बाकी दुनिया तक का सफर तय करती है।

इम्तियाज अली ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं लगातार पढ़ रहा था कि कहीं तबाही मची है, कहीं लड़ाई हो रही है और बहुत से लोग बेघर होकर शरणार्थी बन रहे हैं और अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मैं यह सोचे बिना नहीं रह सका कि बंटवारे के समय भी ठीक ऐसा ही हुआ था'। हालिया रिलीज फिल्म को मिला रिस्पॉन्स शायद उनके लिए जन्मदिन का सबसे बड़ा तोहफा है। युवा दर्शक शांति से बैठकर फिल्म और उसकी कहानी जुड़ रहे हैं, जिसमें एक 95 वर्षीय बुजुर्ग सरहद के उस पार छूटे अपने प्यार को याद कर रहा है।

'जब वी मेट', 'रॉकस्टार', 'लव आज कल' और 'अमर सिंह चमकीला' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके इम्तियाज अली इन दिनों 'मैं वापस आऊंगा' के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए सिनेमाघरों का दौरा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह एक संतोषजनक अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसा लग रहा है कि मैं जो कहना चाहता था, वह लोगों तक पहुंच गया है। मैंने कभी दर्शकों को फिल्म इतनी शांति से देखते हुए नहीं देखा। मेरी सभी सफल फिल्मों में भी, लोगों की आदत होती है कि वे इधर-उधर हिलते-डुलते रहते हैं। इस बार, वे सच में ध्यान दे रहे हैं, युवा लोग ध्यान दे रहे हैं। वे इतनी बड़ी संख्या में आ रहे हैं और फिल्म को इतना पसंद कर रहे हैं'।

रिश्तों पर अपनी खास समझ के लिए मशहूर डायरेक्टर इस बात से बहुत खुश हैं कि कहानी का मुख्य हिस्सा 'आत्मीयता और स्नेह', युवाओं को पसंद आया है। निर्देशक ने कहा, 'मैंने कई बार कहा है कि आज की पीढ़ी को थोड़ा खोया-खोया सा महसूस होता है, क्योंकि उन्हें ऐसा प्यार नहीं मिल पाता जो लंबे समय तक चले। इसे वे अपने दिल में संजोकर रख सकें, जैसे पुराने जमाने का प्यार या पुराना संगीत। वह चाहत, वह तड़प, किसी एक इंसान का साथ और उसके साथ रहना। वे इन चीजों से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं'। उन्होंने कहा कि यह फिल्म अलग-अलग पीढ़ियों के बीच के उन रिश्तों को खोजने के बारे में है, जिन्हें समझना हमारे आज के लिए जरूरी है।

'कावाला' गाने में अपने काम से खुश नहीं तमन्ना भाटिया

मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' के हिट गाने 'कावाला' से देशभर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। इस गाने में उनके डांस और अंदाज की खूब तारीफ हुई थी, लेकिन अभिनेत्री का मानना है कि वह इसमें और बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीं।

हाल ही में उन्होंने इस बारे में बात की और बताया कि उस समय उनके मन में क्या चल रहा था। दरअसल, निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान अपने यूट्यूब व्लॉग के लिए तमन्ना भाटिया के घर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने तमन्ना के करियर, उनके लोकप्रिय गानों और अभिनय के सफर को लेकर बातचीत की। बातचीत के दौरान जब 'कावाला' गाने का जिक्र आया, तो तमन्ना ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा, ''जब इस गाने की शूटिंग पूरी हुई, तब मुझे महसूस हुआ कि मैं इससे बेहतर कर सकती थी।''

तमन्ना की बात सुनकर फराह खान ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''तमन्ना का स्वभाव ही ऐसा है कि वह हमेशा अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करती हैं।''

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''तमन्ना उन लोगों में से हैं, जिन्हें हर बार लगता है कि वह और अच्छा कर सकती थीं।''

इस पर तमन्ना ने भी सहमति जताई और बताया कि वह अपने हर प्रोजेक्ट के लिए पूरी मेहनत करती हैं। उन्होंने कहा, ''मैं ट्रेंड डांसर नहीं हूं, इसलिए किसी भी गाने के लिए मुझे पहले ज्यादा रिहर्सल करनी पड़ती है।'' इसी बातचीत में तमन्ना ने अपने दूसरे चर्चित गाने 'आज की रात' का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, ''इस गाने के लिए मैंने करीब 15 दिन रिहर्सल की थी। मैं चाहती थी कि गाने के हर स्टेप और हर एक्सप्रेशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं। मुझे तैयारी के लिए समय देना पसंद है, इससे मैं बेहतर परफॉर्म कर पाती हूं।''

बता दें कि 'कावाला' गाने का म्यूजिक संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया था। इसके बोल अरुणराजा कामराज ने लिखे थे, जबकि इसे मशहूर गायिका शिल्पा राव ने गाया था। वहीं, 'स्त्री 2' फिल्म के सुपरहिट गाने 'आज की रात' का म्यूजिक सचिन-जिगर ने कंपोज किया था। इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे थे और इसमें मधुबंती बागची और दिव्या कुमार ने अपनी आवाज दी थी।

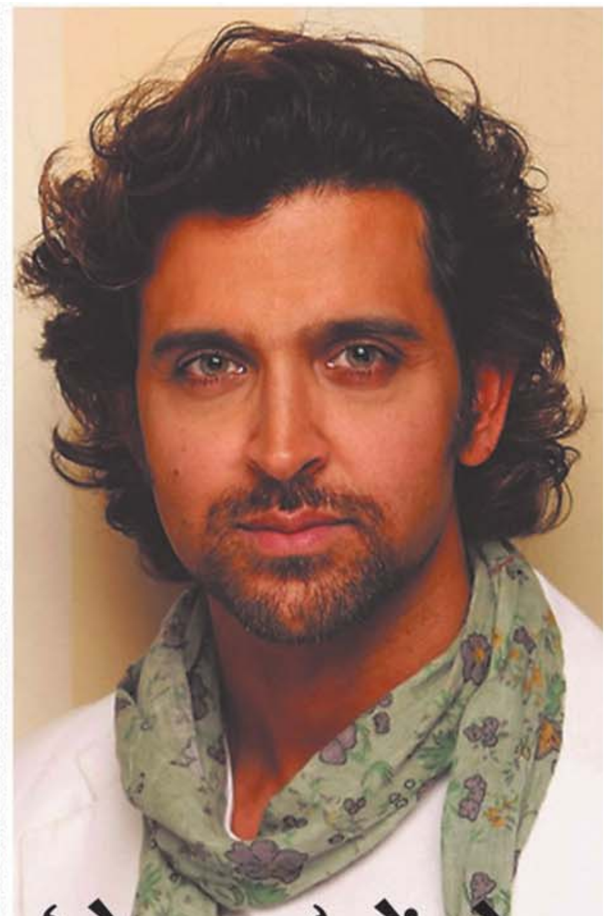

'जेलर 2' में होगा ऋतिक रोशन का धमाकेदार कैमियो

सुपरस्टार रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'जेलर 2' को लेकर एक बड़ी जानकारी आई है। इस फिल्म में पहले शाहरुख खान एक कैमियो करने वाले थे, लेकिन समय की कमी और डेट्स की दिक्कत की वजह से अब उनकी जगह ऋतिक रोशन नजर आएंगे।

40 साल बाद साथ नजर आएंगे ऋतिक और रजनीकांत

ऋतिक रोशन और रजनीकांत पूरे 40 साल बाद एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। इससे पहले दोनों साल 1986 में आई फिल्म 'भगवान दादा' में नजर आए थे, जिसमें ऋतिक ने एक बाल कलाकार के रूप में रजनीकांत के गोद लिए हुए बेटे का रोल निभाया था।

ऋतिक रोशन ने इस फिल्म के लिए हां कह दिया है। वे 22 और 23 जून को चेन्नई में अपने हिस्से की शूटिंग कर सकते हैं। फिल्म में उनका रोल एक्शन से भरपूर होगा और कहानी के लिए बहुत जरूरी होगा।

'जेलर 2' में पहले से ही मोहनलाल, शिव राजकुमार, विजय सेतुपति, मिथुन चक्रवर्ती, एसजे सूर्या, राम्या कृष्णन, विद्या बालन और योगी बाबू जैसे बड़े कलाकार शामिल हैं। अब ऋतिक के शामिल होने से फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है। अगस्त 2025 में आई फिल्म 'वॉर 2' के बाद ऋतिक का यह पहला प्रोजेक्ट होगा। ऋतिक हमेशा से रजनीकांत के साथ दोबारा काम करना चाहते थे, और इस फिल्म से उनका यह सपना पूरा हो रहा है। इस फिल्म का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार कर रहे हैं और इसे सन पिक्चर्स बना रही है। मेकर्स इस फिल्म को सितंबर 2026 में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

कल्कि 2898 एडी से दीपिका के अलग होने के बाद आलिया की एंट्री

बॉलीवुड फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बनी हुई है। हाल ही में फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका के फिल्म से अलग होने के बाद आलिया भट्ट की इसमें एंट्री हुई है। आलिया के किरदार को लेकर भी तमाम अटकलें लग रही हैं।

अभी तक फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के मेकर्स ने आलिया भट्ट के नाम को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। लेकिन सोशल मीडिया पर चर्चा है कि आलिया भट्ट फिल्म में वैष्णो देवी का किरदार निभा सकती हैं। वह फिल्म में सुमति (दीपिका पादुकोण का किरदार) के बच्चे की रक्षा करेंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट ने नाग अश्विन निर्देशित इस साइंस-फिक्शन और माइथोलॉजिकल फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, कुछ सीन्स उन्होंने शूट किए हैं। आलिया के फैंस जरूर इस बात को लेकर खुश है कि वह 'कल्कि 2898 एडी' का हिस्सा बन रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा है कि फिलहाल आलिया की कास्टिंग को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है। गौरतलब है कि 'कल्कि 2898 एडी' में दीपिका पादुकोण ने बेहद अहम भूमिका निभाई थी। उनका किरदार कहानी की केंद्न माना गया था। सीक्वल में भी उसके बड़े विस्तार की उम्मीद थी लेकिन सितंबर 2025 में निर्माताओं ने बयान जारी कर बताया कि दीपिका अब फिल्म के दूसरे भाग का हिस्सा नहीं होंगी। मेकर्स ने अपने बयान में कहा था कि आपसी सहमति और काफी विचार-विमर्श के बाद दोनों पक्षों ने अलग रास्ते चुनने का फैसला किया है।

मैं हमेशा अर्थपूर्ण प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हूं

मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल की आने वाली फिल्म 'इश्कनामा' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्साह को बढ़ा दिया है। यह फिल्म एक इमोशनल इंडो-पाक लव स्टोरी पर बेस्ड है, जिसमें प्यार, जुदाई और सीमाओं के बीच अधूरे रिश्तों की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग पंजाब और राजस्थान में हुई है। टीजर को चंडीगढ़ के एक इवेंट में रिलीज किया गया। इस दौरान फिल्म से जुड़े कलाकारों ने अपने अनुभव साझा किए। अभिनेत्री शहनाज गिल ने कहा, ''अच्छे कलाकारों के साथ काम करना हमेशा सीखने का मौका देता है और ऐसे अनुभव से कलाकार खुद को बेहतर बना पाते हैं। मैं हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हूं, जो ज्यादा अर्थपूर्ण हों, ताकि अभिनय में और गहराई लाई जा सके।'' शहनाज ने कहा, ''मैं फिल्म में एक पाकिस्तानी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जिसका नाम टोरी है। वह बहुत ही मजबूत और साहसी लड़की है, जो अपने प्यार को पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। यह भूमिका मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और अलग अनुभव रही है।''

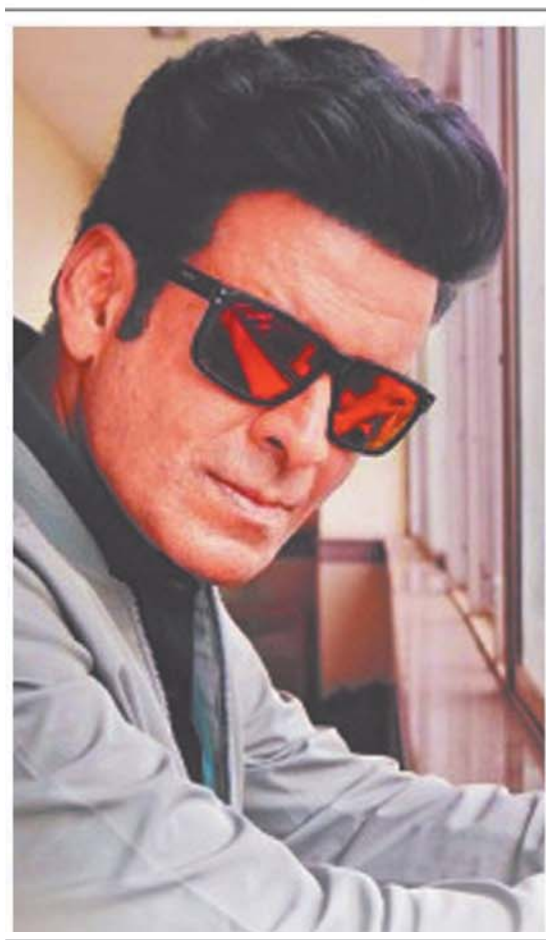

हॉलीवुड फिल्म मिलना ही बड़ी कामयाबी नहीं

भारत में अगर किसी कलाकार को छोटा सा भी हॉलीवुड प्रोजेक्ट मिल जाए, तो उसे बड़ी कामयाबी मान लिया जाता है। लेकिन मनोज बाजपेयी की सोच इससे बिल्कुल अलग है। उनका मानना है कि हम आज भी इस सोच से बाहर नहीं निकल पाए हैं कि पश्चिम जो कर रहा है, वही सबसे बेहतर है।

हम आज भी कॉलोनियल मानसिकता से बाहर नहीं आए

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'देखिए, वो एक मानसिकता है, जिसका शिकार हम हमेशा से रहे हैं। एक तरह की कॉलोनियल मानसिकता, जिसे हम आज तक पूरी तरह छोड़ नहीं पाए हैं। हमें हमेशा लगता है कि जो वो कर रहे हैं, वही बेहतर है...वही बड़ा है। हम लगातार उसी से मुकाबला करने की कोशिश करते रहते हैं।'

आज इंडस्ट्री में कई कलाकार विदेशी प्रोजेक्ट को बड़ी सफलता मानते हैं। लेकिन मनोज बाजपेयी ने बताया कि उन्होंने कई बार हॉलीवुड के ऑफर ठुकरा दिए, क्योंकि काम उन्हें पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा, 'बहुत बार हुआ है। अच्छे रोल्स नहीं आते हैं। और जब अच्छी फिल्में नहीं बन रही होती हैं, तो उसी तरह के लोग संपर्क करते हैं जो वहां भी बहुत अच्छा नहीं कर रहे होते। कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स में बात बनते-बनते रह गई, लेकिन उसके बारे में क्या बात करनी।'

अगर कभी किताब लिखी, तो इसी पर लिखूंगा

मनोज बाजपेयी का कहना है कि अगर कभी उन्हें कुछ गंभीरता से लिखने का मौका मिला, तो वह भारतीय कलाकारों पर हॉलीवुड के असर को ही विषय बनाएंगे। उन्होंने कहा, 'अगर कभी शिद्दत के साथ कुछ लिखना चाहूंगा, तो मैं इस बात पर लिखना चाहूंगा कि एक भारतीय अभिनेता कैसे पूरी तरह अमेरिकी या हॉलीवुड से प्रभावित एक्टिंग के असर से बच सकता है। क्योंकि हमारे यहां जो गंभीर क्रिटिक्स हैं, वो भी अक्सर अच्छी एक्टिंग का रेफरेंस हॉलीवुड को ही मानते हैं। जैसे अच्छी एक्टिंग का एक ही पैमाना हो। लेकिन ऐसा नहीं है। एक्टिंग के बहुत सारे रास्ते हैं... बहुत सारे ट्रैक हैं, और उनमें से किसी एक को ही अंतिम सच नहीं माना जा सकता।'

हमारे यहां एक्टिंग को लेकर सोच गलत है

मनोज बाजपेयी का मानना है कि भारत में अक्सर अंग्रेजी फिल्मों जैसी एक्टिंग को ही अच्छा अभिनय समझ लिया जाता है, जबकि यहां के लोगों का तरीका और व्यवहार बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा, 'मेरी दिक्कत ये है कि एक्टिंग के नाम पर ज्यादातर लोग अंग्रेजी फिल्मों में जो देखते हैं, उसी को अच्छी एक्टिंग मान लेते हैं। लेकिन भारतीय अभिनय इसलिए अलग है क्योंकि यहां के लोगों के एक्सप्रेशन अलग हैं, बातचीत करने का तरीका अलग है, व्यवहार अलग है।'

मेरी फिल्मों में आपको हिंदुस्तानी आदमी दिखेगा

मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा कोशिश की कि उनके किरदार पूरी तरह भारतीय लगें, किसी विदेशी स्टाइल की कॉपी नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं लगातार इसी सोच पर काम करता रहा हूं। इसलिए अगर आप मेरी ज्यादातर फिल्में देखेंगे, तो आपको उनमें एक हिंदुस्तानी आदमी दिखाई देगा। वो ऐसा बिल्कुल नहीं लगेगा कि किसी और देश का किरदार निभाया जा रहा है और सिर्फ उसका नाम भारतीय रख दिया गया है। इसी वजह से 'सत्या', 'शूल' या खासकर 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी फिल्में इतनी खास हैं। ये बहुत खालिस भारतीय फिल्में हैं। उनके किरदार, उनके परफॉर्मेंस, उनकी भाषा, उनका व्यवहार- सब कुछ भारतीय समाज से निकलकर आता है। जब भी आप इस तरह की फिल्म बनाएंगे, तो उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिलेगी, क्योंकि उसमें अपनी अलग पहचान होगी।'

नए एक्टर्स को मनोज की सलाह

नई पीढ़ी के कलाकारों को मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि एक्टिंग सीखने के लिए बाहर देखने की जरूरत नहीं है। सबसे पहले अपने आसपास के लोगों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। बेसिक ग्रामर तो आप सीख सकते हैं। उसके लिए आपको बहुत दूर जाने की जरूरत भी नहीं है। बस अपने आसपास के लोगों को देखिए, अपनी जिंदगी को देखिए। कोई भी आदमी यहां हॉलीवुड के किसी एक्टर या एक्ट्रेस की तरह बात नहीं करता। यही सबसे बुनियादी बात है। आप जिस परिवार से आते हैं, जिन लोगों के बीच बड़े हुए हैं, उनका व्यवहार देखिए। लोग एक-दूसरे से कैसे बात करते हैं, कैसे रिएक्ट करते हैं।'

संक्षिप्त समाचार

जन्म-मृत्यु पंजीकरण मामलों में अपील का अधिकार, नागरिकों को मिलेगी वैधानिक राहत

रायपुर। जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण से संबंधित मामलों में नागरिकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय जशपुर द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी जारी की गई है। कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि पंजीकरण प्रकरणों में पारित आदेशों के विरुद्ध नागरिकों को नियमानुसार अपील करने का अधिकार प्राप्त है। जारी सूचना के अनुसार, यदि किसी आवेदक को जन्म या मृत्यु पंजीकरण संबंधी प्रकरण में संबंधित रजिस्ट्रार द्वारा दिए गए आदेश से असंतोष है, तो वह जिला रजिस्ट्रार के समक्ष अपील प्रस्तुत कर सकता है। वहीं, जिला रजिस्ट्रार के निर्णय से असहमत होने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति मुख्य रजिस्ट्रार, छत्तीसगढ़ तथा संचालक, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, रायपुर के समक्ष अपील कर सकता है।

कार्यालय ने बताया कि अपील प्रस्तुत करते समय संबंधित आदेश की प्रति, आवश्यक दस्तावेज तथा प्रकरण से जुड़े तथ्यों का स्पष्ट विवरण संलग्न करना आवश्यक होगा। इससे मामले का परीक्षण कर नियमानुसार उचित निर्णय लिया जा सकेगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया है कि जन्म-मृत्यु पंजीकरण से जुड़े किसी भी विवाद, त्रुटि अथवा आदेश के संबंध में उपलब्ध वैधानिक अपील व्यवस्था का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए संबंधित स्थानीय रजिस्ट्रार अथवा जिला रजिस्ट्रार कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर छत्तीसगढ़ से गूंजेगा हरित भारत का संदेश

रायपुर। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 1 बजे होगा। मुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति से खिलाड़ियों, खेल संगठनों तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों का उत्साह बढ़ेगा।भारतीय ओलंपिक संघ के आह्वान पर इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में 2036 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और जलवायु संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस आयोजन के माध्यम से खिलाड़ियों और युवाओं को खेलों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया जाएगा। वृक्षारोपण अभियान प्रदेश में हरित आवरण बढ़ाने, जैव विविधता संरक्षण तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ का मानना है कि मुख्यमंत्री की सहभागिता से प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को नई प्रेरणा मिलेगी। इससे खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति भी जागरूकता बढ़ेगी।

सीए आदित्य सिंघानिया ने जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल में दिया व्याख्यान

■ **अध्यक्षता रायपुर जीएसटी बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष भाविक शाह ने की**

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। रायपुर जीएसटी बार एसोसिएशन द्वारा आज卐जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल में अपील की प्रक्रिया एवं ड्राफ्टिंग卐 विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए आदित्य सिंघानिया थे।

विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि मात्र 22 वर्ष की आयु में सीए आदित्य सिंघानिया ने रायपुर जीएसटी बार एसोसिएशन जैसे प्रतिष्ठित संगठन के मंच से अपना प्रथम व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल में अपील प्रस्तुत करने की संपूर्ण प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, समय-सीमाओं, ड्राफ्टिंग की बारीकियों तथा विभिन्न व्यावहारिक एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी अत्यंत सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रदान की। उन्होंने विशेष रूप से सदस्यों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल (तस्ञ्ञ्ञ) के समक्ष लंबित द्वितीय अपीलों के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 जून है, अत: पात्र करदाता एवं कर-व्यवसायी समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए आवश्यक कार्यवाही समय पर पूर्ण करें। साथ ही उपस्थित सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं व्यावहारिक समस्याओं का समाधान भी किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर जीएसटी बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष भाविक शाह ने की। कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रवीण शर्मा द्वारा किया गया तथा उपाध्यक्ष मनीष बजाज ने आभार प्रदर्शन किया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में भाविक शाह ने युवा प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की एसोसिएशन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि सीए आदित्य सिंघानिया द्वारा विषय का गहन अध्ययन एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण सभी सदस्यों के लिए अत्यंत लाभदायक एवं प्रेरणादायक रहा।

इस अवसर पर एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य डी. आर. लड्ढा, के. पी. तोमर, आलोक अग्रवाल, मनीष बजाज , संजय वॉलगूंजे, महेंद्र पंसारी, दीपक कामटकर , मनोज धमेचा ,वरुण माहेश्वरी सहित लगभग 60 सदस्य उपस्थित रहे।

उपस्थित सदस्यों ने सेमिनार को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं व्यावहारिक बताते हुए भविष्य में भी जीएसटी एवं कराधान से संबंधित समसामयिक एवं व्यावहारिक विषयों पर इस प्रकार के नियमित सेमिनार आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

सीएम साय ने बलिदान दिवस पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रख्यात शिक्षाविद्,भारत के प्रथम उद्योग मंत्री, राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।इतिहास इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के सशक्त प्रहरी थे। उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना संपूर्ण जीवन देश सेवा के लिए समर्पित किया। उनके विचार, संघर्ष और त्याग भारतीय लोकतंत्र एवं राष्ट्रवादी चिंतन की अमूल्य धरोहर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की राजनीति को वैचारिक आधार प्रदान किया तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्र की अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज भी प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ते समय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्श और सिद्धांत हमें निरंतर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उनके विचारों को आत्मसात कर ही हम राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा सकते हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, राम गर्ग सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

महिला आयोग की सुनवाई में कई मामलों का हुआ निराकरण

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रयपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सदस्य श्रीमती प्रियम्वदा सिंह जूदेव ने आज जशपुर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला उत्पीड़न एवं अन्य प्रकरणों की सुनवाई की। प्रदेशभर में आयोजित सुनवाई में 401 मामलों पर विचार किया गया, जिनमें जशपुर जिले के 10 प्रकरण शामिल रहे।

सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण मामले में आयोग ने छह वर्षों से साथ रह रहे एक युगल के विवाह की प्रक्रिया शुरू कराने के निर्देश दिए। मामले में अनावेदक, जो वर्तमान में सेना में कार्यरत है, ने आवेदिका के साथ लंबे समय से सहजीवन में रहने और उनसे एक पुत्री होने की बात स्वीकार की। आयोग के समक्ष आवेदिका ने एफआईआर दर्ज कराने के बजाय विधिवत विवाह कराने की इच्छा जताई, जिस पर अनावेदक ने सहमति दी। आयोग ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को दोनों पक्षों के विवाह की प्रक्रिया प्रारंभ कर दो माह के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही अनावेदक को प्रत्येक माह 10 हजार रुपए भरण-पोषण राशि जमा कराने का आदेश दिया गया।

एक अन्य प्रकरण में सीआरपीएफ में पदस्थ कर्मचारी द्वारा पत्नी और दो बच्चों के भरण-पोषण की उपेक्षा किए जाने की शिकायत पर आयोग ने हस्तक्षेप किया। सुनवाई के दौरान अनावेदक ने अपनी पत्नी एवं बच्चों के लिए प्रतिमाह 20 हजार रुपए भरण-पोषण राशि देने पर सहमति व्यक्त की। आयोग ने संरक्षण अधिकारी को नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भूमि विवाद से जुड़े एक मामले में आयोग ने दोनों पक्षों को तहसीलदार के समक्ष सीमांकन कराने और वैधानिक प्रक्रिया के अनुसार भूमि का कब्जा सुनिश्चित करने की सलाह दी।

कौन से गांव में कितना भू-जल, एनआईटी रायपुर करेगा वैज्ञानिक अध्ययन

- ■ **रिपोर्ट के आधार पर होंगे जल संरक्षण कार्य**
- ■ **मोर गाँव मोर पानी अभियान के तहत धमतरी और कुरूद के जल स्त्रोतों का होगा सर्वे, जल संकट वाले क्षेत्रों के लिए बनेगी विशेष कार्ययोजना**
- ■ **भू-जल संकट से निपटने की दिशा में बड़ा कदम, एनआईटी रायपुर करेगा हाइड्रोजियोलॉजिकल सर्वे**

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। जिले में भू-जल स्तर के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर संचालित मोर गाँव मोर पानी अभियान को और अधिक प्रभावी एवं वैज्ञानिक स्वरूप प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले के विकासखंड धमतरी एवं कुरूद को भू-जल दोहन की स्थिति के आधार पर क्रमश: क्रिटिकल एवं सेमी-क्रिटिकल श्रेणी में चिन्हित किया गया है। इन क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं भू-जल पुनर्भरण के स्थायी समाधान विकसित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), रायपुर के विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तावित किया गया है।

इस अध्ययन के तहत एनआईटी रायपुर की विशेषज्ञ टीम चयनित ग्रामों में उपलब्ध भू-जल की स्थिति, जल स्त्रोतों की क्षमता, जल स्तर में हो रहे बदलाव तथा वर्षा जल के संरक्षण की संभावनाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण करेगी। अध्ययन में यह भी आकलन किया जाएगा कि किस गांव में कितना भू-जल उपलब्ध है, जल संरक्षण की वर्तमान स्थिति क्या है तथा किन उपायों से भू-जल स्तर को बेहतर बनाया जा सकता है। हाइड्रोजियोलॉजिकल सर्वे एवं स्पॉट स्टडी के आधार पर जल संरक्षण एवं भू-जल पुनर्भरण के लिए सबसे उपयुक्त संरचनाओं की पहचान की जाएगी।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा द्वारा राज्य स्तर पर प्रेषित प्रस्ताव में अनुरोध किया गया है कि एनआईटी रायपुर के विशेषज्ञ चयनित ग्रामों एवं स्थलों का स्पॉट स्टडी तथा हाइड्रोजियोलॉजिकल सर्वे कर भू-जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए उपयुक्त संरचनाओं की पहचान करें। साथ ही उनके तकनीकी डिजाइन, संभावित प्रभाव, जल पुनर्भरण क्षमता तथा क्रियान्वयन की कार्ययोजना संबंधी विस्तृत तकनीकी प्रतिवेदन तैयार किया जाए।इस संबंध में एनआईटी रायपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ. विकास कुमार विद्यार्थी ने अपने पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि प्रभावी अनुशंसाओं एवं दीर्घकालिक परिणामों के लिए व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक होगा। उन्होंने अध्ययन कार्य हेतु प्रस्तावित ग्रामों एवं स्थलों की संख्या तथा उनका विवरण उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि संस्थान द्वारा विस्तृत कार्ययोजना, तकनीकी प्रस्ताव तथा आवश्यक वित्तीय प्रावधान का आकलन तैयार किया जा सकेगा । राज्य मनरेगा आयुक्त कार्यालय द्वारा भी जिला प्रशासन से धमतरी एवं कुरूद विकासखंड के उन ग्रामों एवं स्थलों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया है, जहां अध्ययन कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। जानकारी प्राप्त होने के उपरांत एनआईटी रायपुर द्वारा अध्ययन की रूपरेखा, समय-सीमा, तकनीकी आवश्यकताओं एवं व्यय संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा।

रायपुर निगम ने सेंट पॉल स्कूल परिसर में बने विवादित भवन ढहा

▶▶ लोकमाया न्यूज।

यारायपुर। राजधानी रायपुर के सेंट पॉल स्कूल परिसर में बने एक विवादित सामुदायिक भवन पर प्रशासन का बुलडोजर चल गया है। हिंदू स्वाभिमान संगठन की प्रदेश अध्यक्ष विश्वदिनी पांडेय ने सामुदायिक भवन के नाम पर चर्च बनाए जाने का आरोप लगाया था और इसकी शिकायत भी की थी, जिसके बाद नगर निगम और जिला प्रशासन ने यह बड़ी कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान स्थिति न बिगड़े, इसके लिए प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाते हुए सेंट पॉल स्कूल के दोनों तरफ की सड़कों को पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया है। मौके पर अपर कलेक्टर, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस समेत भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है।

सेंट पॉल स्कूल के पास बने विवादित भवन को बुलडोजर के जरिए जमींदोज किया जा रहा है। इस पूरे मामले में हिंदू स्वाभिमान संगठन की प्रदेश अध्यक्ष विश्वदिनी पांडेय ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है सेंट पॉल स्कूल परिसर एक शैक्षणिक संस्थान है। सेंट पॉल ट्रस्ट के पास इस जमीन की लीज़ साल 2022 में ही खत्म हो चुकी है। लीज़ समाप्त होने के बावजूद स्कूल परिसर में बिना किसी वैध अनुमति के सामुदायिक भवन के नाम पर चर्च का निर्माण किया जा रहा था।

टिश्यू कल्चर तकनीक से किसानों को मिलेगा अधिक लाभ: वनमंत्री कश्यप

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप आज अरण्य भवन, नवा रायपुर में आज सागौन प्रबंधन एवं उन्नत सागौन रोपण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण पाण्डेय, वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

उन्नत सागौन रोपण पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

कार्यशाला को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सागौन (टीक) का प्रबंधन और उन्नत रोपण उच्च गुणवत्ता वाली इमारती लकड़ी के उत्पादन और शानदार मुनाफे का सौदा है स उन्होंने कहा कि सागौन विश्व की सबसे मूल्यवान इमारती लकड़ियों में से एक है। इसकी मजबूती, टिकाऊपन और दीमक-रोधी गुणों के कारण इसे लकड़ी का राजा कहा जाता है।उन्होंने कहा कि जिस प्रकार लोग भविष्य की सुरक्षा के लिए बैंक में निवेश करते हैं, उसी तरह सागौन का पौधा लगाना भी एक दीर्घकालिक और सुरक्षित निवेश है। इससे किसानों को भविष्य में बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है।

टिश्यू कल्चर पौधों से बढ़ेगी उत्पादकता

वन मंत्री कश्यप ने किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि टिश्यू कल्चर तकनीक से तैयार सागौन के पौधे सामान्य पौधों की तुलना में तेजी से बढ़ते हैं। इन पौधों का तना सीधा और गुणवत्तापूर्ण होता है, जिससे बेहतर गुणवत्ता की लकड़ी प्राप्त होती है और किसानों की आय बढ़ती है।

कश्यप ने बताया कि किसान सागौन रोपण के शुरुआती वर्षों में पौधों के बीच खाली स्थान पर दलहन, तिलहन अथवा अन्य फसलें लेकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। वहीं 8 से 10 वर्ष बाद वृक्षों की छंटाई (थिनिंग) से भी आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। राज्य शासन द्वारा निजी भूमि पर व्यावसायिक वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष अनुदान दिया जा रहा है।

5 एकड़ तक के किसानों को 100 प्रतिशत अनुदान

छोटे और सीमांत किसानों के लिए 5 एकड़ तक सागौन रोपण पर 100 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। इसके तहत प्रति पौधा 94.50 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में वृक्षारोपण करने वाले किसानों एवं संस्थाओं को 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेषज्ञ वैज्ञानिकों ने दी आधुनिक जानकारी

डब्ल्यूआरएस कॉलोनी हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा, दो गिरफ्तार

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र स्थित डब्ल्यूआरएस कॉलोनी मैदान में हुई हत्या की गुत्थी को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लेकर हत्या का खुलासा किया है।

पुलिस के अनुसार, 21-22 जून की दरमियानी रात खमतराई थाना क्षेत्र के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी मैदान में अज्ञात आरोपियों ने एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर उसकी हत्या कर दी थी। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा खमतराई थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी और मुखबिर तंत्र की मदद से दो आरोपियों तुषार सोनी और पीयूष मानिकपुरी को हिरासत में लिया।पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वे शराब के नशे में थे। इसी दौरान मृतक के साथ हुए क्षणिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और उन्होंने मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित संबंधित धाराओं के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

महासमुंद की धरती में हीरा उद्योग, विकास को मिलेगा नया आयाम

▶▶ लोकमाया न्यूज।

रायपुर। छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। महासमुंद जिले के सरायपाली क्षेत्र स्थित बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में वैज्ञानिक अन्वेषण के दौरान हीरों की प्राप्ति ने प्रदेश को खनिज संपदा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड द्वारा 200 टन बल्क सैंपल के परीक्षण एवं प्रसंस्करण के बाद कुल 5 हीरे प्राप्त हुए हैं, जिनका कुल वजन 1.22 कैरेट है। यह उपलब्धि क्षेत्र में हीरा खनिजीकरण की संभावनाओं की पुष्टि करती है तथा भविष्य में बड़े पैमाने पर निवेश, राजस्व सृजन और रोजगार के नए अवसरों का आधार बन सकती है।

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड द्वारा राज्य शासन को उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, बलौदा-बेलमुंडी क्षेत्र में किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षण, स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय अध्ययन तथा अन्वेषण ड्रिलिंग के आधार पर चिन्हित क्षेत्र से लगभग 200 टन खनिज सामग्री का बल्क सैंपल एकत्रित कर परीक्षण किया गया। प्रसंस्करण के पश्चात प्राप्त पांच हीरों में दो जेम क्वालिटी तथा तीन अन्य श्रेणी के हीरे शामिल हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत उत्साहजनक बताते हुए कहा कि प्रदेश की आर्थिक क्षमता और प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक अन्वेषण, पारदर्शी प्रबंधन और मूल्य संवर्धन आधारित औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पहले से ही देश के प्रमुख खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल है और लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट तथा चूना पत्थर के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अब हीरा संभावनाओं की पुष्टि से प्रदेश की खनिज विविधता और अधिक समृद्ध होगी तथा खनिज अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की नीति केवल खनिजों के उत्खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि खनिज आधारित उद्योगों, मूल्य संवर्धन इकाइयों और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। प्रदेश में खनिज संसाधनों के माध्यम से निवेश, उद्योग और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को साकार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए राज्य सरकार खनिज, कृषि, उद्योग, अधोसंरचना और मानव संसाधन विकास के सभी क्षेत्रों में समान रूप से कार्य कर रही है। बलौदा-बेलमुंडी क्षेत्र से प्राप्त यह सफलता प्रदेश की खनिज क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगी तथा निवेश, रोजगार और समावेशी विकास के नए द्वार खोलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वैज्ञानिक अन्वेषण और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से प्रदेश के अन्य संभावित क्षेत्रों में भी खनिज संपदा की खोज को गति मिलेगी, जिससे छत्तीसगढ़ आने वाले वर्षों में देश की खनिज आधारित अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रारंभिक चरण में प्राप्त यह सफलता भविष्य के विस्तृत अन्वेषण कार्यों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत है। इससे क्षेत्र की भूगर्भीय संरचना, संसाधन क्षमता और संभावित भंडारों के संबंध में व्यापक अध्ययन का मार्ग प्रशस्त होगा। आगामी सर्वेक्षणों एवं परीक्षणों से क्षेत्र की वास्तविक क्षमता का अधिक सटीक आकलन किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में किए गए बल्क सैंपल परीक्षण के परिणामस्वरूप प्राप्त हीरों को सुरक्षित अभिरक्षा में एनएमडीसी के पन्ना स्थित स्ट्रांग रूम में रखा गया है।